हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

अलनीनो के प्रभाव और कमजोर मानसून ने छत्तीसगढ़ में खरीफ सीजन की शुरुआत को प्रभावित कर दिया है। जून समाप्त होने को है, लेकिन प्रदेश के अधिकांश जिलों में सामान्य से काफी कम बारिश दर्ज की गई है। नतीजतन धान की बोनी पिछड़ गई है, खेत सूखे पड़े हैं और किसान बारिश का इंतजार कर रहे हैं। कई जिलों में अंकुरण सूखने लगे हैं तो कहीं बुआई का रकबा घट गया है। कृषि विभाग किसानों को कम अवधि वाली धान किस्मों और दलहन-तिलहन जैसी वैकल्पिक फसलों की सलाह दे रहा है, जबकि किसान अब भी अच्छी बारिश की उम्मीद लगाए बैठे हैं। पेश है प्रदेशभर के हाल:

धान की बुआई जून के दूसरे सप्ताह तक होती है पूरी, बारिश की वजह से 80 फीसदी

प्रदेशभर की रिपोर्ट, किसान दलहन-तिलहन की ओर, अर्ली वेरायटी पर फोकस

रूठे मेघ, सहमे किसान, छत्तीसगढ़ में पिछड़ी खेती, कहीं 10, कहीं 15 फीसदी ही बुआई

भिलाई-देवीलाल साहू/ राजनांदगांव- हफीज खान/ कवर्धा-महेश मिश्रा/ गरियाबंद- गोरेलाल सिन्हा/ धमतरी-दीपनारायण शर्मा/ कांकेर-विजय पांडेय बिलासपुर-कोमल सिंह/कोरबा-राकेश श्रीवास्तव/अंबिकापुर-अजय नारायण पांडेय/रायगढ़-स्वतंत्र महंत/ जांजगीर-अभिषेक शुक्ला की विशेष रिपोर्ट

धमतरी: बोनी के बाद सूखे पड़े हैं खेत

बारिश की बेरुखी से खेती किसानी पिछड़ गई है। किसान खेतों में धान छिड़ककर अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन बारिश बूंदाबांदी से आगे नहीं बढ़ रही है। ऐसे में किसानों को बीज के खराब होने का डर सता रहा है।

उत्पादन घटने की आशंका बढ़ गई है। अलनीनों के असर से धमतरी जिले में सूखा पड़ा हुआ है। मानसून तो प्रवेश कर चुका है, लेकिन बारिश नहीं हो रही है। उधर खरीफ की बोनी का समय निकलता जा रहा है। किसान कामता सेन, मुरारजी साहू, चंद्रहास साहू ने बताया कि धान की बोनी के लिए आदर्श ▶▶|शेष पेज 7 पर

गरियाबंद: अलनीनो के असर से सूखे जैसे हालात

किसानों को बारिश का इंतजार

जून का अंतिम सप्ताह समाप्त होने को है लेकिन अब तक जिले में पर्याप्त बारिश नहीं होने से खेत सूखे पड़े हैं। कई स्थानों पर खेतों की मिट्टी इतनी सख्त हो चुकी है कि वे चट्टान जैसी दिखाई दे रही है। किसान आसमान की ओर टकटकी लगाए अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे हैं। मौसम की बेरुखी देख किसान निजी बोरवेल से सिंचाई कर फसल बुवाई कर रहे वहीं सिंचाई के मुख्य साधन नहर नाली सूखे पड़े हैं। ▶▶|शेष पेज 7 पर

खुर्रा बोनी का समय समाप्त

धान की खुर्रा बोनी का समय बीत चुका है। मानसून आने के दौरान बतर बोनी की जाती और रोपाई के लिए अभी वक्त है। तीनों तरीके से की जाने वाली खेती पर बहुत ज्यादा असर होने की संभावना नहीं है। चूंकि बारिश कम हुई है इसलिए किसानों को जल्दी पकने वाले धान और दलहन-तिलहन की खेती करने की सलाह दी जा रही है।

-डॉ. जीके दास,
कृषि मौसम विशेषज्ञ,
इंदिरा गांधी कृषि विवि

राजनांदगांव: जिले में 10% भी बुआई नहीं, खेती पिछड़ी उत्पादन में होगी कमी

अलनीनो के प्रभाव के चलते बारिश की बेरुखी बनी हुई है, जिससे खेती किसानी का कार्य प्रभावित हो गया है। लगभग 10-15 दिनों में भी जिलेभर में 10 प्रतिशत किसानों ने धान की बुवाई नहीं की है। जिससे खेती का कार्य पिछड़ा हुआ है। देर से बुवाई और मौसम की बेरुखी के चलते इसका सीधा प्रभाव फसलों पर पड़ेगा, जिससे उत्पादन क्षमता में कमी आएगी। स्थिति यह है कि बारिश के इंतजार में कई किसान अब तक अपने खेतों की जुताई भी नहीं कर पाए हैं और जिन किसानों ने खेतों में धान के बीज बोए हैं उन्हें अब फसल अंकुरित नहीं होने की चिंता सता रही है । मानसून सक्रिय नहीं होने को लेकर कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. गुंजन झा ने बताया कि अलनीनो एक वैश्विक जलवायु घटना है, जिसमें प्रशांत महासागर के मध्य एवं पूर्वी ▶▶|शेष पेज 7 पर

कबीरधाम :खेती पर संकट

दलहन-तिलहन की ओर बढ़ रहे किसान

कबीरधाम जिले में खरीफ सीजन की खेती प्रभावित होने लगी है। बारिश में करीब 15 दिन की देरी से धान की बोवनी पिछड़ गई है, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि यदि जल्द पर्याप्त वर्षा नहीं हुई तो फसलों के उत्पादन में उल्लेखनीय गिरावट के साथ किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। कबीरधाम जिले में लगभग 1 लाख 16 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में धान तथा करीब 32 हजार हेक्टेयर में गन्ने की खेती की जाती है। इस वर्ष गन्ने के रकबे में लगभग ▶▶|शेष पेज 7 पर

अर्ली वैरायटी से किसान बना रहे दूरी

विशेषज्ञों का कहना है कि 70 से 80 दिनों में तैयार होने वाली अर्ली वैरायटी उपलब्ध है, लेकिन अधिकांश किसान इसे अपनाने से बचते हैं। बीच मौसम में अधिक वर्षा होने पर इन फसलों के नुकसान की आशंका अधिक रहती है।

कांकेर : कम बारिश ने खरीफ फसल की रफ्तार की धीमी

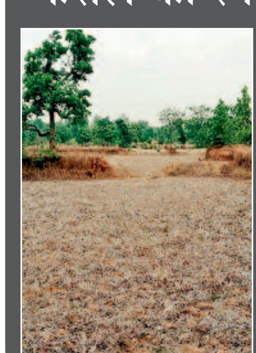

अलनीनो के प्रभाव और जून के अंतिम सप्ताह तक सामान्य से कम बारिश ने कांकेर जिले में खरीफ सीजन की रफ्तार धीमी कर दी है। कांकेर जिले के मैदानी इलाकों में जहां कुछ हद तक बुआई हुई है, वहीं अंतागढ़, कोयलीबेड़ा और दुर्गुकोंदल जैसे आदिवासी विकासखंडों में बारिश की कमी के ▶▶|शेष पेज 7 पर

बिलासपुर

अब तक केवल 5 हजार हेक्टेयर में बुआई

मानसून सक्रिय होने में विलंब होने और औसत से कम बारिश होने के कारण धान की बोनी पिछड़ गई है। किसान सूखे खेतों में ट्रैक्टर से जोताई तो कर रहे हैं, लेकिन जमीन सूखी होने के कारण बोनी नहीं कर पा रहे हैं। जून से अब तक जिले में केवल 5 मिमी बारिश दर्ज की गई है. जबकि पिछले 10 वर्षों के औसत के हिसाब से जून माह में 150 मिमी बारिश होती है, नतीजा यह है कि जिले में अब तक सिर्फ 5000 हेक्टेयर क्षेत्र में ही धान की बोनी हो सकी है, जबकि सामान्य स्थिति में जून के अंतिम सप्ताह से लेकर जुलाई के पहले सप्ताह तक जिले के कुल रकबे 1 लाख 42 हजार हेक्टेयर में से 35 हजार हेक्टेयर से ज्यादा क्षेत्र में धान की ▶▶|शेष पेज 7 पर

रायगढ़

बोनी के बाद सूख गए 40 फीसदी अंकुरण, 20 दिन पिछड़ गई खेती

रायगढ़। जिले के किसानों ने रोपा के बजाए खेतों में बोनी तो 20 दिन पहले कर दी थी लेकिन बारिश नहीं होने से अंकुरण 40 फीसदी अब सूख चुके हैं। हालात यह है कि अब खेतों में किसानों को दोबारा बुआई करनी पड़ेगी। बारिश नहीं होने से करीब 20 दिन खेती का काम पिछड़ चुका है। इसका असर उत्पादन पर पड़ेगा। दूसरी ओर बारिश नहीं होने की वजह से खेतों में बड़े धान ▶▶|शेष पेज 7 पर

ट्रैफिक जवानों के लिए एसी वाले हेलमेट का ट्रायल

ट्रैफिक जवानों को प्रतिदिन कई घंटे खुले आसमान के नीचे खड़े रहकर यातायात नियंत्रित करना पड़ता है। गर्मी के मौसम में हीट स्ट्रेस, डिहाइड्रेशन और थकान जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। ऐसे में जवानों को एसी वाले हेलमेट देने की तैयारी चल रही है।

रमन हलवाई ▶▶| रायपुर

खास खबर

रायपुर में शनिवार को उसका ट्रायल शुरू किया गया। यह तकनीक न केवल उनकी कार्यक्षमता बढ़ा सकती है, बल्कि स्वास्थ्य सुरक्षा के लिहाज से भी महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। यदि ट्रायल सफल रहता है तो भविष्य में अधिक संख्या में ट्रैफिक जवानों को ऐसे हेलमेट उपलब्ध कराए जा सकते हैं। पुलिस विभाग का मानना है कि बेहतर कार्य परिस्थितियां उपलब्ध कराने से जवानों की कार्यकुशलता और मनोबल दोनों में वृद्धि होगी। विवेक शुक्ला, एडीसीपी ट्रैफिक का कहना है कि एक कंपनी द्वारा कुछ एसी हेलमेट ट्रायल के लिए उपलब्ध कराए हैं। भीषण गर्मी में ड्यूटी करने वाले ट्रैफिक जवानों को राहत देने के उद्देश्य से इनका परीक्षण किया जा रहा है।

8 से 15 डिग्री तापमान कम कर सकता है हेलमेट

हेलमेट के ऊपरी हिस्से में एक छोटा बैटरी संचालित फैन और एयर-डक्ट सिस्टम लगा होता है। पीछे कमर या बेल्ट पर बैटरी पैक लगाया जाता है, जो फैन बाहर की हवा को खींचकर फिल्टर करता है और चेहरे व सिर की ओर भेजता है। कुछ मॉडलों में कूलिंग मॉड्यूल भी होता है, जो हवा का तापमान कुछ डिग्री कम कर देता है। एक बार चार्ज होने पर यह सामान्यतः 6 से 8 घंटे तक काम करता है। कंपनियों के दावों और पुलिस ट्रायल रिपोर्टों के अनुसार यह सिर के आसपास के तापमान को लगभग 8 से 15 डिग्री सेल्सियस तक कम महसूस करा सकता है, जिससे हीट स्ट्रेस और लू का खतरा घटता है।

रेस्क्यू टीम सदस्य सुनील ने किया चौंकाने वाला दावा

केतन का सिर कुचला मिला, शांत थी सिया

एजेंसी ▶▶| पुणे

केतन मर्डर केस में हर रोज नए-नए दावे सामने आ रहे हैं। केतन की रेस्क्यू करने वाली टीम के सदस्य सुनील गायकवाड़ ने दावा किया है कि केतन की खोपड़ी कुचली हुई थी, उसके सिर पर गंभीर चोटें थीं और हाथ-पैर भी कई जगह चोट थीं। उन्होंने कहा कि वहां मौजूद बाकी लोग मदद के लिए चिल्ला रहा थे, लोग रो रहे थे लेकिन सिया गोयल शांत खड़ी थी। गायकवाड़ ने बताया कि शव को जंगल के रास्ते बाहर लाया गया। 18 जून की सुबह 10:30 बजे घटना की जानकारी पुलिस को मिली थी। रेस्क्यू ऑपरेशन दोपहर 12:30 तक चला और करीब 1:30 बजे शव एंबुलेंस में पहुंचाया गया था।

सगाई तोड़ने से आसान था खाई में धकेलना

लोहागढ़ फोर्ट मर्डर केस में आरोपी सिया गोयल ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि सिया गोयल ने उन्हें बताया कि उसका मानना था कि केतन अग्रवाल को लोहागढ़ फोर्ट में एक खाई में धकेलना, अपने परिवार का सामना करने और सगाई तोड़ने से ज़्यादा आसान था। पुलिस ने कहा कि वे चल रही जांच के हिस्से के तौर पर बयान को वेरिफाई कर रहे हैं।

केतन

सिया

चेतन

सिया के माता-पिता और भाई से पूछताछ

महाराष्ट्र पुलिस ने पुणे के 25-वर्षीय रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल की कथित हत्या के मामले में सह-आरोपी सिया गोयल के माता-पिता और भाई को पूछताछ के लिए शनिवार को लोनावला (ग्रामीण) थाने तलब किया। सिया के माता-पिता (प्रवीण और पूजा गोयल) तथा उसके भाई साहिल शनिवार सुबह पुलिस थाने पहुंचे। इससे पहले पुलिस ने शुक्रवार को साहिल से 10 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की थी, जिसके बाद शाम को उसे जाने की अनुमति दे दी गई।

31 मई से चल रही थी प्लानिंग

पुलिस ने कहा कि आरोपी ने आखिरकार कामयाब होने से पहले कई कोशिशें कीं। 31 मई को सिया गोयल कथित तौर पर केतन अग्रवाल के साथ लोहागढ़ किले गई और विंचू काटा रिज के पास एक सुनसान जगह की पहचान की, जहां क्राइम किया जा सकता था। 4 जून के लिए एक और ट्रिप प्लान किया गया था लेकिन केतन अग्रवाल की मां के एतराज करने के बाद कैंसल कर दिया गया। ▶▶|शेष पेज 7 पर

RCP INFRATECH PVT. LTD.

VIP CITY
A City in The City

VIP Familia

3 BHK
STARTS FROM 1694 SQFT (157.43 SQMT)

2 BHK
STARTS FROM 1444 SQFT (134.2 SQMT)

AND

COMMERCIAL SHOPS

@ ~~2699/-~~ PER SQFT.
@ ~~3000/-~~ PER SQFT.
@ 3300/- PER SQFT.

STARTS FROM TODAY : 11 AM - 28-06-2026

ONLY 10 SPECIFIC FLATS

400 sqft to 900 sqft
(37.17 sqmt To 83.64 sqmt)
Commercial Shops & Offices

CALL-812 000 8290

Also known as VIP FAMILY HEIGHTS
Member of : CREDAI CHHATTISGARH
Rera Registered Project :
(VIP Familia) RERA NO.: PCGRERA160524001777
www.rera.cgstate.gov.in

A Project by
RCP INFRATECH PVT. LTD.
Saddu-Urkura Road, Ring Road No. 3, Raipur (C.G.)
Email : rcpinfratech.vip@gmail.com, Website : www.rcpinfra.co.in

Scan this QR code to find us Google Maps

Follow us on :
@VIPCITYRPR

फायनेंस उपलब्ध
सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया Central Bank of India
LIC HFL LIC HOUSING FINANCE LTD
HDFC HOME LOANS apni jagah banao
SBI

Follow us on : /vipcityrpr /vipcityrpr

* Terms & Conditions Apply

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

बेफिक्र बच्चे

गमगीन बुजुर्ग

बेफिक्र बच्चे, चिंतित युवा और बुजुर्ग, बेदखली के डर से नहीं जले चूल्हे

विधायकों के लिए उजड़ रही 77 परिवारों की दुनिया, 48 घंटे का नोटिस, चौपाल पर चिंता और बच्चों की बेफिक्र मुस्कान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि लाइव

राजधानी से लगे नकटी गांव में प्रस्तावित विधायक कॉलोनी के लिए 77 परिवारों को 48 घंटे के भीतर जमीन खाली करने का नोटिस मिला है। प्रशासन इसे राजस्व भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई बता रहा है, वहीं प्रभावित परिवारों का कहना है कि वे वर्षों से यहां रह रहे हैं, कई के पास सरकारी योजनाओं के तहत बने मकान हैं और पीढ़ियां यहीं बड़ी हुई हैं। कानूनी लड़ाई अपनी जगह है, लेकिन गांव में इन दिनों सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि घर टूटे तो इन परिवारों की अगली सुबह कहां होगी? प्रशासन का कहना है कि जमीन सरकारी है, उस ▶▶|शेष पेज 7 पर

गमगीन युवा, चिंतित बुजुर्ग

कुछ दूर घरों के बाहर बैठे युवा नजर आए। उनके बीच बातचीत कम और चिंता ज्यादा है। उनके सामने रोजी-रोटी, परिवार और भविष्य के सवाल हैं। कोई मोबाइल पर दस्तावेज देख रहा है, कोई राजस्व रिकॉर्ड की चर्चा कर रहा है। गांव के बुजुर्गों के चेहरे सबसे ज्यादा बेचैन दिखाई देते हैं। जिन हाथों ने दशकों पहले यहां घर बसाए थे, वे अब उसी जमीन से बिछड़ने की आशंका में खामोश बैठे हैं।

चिंतित युवा

बृजमोहन बोले- बिना पुनर्वास किसी को नहीं करेंगे बेघर

प्रभावित ग्रामीणों ने सांसद बृजमोहन अग्रवाल से भेंट की। ग्रामीणों ने प्रशासन द्वारा दी गई नोटिस और उसके बाद उत्पन्न स्थिति से सांसद को अवगत कराया। इस गंभीर विषय पर चर्चा करते हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि प्रस्तावित कार्यों के लिए किसी ▶▶|शेष पेज 7 पर

विधायक कॉलोनी के लिए चुनी गई जमीन

नकटी गांव की भौगोलिक स्थिति इसे महत्वपूर्ण बनाती है। यह क्षेत्र एयरपोर्ट, पुराना रायपुर और नवा रायपुर के बीच संपर्क का प्रमुख बिंदु है। इसी वजह से यहां विधायक कॉलोनी विकसित करने का प्रस्ताव है। ग्रामीणों का तर्क है कि नवा रायपुर में सरकार के पास पहले से पर्याप्त भूमि और कई खाली भूखंड उपलब्ध हैं। उनका कहना है कि यदि जनप्रतिनिधियों के लिए आवासीय परिसर विकसित करना है तो उसके लिए ऐसे विकल्पों पर भी विचार किया जा सकता है, जिससे वर्षों से बसे परिवारों को विस्थापन का सामना न करना पड़े।

चूल्हे नहीं जले, चौपाल पर बीता दिन

नोटिस मिलने के बाद गांव का माहौल पूरी तरह बदल गया है। कई परिवारों में शनिवार को चूल्हे तक नहीं जले। महिलाएं, बुजुर्ग और युवा सुबह से चौपाल पर जुटे रहे। लोगों को आशंका थी कि कहीं नोटिस के अगले ही दिन कार्रवाई शुरू न हो जाए। दोपहर बाद ▶▶|शेष पेज 7 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA sky चैनल नं. 1163 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

आरोग्य सेतु ऐप का नया संस्करण कल

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा सोमवार को पुनर्निर्मित आरोग्य सेतु ऐप की शुरुआत करेंगे। यह ऐप मूल रूप से कोरोना वायरस संक्रमित मरीजों के संपर्क में आए लोगों का पता लगाने के लिए शुरू किया गया था। अब यह व्यक्तिगत स्वास्थ्य जानकारी को संपूर्ण रूप से प्रबंधित करने के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा।

लॉज-कोचिंग सेंटर समेत 4 संस्थान सील

बिलासपुर। जिला प्रशासन की ओर से फायर सेफ्टी मानकों की जांच के लिए गठित की गई संयुक्त टीम द्वारा शनिवार को एक के बाद एक शहर के कई संस्थानों में ताबड़तोड़ जांच और कार्रवाई की गई। यह संयुक्त टीम सबसे पहले मंगला चौक से उसलापुर क्षेत्र तक स्थित दिल्ली आईएएस कोचिंग, शारदा लाइब्रेरी, ऑफिसर्स लाइब्रेरी, बिलासा लाइब्रेरी, शिवाय लाइब्रेरी, उड़ान आईएएस, 24x7 लाइब्रेरी एवं भारतीय कृषि कोचिंग इंस्टीट्यूट में जांच की गई। करीब पांच घंटे तक जांच व कार्रवाई चली।

गुलमर्ग में विस्फोट एक की मौत

गुलमर्ग। उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गुलमर्ग के फॉरवर्ड एरिया में आशा पोस्ट के पास आज एक विस्फोट होने की घटना सामने आई। इस हादसे में एक नागरिक की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए। यह शेल कथित तौर पर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इलाके में गिरा हुआ था, जो आज अचानक फट गया।

सेशेल्स पहुंचे पीएम मोदी

दुनिया के सबसे बुजुर्ग कछुए से मिले मोदी

एजेंसी ▶▶| विक्टोरिया (सेशेल्स)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के साथ सेशेल्स राष्ट्रीय वनस्पति उद्यान में दुनिया के सबसे अधिक उम्र वाले जीवित स्थलीय जीव 'जोनाथन' से मिले। पीएम मोदी ने राष्ट्रपति हर्मिनी के साथ पौधरोपण समारोह में भी हिस्सा लिया जो जैव-विविधता संरक्षण तथा पर्यावरण सुरक्षा के प्रति दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

बुलाने पर आता है जोनाथन

जोनाथन सेशेल्स जायंट टॉर्टाइज प्रजाति का कछुआ है। वह सुन सकता है और सैलानियों की आवाज सुनकर उनकी ओर आने की कोशिश भी करता है। इस प्रजाति की औसत उम्र करीब 150 साल होती है।

अंग्रेजों के जमाने का 'जोनाथन'

बता दें, जोनाथन अल्डाब्रा जायंट कछुआ है। उसकी उम्र करीब 194 साल बताई जाती है। यह विशाल कछुआ उप-प्रजाति का जोनाथन जेम्सटाउन स्थित नेशनल बोटैनिकल गार्डेन में रहता है। माना जाता है कि उसका जन्म 1832 के आसपास हुआ था, हालांकि की इसके बारे में कोई स्टीक जानकारी नहीं है।

राम मंदिर चढ़ावा गबन : ट्रस्ट की अहम बैठक 11 जुलाई को, चंपत की जगह कौन, होगा फैसला

राम मंदिर में तिरुपति बालाजी मंदिर की तर्ज पर अब सीईओ की नियुक्ति!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अयोध्या

हरिभूमि फॉलोअप

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देवगिरी ने एक बयान में कहा गया है कि मंदिर ट्रस्ट अपनी अगली बैठक में इस मामले में निर्णय लेगा। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने राम मंदिर दान के गबन से जुड़े विवाद की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। ट्रस्ट के साथ-साथ विश्व हिंदू परिषद, जिसके राय उपाध्यक्ष हैं, ने भी इस खबर की पुष्टि की। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने राय और अन्य ट्रस्टी अनिल मिश्रा, दोनों के इस्तीफे के बारे में गिरि का पत्र पोस्ट किया, हालांकि राम मंदिर ट्रस्ट अपनी अगली बैठक में इस्तीफों पर फैसला ▶▶|शेष पेज 7 पर

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट महासचिव के इस्तीफे के बाद उनकी जगह कौन लेगा? यह सवाल उठने लगा है। बताया जा रहा है कि ट्रस्ट की बैठक 11 जुलाई को बुलाई गई है। इस बैठक में कई अहम फैसले होंगे। तिरुपति बालाजी मंदिर की तर्ज पर व्यवस्था को लागू किए जाने की चर्चा चल रही है। सीईओ की नियुक्ति से मंदिर में आने वाले पैसों और दान की राशि का उचित प्रबंधन किया जाएगा।

अनिल की जगह कृष्ण मोहन की चर्चा

अनिल मिश्रा के इस्तीफे के बाद चर्चाएं तेज हो गईं कि उनकी जगह कृष्ण मोहन ले सकते हैं। सूत्र बताते हैं कि डॉ अनिल मिश्रा के इस्तीफे बाद उनका दायित्व कृष्ण मोहन को सौंपे जाने की सुगबुगाहट तेज है। चढ़ावे चोरी मामले में आरोपियों पर एफआईआर में वादी बनने के बाद श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण गोपाल का नाम सुर्खियों में आ गया। गुरुवार देर शाम से सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर उनके इतिहास को खोजा जाने लगा। इतनी प्रसिद्धि उन्हें ट्रस्ट का सदस्य बनते समय नहीं मिली थी।

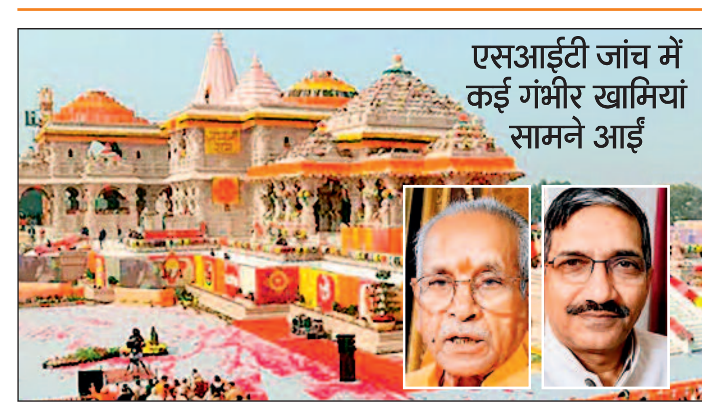
एसआईटी जांच में कई गंभीर खामियां सामने आईं

चांदी की ईंटें और आभूषण सुरक्षित

ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंददेव गिरि ने कहा कि हम उन भक्तों को आश्वस्त करते हैं, जिन्होंने चांदी की ईंटें और सोने-चांदी के आभूषण प्रभु श्रीराम की सेवा में अर्पण किए हैं। वे सभी वस्तुएं सुरक्षित हैं। हम विश्वास दिलाते हैं कि भविष्य में कोई दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति न बने, ऐसा सुनिश्चित करेंगे। अपराधियों को कड़ा दंड मिले, इसका आग्रह करेंगे।

आरोपियों की संपत्ति जब्त कर चैरिटी में दी जाए : सोनू सूद

भिलाई। अयोध्या के राम मंदिर में दान और चढ़ावे में कथित हेरफेर के मामले पर अभिनेता और समाजसेवी सोनू सूद ने कहा है कि श्रद्धालु अपनी आस्था, मेहनत की कमाई, बचत और वेतन का हिस्सा भगवान के चरणों में अर्पित करते हैं। यदि कोई व्यक्ति उस धन का दुरुपयोग करता है तो वह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की भावनाओं और विश्वास के साथ विश्वासघात है। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि जांच में कोई व्यक्ति दोषी पाया जाता है तो उसकी संपत्ति जब्त कर उसे मंदिर की चैरिटी, जनसेवा और जरूरतमंदों की मदद के कार्यों में लगाया जाना चाहिए। भिलाई में आयोजित सूद चैरिटी फाउंडेशन के एनुअल मीट कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे सोनू सूद ने पत्रकारों से चर्चा में यह बातें कही।

हीरा खनन की तैयारी, बलौदा-बेलमुंडी डायमंड ब्लॉक में बड़े व्यास की ड्रिलिंग को एनसीएल बोर्ड की मंजूरी

हीरे के वास्तविक भंडार का वैज्ञानिक आकलन किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ की खनिज संपदा को नई पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। एनएमडीसी-सीएमडीसी लिमिटेड (एनसीएल) के निदेशक मंडल की नई दिल्ली में आयोजित बैठक में महासमुंद जिले के बलौदा-बेलमुंडी डायमंड ब्लॉक में परियोजना के अगले चरण को मंजूरी देते हुए लार्ज ▶▶|शेष पेज 7 पर

छत्तीसगढ़ के लिए ऐतिहासिक : सौरभ

बैठक में यह भी दोहराया गया कि सभी परियोजनाओं में पर्यावरण संरक्षण, वैज्ञानिक खनन, जल संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन तथा स्थानीय समुदायों के सामाजिक-आर्थिक विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष निदेशक सौरभ सिंह ने कहा, खनिज संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग और उद्योगों का संतुलित विकास देश की आर्थिक प्रगति के लिए अत्यंत आवश्यक है।

बहु-खनिज विकास की दिशा आगे बढ़ी

एनएमडीसी-सीएमडीसी लिमिटेड (एनसीएल) भारत सरकार के उपक्रम एनएमडीसी लिमिटेड (51 प्रतिशत) तथा छत्तीसगढ़ मिनरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (49 प्रतिशत) का संयुक्त उपक्रम है। कंपनी अब तक लौह अयस्क परियोजनाओं पर केंद्रित रही है, लेकिन बलौदा-बेलमुंडी में प्राकृतिक हीरों की पुष्टि के बाद यह बहु-खनिज विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। एनसीएल द्वारा स्ट्रीम सेडिमेंट सैंपलिंग, भू-भौतिकीय सर्वेक्षण और लक्षित ड्रिलिंग के माध्यम से किम्बरलाइट पाइप की पहचान की गई। इसके ▶▶|शेष पेज 7 पर

वेनेजुएला के बाद कई देशों में डोली धरती

अफगानिस्तान में भूकंप, दिल्ली समेत देश के कई हिस्सों में झटके

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

अफगानिस्तान के हिंदूकुश क्षेत्र में शनिवार शाम 6 बजकर 4 मिनट पर 6.2 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र धरती की सतह से अत्यधिक गहराई में होने के कारण इसके झटके पाकिस्तान, भारत के उत्तरी हिस्से, चीन, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान और तुर्कमेनिस्तान समेत कई देशों में महसूस किए गए। दिल्ली-एनसीआर में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ।

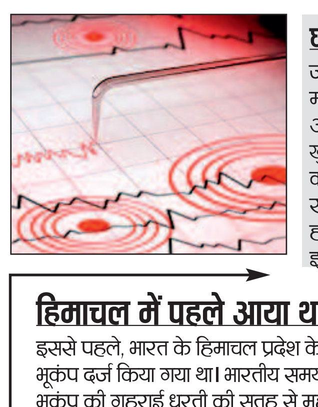

घर-दफ्तर से बाहर आए लोग

जम्मू-कश्मीर में भी भूकंप के झटके महसूस हुए और लोग घबराकर घरों और दफ्तरों से बाहर सड़कों और खुली जगहों की ओर भागे। जम्मू-कश्मीर भी भूकंप के लिहाज से काफी संवेदनशील है। यहां समय-समय पर हल्के से मध्यम तीव्रता के भूकंपीय झटके महसूस होते रहते हैं।

हिमाचल में पहले आया था भूकंप

इससे पहले, भारत के हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में भी 3.2 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। भारतीय समयानुसार सुबह 11:38 बजे आए इस भूकंप की गहराई धरती की सतह से महज 5 किलोमीटर की गहराई में थी। इसका केंद्र धर्मशाला से करीब 22 किलोमीटर उत्तर-उत्तर पश्चिम दिशा में, भूकंपीय रूप से संवेदनशील हिमालयी क्षेत्र में स्थित था।

हमारे शहरों में बढ़ती जनसंख्या और उसके अनुरूप अनियोजित भवन निर्माण सुरक्षा की दृष्टि से जानलेवा साबित हो रहे हैं। आवासीय इलाकों में बिना सोचे-समझे व्यावसायिक गतिविधियां और कारखाने खोल दिए जाते हैं। ऐसे में जब कभी आग लगती है तो संकरी गलियों के कारण दमकल विभाग की गाड़ियां समय पर नहीं पहुंच पातीं। ऐसे में हादसा अनगिनत जानों को लील लेता है। प्रशासन द्वारा निर्धारित भवन निर्माण के नियम कोई रुकावट नहीं हैं, बल्कि ये हमारे जीवन की रक्षा के लिए बनाए गए बेहद जरूरी सुरक्षा कवच हैं। यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं होनी चाहिए कि अवैध निर्माण लालची बिल्डरों और भ्रष्ट सरकारी अधिकारियों के गठजोड़ से फलते-फूलते हैं। बिल्डर सुरक्षा प्रमाण पत्र जमा करते हैं, अधिकारी आंखें मूंद लेते हैं और खरीदार अंत में फंसता है। छोटे शहरों में स्थिति और भी बदतर है। यहां नगर पालिकाएं संसाधनों की कमी और स्थानीय दबाव के आगे घुटने टेक देती हैं। अगर हम आज भी नहीं जागे और सुरक्षित भवन निर्माण की दिशा में तुरंत ठोस कदम नहीं उठाए तो भविष्य में आगजनी की घटना अथवा आने वाला एक छोटा सा भूकंप भी हमारे विकास के सभी दावों को मलबे में बदल देगा। ***इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

अनियोजित शहरीकरण से हादसों को निमंत्रण

विश्लेषण

डॉ. चंद्र त्रिखा
वरिष्ठ स्तंभकार

विकास की इस तेज भागदौड़ में हम यह बुनियादी बात भूल जाते हैं कि शहर केवल ईंट, पत्थर, सीमेंट और लोहे के बेजान ढांचे नहीं हैं; बल्कि ये एक जीती-जागती व्यवस्था हैं। इस व्यवस्था को सही ढंग से चलने और सुरक्षित रहने के लिए एक दूरदर्शी योजना की बहुत जरूरत होती है। आज हमारे शहर बिना किसी सही योजना के जिस तरह से फैल रहे हैं, वह किसी भी समय जानलेवा हादसे का कारण बन सकता है। ऐसे में सबसे बड़ी नाकामी 'भवन निर्माण के नियमों' की अनदेखी के रूप में सामने आती है, जो हमारे शहरों को एक सुलगते ज्वालामुखी में बदल रही है। भवन निर्माण के नियम किसी भी सुनियोजित शहर की रीढ़ होते हैं। ये वे कानूनी और तकनीकी दिशा-निर्देश हैं जो यह पक्का करते हैं कि कोई भी इमारत रहने वालों के लिए पूरी तरह से सुरक्षित हो।

शहरों का विकास आधुनिक युग की एक बड़ी और सुखद सच्चाई है। हर दिन हजारों लोग एक बेहतर जिंदगी, रोजगार, अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की आस में गांवों से शहरों की तरफ आ रहे हैं। ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़कें और चमक-दमक वाली जीवनशैली शहरों को बहुत आकर्षक बनाती है। लेकिन, विकास की इस तेज भागदौड़ में हम यह बुनियादी बात भूल जाते हैं कि शहर केवल ईंट, पत्थर, सीमेंट और लोहे के बेजान ढांचे नहीं हैं; बल्कि ये एक जीती-जागती व्यवस्था हैं। इस व्यवस्था को सही ढंग से चलने और सुरक्षित रहने के लिए एक दूरदर्शी योजना की बहुत जरूरत होती है। आज हमारे शहर बिना किसी सही योजना के जिस तरह से फैल रहे हैं, वह किसी भी समय जानलेवा हादसे का कारण बन सकता है। ऐसे में सबसे बड़ी नाकामी 'भवन निर्माण के नियमों' की अनदेखी के रूप में सामने आती है, जो हमारे शहरों को एक सुलगते ज्वालामुखी में बदल रही है। भवन निर्माण के नियम किसी भी सुनियोजित शहर की रीढ़ होते हैं। ये वे कानूनी और तकनीकी दिशा-निर्देश हैं जो यह पक्का करते हैं कि कोई भी इमारत रहने वालों के लिए पूरी तरह से सुरक्षित हो। इन नियमों में कई महत्वपूर्ण बातें शामिल होती हैं। जैसे कि इमारत के चारों ओर छोड़ी जाने वाली खाली जगह, जमीन के अनुपात में निर्माण की अधिकतम सीमा, आग से बचाव के पुख्ता इंतजाम, भूकंप सहने की क्षमता, और आपात स्थिति में बाहर निकलने के सुरक्षित रास्ते। इसके पीछे का उद्देश्य केवल सुरक्षा नहीं होता, बल्कि यह भी होता है कि पड़ोसियों को भी पर्याप्त धूप और हवा मिल सके। जब शहरों का फैलाव बिना किसी पक्की योजना के, रातों-रात मनमाने तरीके से होता है, तो सबसे पहले इन्हीं नियमों की बलि चढ़ाई जाती है।

खास बातें

- भवन निर्माण के नियम हमारे और परिवार के जीवन की सुरक्षा की गारंटी
- संकरी गलियों के कारण दमकल की गाड़ियां समय पर नहीं पहुंच पातीं।
- नगर निगम और जमीन माफियाओं का भ्रष्ट गठजोड़ असली जिम्मेदार
- शहरों को सुरक्षित बनाने के लिए नियमों का पालन ही एकमात्र विकल्प

नियमों की हो रही अनदेखी

ज्यादा मुनाफे की चाहत और जगह की कमी के नाम पर निर्माण करने वाले ठेकेदार और खुद भवन मालिक भी इन नियमों को ताक पर रख देते हैं। नतीजा यह होता है कि तंग गलियों में बहुमंजिला इमारतें खड़ी कर दी जाती हैं, जिनमें न तो हवा आने का कोई रास्ता होता है और न ही धूप का। इस अनदेखी का सीधा असर उन खौफनाक हादसों के रूप में सामने आता है, जो अब हमारे शहरों की रोजमर्रा की कहानी बन चुके हैं। बहुमंजिला इमारतों में भयानक आग लगने या उनके भरभरा कर गिर जाने की दर्दनाक खबरें अब आम हो गई हैं। आवासीय इलाकों में बिना सोचे-समझे व्यावसायिक गतिविधियां और कारखाने खोल दिए जाते हैं। ऐसे में जब कभी आग लगती है, तो संकरी गलियों के कारण दमकल की गाड़ियां समय पर नहीं पहुंच पातीं। इन इमारतों में संकट के समय बाहर निकलने के रास्ते या तो होते ही नहीं, या उन पर फालतू सामान रखकर रास्ता रोक दिया जाता है।

दम घुटने से ज्यादा मौतें

हवा के आने-जाने का सही रास्ता न होने के कारण आग लगने पर लोग लपटों से कम, और जहरीले धुएं से दम घुटने के कारण ज्यादा जान गंवाते हैं। इसी तरह, कमजोर नींव, घटिया निर्माण सामग्री और बिना अनुमति के बनाई गई अतिरिक्त मंजिलों के कारण कई इमारतें ताश के पत्तों की तरह ढह जाती हैं। जब इमारत बनाने से पहले मिट्टी की जांच और ढांचे की मजबूती परखने जैसे जरूरी कामों को नजरअंदाज किया जाता है, तो भूकंप का एक हल्का झटका या तेज बारिश भी भारी तबाही ला सकती है। बिना योजना के बसाए गए शहर जलभराव जैसी गंभीर मुसीबतों का भी मुख्य कारण हैं। भवन निर्माण नियमों में पानी की निकासी और बारिश के पानी को सहेजने के सख्त नियम होते हैं। अवैध निर्माण की होड़ में प्राकृतिक जल स्रोतों, नालों और तालाबों को मिट्टी से भरकर वहां ईंट-पत्थर के जंगल खड़े कर दिए जाते हैं।

जमा पानी की निकासी नहीं

इसका नतीजा यह होता है कि थोड़ी सी बारिश में ही पूरा शहर पानी में डूबने लगता है। पानी के निकलने का कोई रास्ता न बचने के कारण इमारतों के निचले हिस्सों में पानी भरने से होने वाली मौतें अब एक डरावनी सच्चाई बन गई हैं। यह सीधे तौर पर नगर नियोजन या शहर बसाने की योजना का मजाक उड़ाने का परिणाम है। यह डरावनी स्थिति एक-दो दिन में पैदा नहीं हुई है। इसके पीछे ढीली प्रशासनिक अव्यवस्था, लापरवाह नगर निगम और लालची जमीन माफियाओं का भ्रष्ट गठजोड़ जिम्मेदार है। दिन के उजाले में खुलेआम अवैध निर्माण होता रहता है और जिम्मेदार अधिकारियों की आंखों पर भ्रष्टाचार की पट्टी बंधी रहती है। रिश्वत और पहुंच के दम पर नियमों के खिलाफ बनी इमारतों को भी निर्माण पूरा होने का प्रमाणपत्र और अनापत्ति प्रमाणपत्र आसानी से मिल जाते हैं। सस्ते घर के लालच में लोग ऐसी इमारतों में अपने जीवन भर की गाढ़ी कमाई लगा देते हैं, जो कभी भी उनके लिए जानलेवा साबित हो सकती हैं। अब वह समय आ गया है कि बिना योजना के बढ़ते शहरीकरण और नियमों की अनदेखी पर गंभीरता से विचार किया जाए। नगर निगमों और विकास प्राधिकरणों को अपनी जिम्मेदारी सख्ती से समझनी और निभानी होगी। नियम तोड़ने वाले ठेकेदारों और भ्रष्ट अधिकारियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

अवैध निर्माण वैध करना गलत

जुर्माना लेकर अवैध निर्माण को वैध कर देने की गलत परंपरा को तुरंत बंद करना होगा। हवाई सर्वेक्षण और उपग्रह से प्राप्त चित्रों जैसी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करके अवैध निर्माणों को शुरुआत में ही रोका जाना चाहिए। घर खरीदते या बनाते समय यह जांचना हर नागरिक का भी फर्ज है कि वह इमारत सभी कानूनी और सुरक्षा मानकों पर खरी उतरती हो। यदि बिना सोचे-समझे हो रहे शहरीकरण पर नियमों का सख्ती से पालन नहीं हुआ, तो ये बेतरतीब जंगल इसी तरह दर्दनाक हादसों को न्योता देते रहेंगे।

शहरीकरण की भूख से बर्बाद हो रहा मानव जीवन

हादसा

योगेश कुमार सोनी
वरिष्ठ पत्रकार

बढ़ती जनसंख्या के कारण शहरी सुविधाओं पर बढ़ते दबाव और हादसों का सबसे बड़ा कारण अनियोजित और अनियंत्रित शहरीकरण है, जिसके चलते बुनियादी ढांचा जिसमें सड़कें, सीवर, बिजली शामिल हैं- यह सब चरमरा जाता है। इससे भीड़भाड़, यातायात के दबाव और असुरक्षित निर्माण जैसे हादसे होते हैं। सीमित सड़कों पर वाहनों की भारी भीड़ और पैदल यात्रियों के मिश्रण से सड़क दुर्घटनाएं बढ़ती हैं। बुनियादी ढांचे के अभाव में लोग अवैध, अनियोजित और कमजोर इमारतों में रहने को मजबूर होते हैं, जो ढहने या आग लगने जैसे हादसों का कारण बनती हैं। क्षमता से अधिक भार के कारण बिजली के शॉर्ट-सर्किट और आग लगने जैसी घटनाएं आम हो जाती हैं। जनसंख्या बढ़ने और कंक्रीट के जंगल बनने से बारिश के पानी की सही निकासी नहीं होती, जिससे सड़कों पर जलभराव, गड्ढे और करंट फैलने के घातक हादसे होते हैं।

यदि महानगरों की बात करें तो वह नब्बे प्रतिशत से अधिक अवैध रूप से इमारतें बनती हैं। चूंकि बिना नक्शे की बिल्डिंग बनाना हर किसी के लिए संभव नहीं हैं, जिसके चलते लोग नगर निगम के अधिकारियों को रिश्वत देकर बिना नक्शे की इमारत बना लेते हैं। लोगों की हवस यहां तक भी नहीं रुकती- पार्किंग के साथ चार फ्लोर तक बना सकते हैं, लेकिन कुछ पांच से सात फ्लोर तक बना लेते हैं और कई लोगों की जान जोखिम में डाल देते हैं। जब हादसा होता है तो कई लोग बेमौत मारे जाते हैं। नियम को अनदेखी करना जैसे लोगों की फितरत में शामिल हो गया। अब भवन निर्माण उपनियम आया तो लोगों के घर टूट रहे हैं जिससे अब लोग परेशान हो रहे हैं। इसमें लोगों की भी गलती नहीं मानी जा सकती ,चूंकि जैसा सिस्टम था, वह उनके अनुसार ही चल रहे थे लेकिन उन्हें क्या पता था कि जब सत्ता बदलती है तो बहुत कुछ बदलता है- मरना अंत में जनता का ही होता है। नक्शे व संबंधित डॉक्यूमेंट में यह स्पष्ट होता है कि इन खसरों पर किसी भी भवन या भूखंड का मानचित्र प्राधिकरण में स्वीकृत नहीं हो सकता। यहां बने निर्माण पूरी तरह अवैध हैं, इन क्षेत्रों में बिजली, पानी, सीवर, सड़क और नाली जैसी मूलभूत सुविधाएं भी प्राधिकरण की ओर से उपलब्ध नहीं कराया जाएगा। लोगों से कहा है कि किसी भी जमीन या भवन की खरीद-बिक्री से पहले उसकी स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त करें।ल बावजूद इसके बिल्डर धडल्ले से इमारत बना कर बेचते हैं और आश्चर्य की बात कि लोग खरीदते भी हैं। सीलिंग के बाद भी यहां बिजली पानी के मीटर तक लग जाते हैं। यदि हम हिन्दुस्तान के परिवेश में चर्चा करें तो हमारे यहां जनसंख्या का बेहद तेजी से बढ़ना जारी है तो उस आधार पर सरकारों को जनता के लिए जगह की व्यवस्था करनी होती है। इसके चलते जंगल का पर्यावरण बर्बाद किया जा रहा है। इसके अलावा प्रदूषण हमारा सबसे बड़ा दुश्मन है । देश की तरक्की व जनता की जरूरत के लिए ऐसे मुद्दों की गंभीरता न समझना मानव जीवन पर ही भारी पड़ रहा है। मनुष्य की शहरीकरण की भूख ने इतनी हानि पहुंचा दी कि उसको यह मालूम ही नहीं पड़ा कि वो कब काल के गर्भ में प्रवेश कर गया। यदि महानगरों की जीवनशैली व यापन की चर्चा करें तो यहां पिछले दो दशकों कम आयु में होने वाली मौतों के आंकड़ों ने चौंका दिया। मनुष्य की आयु का घटना लगातार जारी है। इंसान की उम्र करीब सौ वर्ष होती थी, लेकिन आज के दौर में साठ साल पर आकर सीमित रह गई। वैज्ञानिकों के अनुसार लगातार हो रही आपदाओं के लिए प्राकृतिक संसाधनों के बेहद अधिक इस्तेमाल को जिम्मेदार ठहराया है। उनका मानना है कि आज स्थिति के आधार पर हमारी धरती अपने भार से कहीं अधिक भार वहन कर रही है। अगर यही हाल रहा तो अगले दशकभर में धरती रहने लायक नहीं बचेगी, लेकिन मनुष्य आज भी सही राह पर चले तो वो अपना भविष्य सुधार सकता है। हर रोज न जाने कितने परिवार बर्बाद हो जाते हैं। वैश्विक सरकारों के माध्यम से पर्यावरण के प्रति जागरूकता और प्रकृति और पृथ्वी के संरक्षण के लिए तमाम कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। हमारे देश में भी इसको बेहद गंभीर मुद्दा माना जा रहा है, लेकिन कुछ देर ही जागरूक होकर फिर पुराने ढर्रे पर आ जाते हैं, जिससे हम सही दिशा पर नहीं आ पा रहे हैं। इस बात में कोई दो राय नहीं हैं कि सरकार ऐसे मामलों में एक बड़ा बजट पारित करती है व इसके प्रति गंभीर भी रहती हैं। इसके लिए केन्द्र व राज्य स्तर पर विभाग कार्यरत भी हैं, लेकिन हम उतनी संजीदगी से इस बात की गंभीरता नहीं समझ पा रहे, जितने की जरूरत है। सरकार को कोई ऐसा नियम निकालना चाहिए, जिससे शहरों में नियम-कानून के साथ इमारत बनें। यदि किसी जगह आग लग जाती है तो शहरों की छोटी तो छोड़ो, बड़ी गलियों तक में एंबुलेंस नहीं जा पाती, चूंकि लोगों ने सड़कों को घेरा हुआ है।

देश की तरक्की व जनता की जरूरत के लिए ऐसे मुद्दों की गंभीरता न समझना मानव जीवन पर ही भारी पड़ रहा है। शहरीकरण की भूख ने इतनी हानि पहुंचा दी कि मनुष्य को यह मालूम ही नहीं पड़ा कि वो कब काल के गर्भ में प्रवेश कर गया।

भ्रष्ट नियामक और वास्तु का क्रेज

विरोधाभास

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

भारत में छोटे कस्बों से लेकर महानगरों तक, भवन निर्माण नियमों का पालन एक सपना बनकर रह गया है। जहां एक ओर नियामक संस्थाएं कानून की रखवाली का दायित्व निभाने के बजाय भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुकी हैं, वहीं दूसरी ओर आम आदमी वास्तु शास्त्र के नाम पर 'परिपूर्ण' घर बनाने की होड़ में लगा हुआ है। यह विरोधाभास न केवल शहरी नियोजन को चुनौती दे रहा है, बल्कि सुरक्षा, पर्यावरण और सामाजिक न्याय के सवाल भी खड़े कर रहा है।

भारतीय शहरों में अनधिकृत निर्माण की समस्या कोई नई नहीं है। हर बड़े और छोटे शहर में यही कहानी दोहराई जाती है। भवन निर्माण नियम भूतल क्षेत्र अनुपात, पीछे हटाव, ऊंचाई सीमा, वाहन पार्किंग स्थान, अग्नि सुरक्षा और पर्यावरणीय मानकों को तय करते हैं, लेकिन इनका उल्लंघन आम बात है। एक रिपोर्ट के अनुसार, अवैध निर्माण बिल्डर और सरकारी अधिकारी के गठजोड़ से फलते-फूलते हैं। बिल्डर सुरक्षा प्रमाण पत्र जमा करते हैं, अधिकारी आंखें मूंद लेते हैं और खरीदार अंत में फंसता है। छोटे शहरों में स्थिति और बदतर है। यहां नगर पालिकाएं संसाधनों की कमी और स्थानीय दबाव के आगे घुटने टेक देती हैं। एक साधारण प्लॉट पर मंजूरी से दोगुनी मंजिलें चढ़ जाती हैं। अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी से बड़े हादसे होते हैं। बड़े शहरों में ऊंची इमारतों वाले अपार्टमेंट में प्रवेश कक्ष और तहखाने को व्यावसायिक स्थान में बदल दिया जाता है। कई कॉलोनियों में तहखाना वाहन पार्किंग स्थान की जगह दुकानें देखी जा सकती हैं। मुंबई में आदर्श सोसाइटी कांड या चेन्नई में इमारत गिरने की घटनाएं इस सड़ांध को उजागर करती हैं। देश भर के विभिन्न हिस्सों में यही स्थिति है, जहां नियमों की अनदेखी आम हो गई है। नियामक संस्थाएं भ्रष्टाचार का अड्डा क्यों बनीं? कारण स्पष्ट हैं- राजनीतिक दखल, कमीशन की संस्कृति और जवाबदेही का अभाव। भवन अनुमोदन प्रक्रिया में स्वयं प्रमाणन का चलन बढ़ा है, जहां इंजीनियर का प्रमाण पत्र ही काफी माना जाता है। स्थल निरीक्षण नाममात्र का होता है। पारदर्शिता की कमी और डिजिटल निगरानी का अभाव समस्या को बढ़ाता है। एक अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट बताती है कि शहरी नियोजन में रिश्वतखोरी की पिरामिड संरचना काम करती है, निचले स्तर से ऊपरी स्तर तक। इस बीच, वास्तु शास्त्र का क्रेज आसमान छू रहा है। लोग नए घर या कार्यालय बनाते समय दिशाओं, रंगों, सामग्री और 'ऊर्जा प्रवाह' का ख्याल रखने लगे हैं। वास्तु सलाहकारों की फीस लाखों में पहुंच गई है। देश के विभिन्न महानगरों में 'वास्तु अनुरूप' संपत्तियों की मांग बढ़ी है। बिल्डर विपणन में इसे अनोखी विशेषता बना रहे हैं-'उत्तर मुखी', 'सकारात्मक ऊर्जा' वाले फ्लैट। आज कई परिवार घर खरीदते या बनाते समय वास्तु विशेषज्ञ बुलाते हैं, लेकिन निर्माण नियमों की अनदेखी करते हैं। नतीजा? भूकंप या आग में जान-माल का नुकसान। वास्तु अच्छा है-यह प्राचीन भारतीय विज्ञान पर्यावरण और मनोविज्ञान को जोड़ता है-लेकिन जब यह भ्रष्ट निर्माण को सही ठहराने का बहाना बन जाए, तो समस्या गहरी हो जाती है। बिल्डर 'वास्तु अनुरूप' कहकर अवैध विस्तार बेचते हैं, जबकि अग्नि निकास या संरचनात्मक सुरक्षा की परवाह नहीं करते। देश के कई इलाकों में वास्तु के नाम पर अतिरिक्त बालकनी या कमरे जोड़े जा रहे हैं, जो इमारत की मजबूती को कमजोर कर देते हैं। इससे शहरों की सौंदर्यता बिगड़ रही है और यातायात जाम बढ़ रहा है। पर्यावरण की दृष्टि से भी यह हानिकारक है, क्योंकि हरे-भरे स्थान घिर रहे हैं। समाधान क्या है? सबसे पहले, भवन निर्माण नियमों को सरल, डिजिटल और पारदर्शी बनाना होगा।

भौगोलिक सूचना प्रणाली, ड्रोन सर्वेक्षण और ऑनलाइन मंजूरी प्रणाली लागू करें। भ्रष्ट अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई, आपराधिक दायित्व और तीसरी पक्ष की जांच जरूरी है। वास्तु को वैज्ञानिक दृष्टि से बढ़ावा दें-इसे सतत वास्तुकला का हिस्सा बनाएं, न कि अंधविश्वास का, लेकिन अंधविश्वास और नियमों की अनदेखी खतरनाक है। देश के प्रख्यात वास्तुकार उज्जवल उपाध्याय कहते हैं कि सरकारें स्मार्ट शहर, अमृत 2.0 जैसी योजनाओं में भवन संहिता लागू करने पर ध्यान केंद्रित करें। जन जागरूकता अभियान चलाएं, ताकि खरीदार नियम जांचें। अगर हम नियमों का पालन करें और वास्तु को समझदारी से अपनाएं, तो ही स्वस्थ, सुंदर और सुरक्षित शहर बना पाएंगे। साफ है कि मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति और नागरिक जागरूकता से ही यह समस्या हल हो सकती है।

आज कई परिवार घर बनाते समय वास्तु विशेषज्ञ बुलाते हैं, लेकिन निर्माण नियमों की अनदेखी करते हैं। अगर हम नियमों का पालन करें और वास्तु को समझदारी से अपनाएं, तो ही सुंदर और सुरक्षित शहर बना पाएंगे। साफ है कि मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति और नागरिक जागरूकता से ही यह समस्या हल हो सकती है।

बिल्डिंग बायलॉज का कड़ाई से हो पालन

व्यवस्था

डॉ. विजेंद्र कुमार
स्वतंत्र स्तंभकार

विकास की अत्यंत तेज रफ्तार ने हमारे शहरों को आसमान छूती ऊंची इमारतों और कंक्रीट के विशाल जंगलों में बदल दिया है। दूर से देखने पर ये शहर भले ही बहुत आधुनिक और प्रगतिशील लगते हैं, लेकिन इनकी नींव में एक ऐसी भयंकर लापरवाही छिपी है, जो किसी भी पल एक बहुत बड़ी तबाही ला सकती है। आज हमारे शहर भूकंप के प्रति अत्यधिक संवेदनशील हो चुके हैं।

विडंबना यह है कि इन शहरों में भूकंप से बचाव करने वाली तकनीक और इससे जुड़ी संस्थाओं की भारी कमी है। स्थिति इतनी नाजुक और चिंताजनक हो चुकी है कि एक छोटा या मध्यम गति का भूकंप भी हमारे शहरों में बहुत बड़े हादसों का कारण बन सकता है। ऐसे में 'भवन निर्माण के नियमों' का वास्तविक महत्व और उनका पूरी कड़ाई से पालन करना हमारे लिए बेहद जरूरी हो जाता है। हमारे देश का एक बहुत बड़ा हिस्सा भूकंप के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्रों के अंतर्गत आता है। विशेष रूप से उत्तर भारत, हिमालय के आसपास के पहाड़ी इलाके और कई घनी आबादी वाले बड़े शहर उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में बसे हुए हैं। इन इलाकों में तेजी से बढ़ती हुई आबादी और बिना किसी उचित योजना के हो रहे शहरीकरण ने खतरे को कई गुना अधिक बढ़ा दिया है। शहरों में जगह की भारी कमी और ज्यादा मुनाफा कमाने के लालच में लोग संकरी गलियों के भीतर भी कई मंजिला इमारतें खड़ी कर रहे हैं। इन इमारतों को बनाते समय न तो मिट्टी की मजबूती की ठीक से जांच की जाती है और न ही दो इमारतों के बीच आवश्यक दूरी छोड़ी जाती है। यह हमारी उस लापरवाह सोच का नतीजा है जो मुसीबत आने से पहले उसकी तैयारियों को पूरी तरह नजरअंदाज कर देती है। किसी भी शहर के सुरक्षित, व्यवस्थित और सुनियोजित विकास के लिए 'भवन निर्माण के नियम' बनाए जाते हैं। इन नियमों में मुख्य रूप से इमारत की ऊंचाई, नींव की गहराई, इस्तेमाल होने वाली सामग्री की गुणवत्ता, हवा-रोशनी की उचित व्यवस्था, आपात स्थिति में बाहर निकलने के रास्ते और भूकंप से बचाव के मापदंड तय होते हैं। इनका एकमात्र उद्देश्य प्राकृतिक आपदा के समय जान और माल के नुकसान को कम करना है। हकीकत यह है कि ये महत्वपूर्ण नियम अक्सर केवल सरकारी फाइलों तक ही सीमित रह जाते हैं। भ्रष्टाचार और प्रशासनिक ढिलाई के कारण इनकी खुलेआम अनदेखी होती है। नक्शे में जो डिजाइन कागजों पर दिखाया जाता है, असल निर्माण उससे बिल्कुल अलग होता है। कई बार ठेकेदार बिना किसी विशेषज्ञ की सलाह लिए मनमाने तरीके से इमारतें तान देते हैं। भूकंप के खतरों की गंभीरता को देखते हुए हर नई इमारत का निर्माण भूकंपरोधी तकनीक से होना चाहिए, लेकिन आज भी आम आदमी इसे एक फालतू खर्च मानता है और इससे बचने का हर संभव प्रयास करता है। इसके अलावा देश में ऐसे कुशल इंजीनियरों, राजमिस्त्रियों और निर्माण संस्थाओं की भारी कमी है, जिन्हें इस तकनीक का सही और व्यावहारिक ज्ञान हो। हमारे पास ऐसी संस्थाओं का भी घोर अभाव है जो पुरानी और कमजोर पड़ चुकी इमारतों को नई तकनीक के माध्यम से सस्ती दरों पर मजबूत बना सकें। हम अक्सर यह सोचकर बेफिक्र हो जाते हैं कि केवल बहुत तेज भूकंप ही तबाही लाता है, लेकिन हमारे शहरों की वर्तमान बनावट और कमजोर ढांचे को देखते हुए यह सोच जानलेवा है। जब इमारतें बुनियादी सुरक्षा मानकों के बिना, खराब सामग्री से और नियमों को पूरी तरह ताक पर रखकर बनी हों, तो छोटी गति का भूकंप भी विनाशकारी साबित हो सकता है। संकरी गलियों में एक-दूसरे से बिल्कुल सटी हुई इमारतें जब हिलती हैं, तो उनके आपस में टकराने से वे बहुत आसानी से ढह सकती हैं। मलबे के कारण रास्ते पूरी तरह बंद हो जाते हैं और बचाव कार्य के लिए दमकल की गाड़ियों या एंबुलेंस का पहुंचना लगभग असंभव हो जाता है। हम एक बारूद के ढेर पर बैठे हैं जहां धरती का हल्का झटका भी हजारों जिंदगियों को मलबे में दबा सकता है। इस बड़े खतरे से निपटने के लिए हमें युद्ध स्तर पर काम करने की बहुत सख्त जरूरत है। सरकार को यह पक्का करना होगा कि भवन निर्माण नियमों का पालन सिर्फ दिखावा न रहे। नियम तोड़ने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई हो। पुरानी और व्यावसायिक इमारतों के ढांचे की मजबूती की नियमित जांच अनिवार्य रूप से की जाए।

हर नई इमारत का निर्माण भूकंपरोधी तकनीक से होना चाहिए, लेकिन आज भी आम आदमी इसे एक फालतू खर्च मानकर इससे बचने का प्रयास करता है। इसके अलावा, देश में ऐसे कुशल इंजीनियरों, राजमिस्त्रियों की भारी कमी है, जिन्हें इस तकनीक का सही और व्यावहारिक ज्ञान हो

वेनेजुएला में भूकंप के फिर लगे झटके

55 हजार से ज्यादा लापता, अब तक 1430 मौतें, 3300 घायल

कराकस। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में लगातार आफत जारी है। 25 जून को आए दो भूकंप के बाद स्थानीय समयानुसार शुक्रवार दोपहर को एक और भूकंप आया। देश के उत्तरी तट के पास आए इस भूकंप की तीव्रता 4.9 मापी गई है। रॉयटर्स के मुताबिक, राजधानी कराकास और माराके में भी झटके महसूस किए गए। इधर, पिछले भूकंप के तीन दिन बाद मरने वालों की संख्या बढ़कर 1430 हो गई है। 3360 से ज्यादा घायल हैं, जबकि 55,000 से ज्यादा लोग लापता हैं। कई इलाकों में राहत टीमों की कमी के कारण लोग परिजन को ढूंढ़ने के लिए खुद मलबा हटा रहे हैं। कई परिवार हथौड़ों और दूसरे औजारों से इमारतों का मलबा हटाकर अपने परिजन की तलाश कर रहे हैं।

अगले 72 घंटे हैं अहम

राहत और बचावकर्मियों द्वारा युद्ध स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। इन्होंने बताया कि मलबे में दबे लोगों को बचाने के लिए 42 से 72 घंटे बहुत अहम होते हैं। इस आपदा के बाद वेनेजुएला में अंतरराष्ट्रीय राहत और बचाव दल भी पहुंचना शुरू हो गए हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि अब तक 243 लोगों को जिंदा बचाया गया है। मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है।

खबर संक्षेप

गाजा पर मोदी सरकार क्यों है चुप : सोनिया

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने गाजा के मामले में नरेन्द्र मोदी सरकार की 'निरंतर चुप्पी' पर सवाल उठाते हुए शनिवार को कहा कि भारत को फलस्तीनियों के समर्थन में स्पष्ट और मुखर रुख अपनाना चाहिए तथा गाजा और वेस्ट बैंक में हो रही घटनाओं पर वैश्विक जनमत के अनुरूप प्रतिक्रिया देनी चाहिए। गांधी ने एक अंग्रेजी दैनिक के लिये लिखे लेख में संयुक्त राष्ट्र की स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय जांच आयोग की हालिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए दावा किया कि गाजा में बच्चों को सुनियोजित तरीके से निशाना बनाया जा रहा है और वहां की मानवीय स्थिति बेहद भयावह हो चुकी है। उन्होंने कहा कि हजारों बच्चों की मौत और तबाही का शिकार हो गए हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

मिडिल ईस्ट में तनाव, ईरान ने भी किया बहरीन पर अटैक

युद्धविराम पर फिर मंडराया संकट, अमेरिका ने ईरान के मिसाइल, ड्रोन ठिकानों पर किए हमले

एजेंसी ⏭ वाशिंगटन

अमेरिका ने ईरान पर शुक्रवार को करीब एक घंटे तक हमले किए। इस दौरान अमेरिकी सेना ने उसके मिसाइल और ड्रोन ठिकानों और तटीय रडार साइट्स को निशाना बनाया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान ने सीजफायर तोड़ा है और इसलिए उस ये जवाबी कार्रवाई की गई। अमेरिका ने यह कार्रवाई तब की है, जब तेहरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एक कमर्शियल कार्गो शिप पर हमला किया था। हाल ही में दोनों देशों के बीच स्विट्जरलैंड में एक नाजुक समझौता हुआ था और इस हमले के बाद दोनों के बीच फिर से तनाव दिख रहा है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि 'हिंसा का जवाब हिंसा से मिलेगा।' जेडी वेंस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि ईरान ने युद्धविराम समझौते पर हस्ताक्षर किए थे और अमेरिका ने उसका पूरी तरह सम्मान किया। अगर समझौते (एमओयू) को लेकर किसी तरह का विवाद है तो बातचीत का रास्ता अपनाया जाना चाहिए, लेकिन अगर हिंसा का सहारा लिया गया तो उसका जवाब भी उसी भाषा में दिया जाएगा। वेंस ने कहा, 'अगर किसी बात से दिक्कत है तो आपके पास फोन है। लेकिन अगर हिंसा करोगे तो हिंसा का जवाब हिंसा से ही मिलेगा।'

अमेरिका और ईरान के बीच जंग की चिंगारी फिर भड़कने लगी है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजर रहे कार्गो शिप पर ईरानी हमले से ट्रंप प्रशासन बौखला गया है। ताजा कार्रवाई में अमेरिका ने शुक्रवार को ईरान के मिसाइल और ड्रोन साइट्स को निशाना बनाया। इधर, अमेरिका द्वारा किए गए रातभर के हवाई हमलों के बाद ईरान ने भी शनिवार को बहरीन में ड्रोन अटैक और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एक जहाज पर भी हमला किया।

अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर भी हमला

अमेरिकी हमले के बाद इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने भी अमेरिकी हमलों का जवाब देते हुए इस क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर अटैक किया। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी ठिकानों पर ये हमले तब हुए जब आईआरजीसीने वॉशिंगटन को धमकी दी कि पहले हुए हमलों का जवाब जरूर दिया जाएगा और तेहरान इसका निर्णायक जवाब देगा।

ट्रंप ने होर्मुज में कार्गो शिप पर हमले के जवाब में किया पलटवार

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर दुनिया फिर चिंतित

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया के सबसे बिजी समुद्री व्यापारिक मार्गों में से एक है। यहां पर इन दोनों देशों में एक बार फिर सीजफायर खत्म होते देख दुनिया की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। यहां से दुनिया के बड़े हिस्से को कच्चे तेल और गैस की सप्लाई होती है। इस क्षेत्र से सप्लाई सामान्य होने पर जीवाश्म ईंधन की कीमतें भी सामान्य रहती हैं लेकिन यह मार्ग डिस्टर्ब होने से दुनिया भर की अर्थव्यवस्था और तेल की कीमतें प्रभावित होती है। दुनिया की कुल मांग का 20 फीसदी कच्चा तेल इसी रास्ते से पास होता है।

ईरान ने बनाया बहरीन पर निशाना

अमेरिका द्वारा किए गए रातभर के हवाई हमलों के बाद ईरान ने शनिवार को बहरीन को निशाना बनाते हुए ड्रोन हमला किया, जबकि दूसरी ओर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एक जहाज पर भी हमला हुआ। बहरीन पर ईरान का हमला संयोग नहीं माना जा रहा है। बहरीन ईरान के सबसे मुखर आलोचकों में से एक है और वहां अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े का मुख्यालय भी स्थित है। हाल ही में बहरीन ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की मेजबानी की थी, जहां खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के विदेश मंत्रियों की बैठक हुई थी।

हैदराबाद में ट्रंप के नाम पर सड़क, भारत आएंगे अमेरिका के राष्ट्रपति!

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारत-अमेरिका के संबंधों में उतार चढ़ाव के बीच तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम पर एक सड़क का नाम रखा गया है। अपने नाम पर सड़क बनाए जाने को ट्रंप ने अनोखा पल बताया है और इसके लिए लिए भारत का आभार जताया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर उद्घाटन समारोह की तस्वीर शेयर करते हुए इसे अभूतपूर्व सम्मान बताया। बता दें, कुछ दिन पहले तेलंगाना सरकार ने हैदराबाद स्थित अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के पास वाली सड़क का नाम बदलकर 'डोनाल्ड ट्रंप एवेन्यू' रखा है। भारत-अमेरिका के रिश्तों को मजबूत करने में हैदराबाद की भूमिका को आगे लाना है।

यहां पर है यह सड़क

यह सड़क नानकरामगुड़ा के फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट में स्थित है, जहां कई बड़ी अंतरराष्ट्रीय टेक कंपनियों के दफ्तर भी काम कर रहे हैं। इस सड़क के नाम की पट्टी (नेमप्लेट) का उद्घाटन इसी हफ्ते एक कार्यक्रम में किया गया था। इस मौके पर भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर सहित तेलंगाना सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। दरअसल, यह पूरा आयोजन अमेरिका की आजादी के 250 साल पूरे होने के जश्न से जुड़ा था।

अगले साल भारत आएंगे ट्रंप!

ट्रंप अगले साल 2027 की शुरुआत में भारत दौरे पर आ सकते हैं। यह संकेत अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने दिए हैं। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि हम उम्मीद कर रहे हैं, इस दिशा में काम भी कर रहे हैं कि अगले साल की शुरुआत में राष्ट्रपति ट्रंप की भारत यात्रा तय हो सके।

नीट का 1 सवाल ड्रॉप, 20 लाख छात्रों को मिलेंगे 4 बोनस अंक

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

नीट यूजी2026री-एग्जाम का रिजल्ट आने से पहले ही उम्मीदवारों के 4 नंबर पक्के हो गए हैं। 21 जून को हुए री-एग्जाम की प्रोविजनल आंसर-की जारी की गई है, जिसमें फिजिक्स के एक सवाल को 'ड्रॉप' (हटाया) गया है।

ड्रॉप किए गए इस सवाल के लिए सभी छात्रों को पूरे 4 बोनस नंबर (+4) दिए जाएंगे, भले ही किसी उम्मीदवार ने उस सवाल को हल किया हो या नहीं किया हो। 20 लाख उम्मीदवारों ने री-एग्जाम दिया है और इन सभी को अपने फाइनल रिजल्ट से पहले एक सवाल के नंबर पता चल गए हैं। इसके अलावा फिजिक्स के ही एक सवाल के दो जवाब सही पाए गए हैं। जिन- जिन कैंडिडेट्स ने उन दोनों विकल्पों में से किसी को भी चुना होगा, उनको पूरे 4 नंबर मिलेंगे। इलेक्ट्रोमैग्नेटिक वेव्स और वर्नियर कैलिपर्स से जुड़े सवालों को लेकर आपत्ति दर्ज करवाई गई थी।

आंसर-की चैलेंज विंडो 28 जून तक ओपन

एक सवाल ड्रॉप होने के बाद 20 लाख कैंडिडेट्स 4 बोनस अंक

नीट एग्जाम 2026 फाइनल आंसर-की आने के बाद यह साफ होगा कि क्या कोई और सवाल ड्रॉप किया गया है। नीट पेपर एक ही शिफ्ट में हुआ है तो सभी 20 लाख को 4 बोनस अंक मिलेंगे। फिजिक्स के साथ- साथ केमिस्ट्री और बायोलजी में भी एक या दो सवाल के गलत होने की आशंका जताई जा रही है। जूलॉजी को लेकर भी छात्र सवाल उठा रहे हैं और हो सकता है कि इस विषय में कई सवालों को चैलेंज किया जाए। अब ये तो फाइनल आंसर-की के बाद सामने आएगा कि कितने सवाल आखिरकार ड्रॉप होंगे।

प्रोविजनल आंसर-की, 28 जून तक कर कर सकते हैं चैलेंज

एनटीए ने मेडिकल एंट्रेंस परीक्षा की जो प्रोविजनल आंसर-की जारी की है, उसमें एक सवाल तो ड्रॉप है और इसके अलावा उम्मीदवार को किसी भी सवाल के जवाब को लेकर कोई दिक्कत है या विशेषज्ञों को लगता है कि आंसर-की में दिया गया जवाब सही नहीं है तो उस सवाल को चैलेजं किया जा सकता है। एक सवाल को चैलेंज करने की फीस 200 रुपये है, अगर चैलेंज ठीक पाया जाता है और कोई सवाल ड्रॉप होता है तो यह फीस वापस हो जाएगी। वहीं विशेषज्ञों का कहना है कि फिजिक्स में दो सवालों के गलत होने की आशंका लगाई जा रही थी और एक सवाल तो ड्रॉप हो ही गया है।

खड़ी कार का एयरबैग खुलने से युवक की मौत

एजेंसी ⏭ ठाणे

महाराष्ट्र के ठाणे में एक खड़ी कार में अचानक एयरबैग खुलने से 25 साल के युवक मौत हो गई। युवक एक कार डीलर था। वह एक 15 साल पुरानी कार के अंदर बैठा था। तभी अचानक गाड़ी का सेफ्टी सिस्टम एक्टिव हो गया। एयरबैग इतनी तेजी से खुला कि उसके जोरदार झटके से युवक को गंभीर चोटें आईं और मेडिकल मदद मिलने से पहले ही ज्यादा खून बहने के कारण उसकी मौत हो गई। युवक को चोट कहां लगी इसकी जानकारी फिलहाल नहीं दी गई है। यह घटना बुधवार को ठाणे के काशिमीरा इलाके में हुई। जानकारी पुलिस ने शनिवार को दी।

स्टालिन को झटका, एमडीएमके ने छोड़ा साथ

चेन्नई। तमिलनाडु में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम में स्टालिन की डीएमके को एक और झटका लगा है। एमडीएमके ने औपचारिक रूप से डीएमके के साथ अपना नौ साल पुराना गठबंधन समाप्त कर दिया है। हालांकि उसने सत्तारूढ़ टीवीके के नेतृत्व वाले गठबंधन में शामिल होने की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। यह निर्णय पार्टी की आम सभा की बैठक में लिया गया।

HINDUJA HOUSING FINANCE
WALK IN INTERVIEW
on 01 to 03 July 2026
Designation: SALES OFFICER
ELIGIBILITY : - Minimum 12th Pass
(Home Loan /LAP Experience Required)
Age Limit : Up to 35 Years
CTC:- Upto 2.70 Lac
Time : 11:00 AM to 5:00 PM
Locations: Raipur, Pithampur, Ratlam, Satna, Ujjaijn & Rajnandgaon
Interested candidates can send their CV to - mishra.anoop@hindujahousingfinance.com
Contact:- 9074505211
Scan the QR code for the Branch Address in Details

स्पेशल: वर्ल्ड सोशल मीडिया-डे, 30 जून

मन-जीवन को कर रहा अशांत सोशल मीडिया नोटिफिकेशंस

आज के दौर में अधिकांश लोग किसी न किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से जुड़े हुए हैं। लेकिन हाल के सालों में देखने में आ रहा है कि इन पर दिन में कई-कई बार आने वाले नोटिफिकेशंस से लोगों का मन-जीवन बेचैन और अशांत होता जा रहा है। इसके पीछे क्या वजहें हैं, इनका क्या प्रभाव पड़ता है और इनसे कैसे बच सकते हैं, आपको जरूर जानना चाहिए।

कवर स्टोरी / डॉ. मोनिका शर्मा

कभी किसी परिचित के सुंदर घर की तस्वीर तो कभी किसी फ्रेंड के विदेश घूम आने के अपडेट, वर्चुअल दुनिया में जुड़े किसी अनजान वर्चुअल मित्र ने अचानक अपना लुक बदल लिया, तो किसी के बच्चों की कमाल की उपलब्धियां। सब कुछ स्क्रीन के जरिए हम तक पहुंचता रहता है। हर उम्र के लोगों में लगातार सोशल मीडिया पर अपडेट रहने और दूसरों को अपडेट करने की सोच बढ़ रही है। इस वजह से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के नोटिफिकेशन की टोन कई बार मन को बेचैन करने वाली दस्तक-सी लगने लगती है। दूसरों के लुक्स, करियर, महंगे शौक और एडवेंचरस ट्रिप्स को देखकर मन में कमतरी के भाव आने लगते हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि किसी के भी जीवन की हकीकत इतनी सुंदर-सहज नहीं होती है, जितनी सोशल मीडिया पर दिखती है। ऐसे में बनावटी-सजावटी आभासी दुनिया के बहकावे में आने के बजाय अपने मन-जीवन को साधना जरूरी है।

बढ़ने लगी है तुलनात्मक प्रवृत्ति

आज के दौर में स्क्रीन के जरिए दस्तक देता कंटेंट, हर उम्र के लोगों को कमतरी और बेहतरी के जाल में उलझा रहा है। शुभ कार्य हों या कोई व्यक्तिगत उपलब्धि, आभासी दुनिया में अजीब से नाप-तौल वाले मनोभावों से देखी, समझी और स्वीकारी जाने लगी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से लेकर फैमिली ग्रुप्स में शेयर की जाने वाली सूचनाओं और क्लिक्स तक, हर बात और जज्बात तुलना करने की सोच की ओर धकेल रहा है। इसके चलते मन में आने वाली अनचाही तल्खी, व्यावहारिक जिंदगी की भरपूर समझ होने के बावजूद, दिलो-दिमाग को बोझिल कर रही है। सुंदरता, सहृदयता और संपन्नता की जो चमक स्क्रीन पर तैरते अपडेट्स में दिखती है, वही जीवन का सच नहीं है, यह जानते-बूझते हुए भी रंग-रूप, कद-काठी और उपलब्धियों से लेकर खुशियों और उत्सवीय रंग-ढंग तक एक असंतोष की भावना पनप रही है। ध्यान रहे कि सोशल मीडिया के जरिए क्लिक भर में आप तक पहुंच जाने वाले कंटेंट से तुलना का भाव स्वयं यूजर्स में तो बढ़ ही रहा है। बाजार ने भी इसे बढ़ाया है क्योंकि यह भी एक तरह की मार्केटिंग स्ट्रेटेजी ही है।

गहरा होता है कमतरी का भाव

जाने-अनजाने लोगों के अपडेट्स देखकर पैदा हो रहा तुलना का भाव, खुद के जीवन में कमियां देखने को प्रेरित कर रहा है। इसके चलते हमारा मन रिश्तों, जीवनशैली और अपने हिस्से आए स्नेह-सम्मान की भी अनदेखी करने लगता है। नतीजतन जिंदगी की नेमतों को लेकर शुक्रिया कहने के भाव की जगह शिकायतों ने ले ली है। नोटिफिकेशन टोन के साथ पल-पल में अवतरित होते संदेश, सूचनाएं, चित्र, असंतुष्टि भरी सोच और बेचैनी भी साथ लाते हैं। विशेषज्ञ भी मानते हैं कि वर्चुअल दुनिया में अपने दोस्तों, रिश्तेदारों और दूसरे जाने-अनजाने चेहरों के अपडेट्स हर उम्र के लोगों के लिए व्यक्तिगत जीवन में असंतुष्टि की बड़ी वजह बन रहे हैं। स्मार्ट गैजेट्स की स्क्रीन के जरिए अमूमन अपनों-परायों तक अपनी कमियां, कमजोरियां और दिल की कसक नहीं पहुंचाई जाती। यह जानते-समझते हुए भी दूसरों के चमकदार, सफल और सुखी दिखते जीवन की वर्चुअल आभा में खुद को कहीं कमतर महसूस करने का भाव पनपने लगता है। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक अध्ययन के मुताबिक आमतौर पर सोशल मीडिया पर लोग अपने बारे में सकारात्मक जानकारी ही प्रस्तुत करते हैं। फिल्टर्स का उपयोग करके अपनी उपस्थिति को और प्रभावी बना देते हैं। इसके चलते यह लगने लगता है कि हमारे मित्र या संबंधी कितने सुंदर हैं! कितने सफल हैं! इससे कई बार ऐसा भी लगने लगता है कि हमारे अलावा सब के पास सब कुछ है, सब बहुत खुश और संतुष्ट हैं, जबकि यह एक आभासी सोच भर होती है।

खो रहीं सहज-सी खुशियां

लगातार मिलने वाले सोशल मीडिया नोटिफिकेशंस के जरिए इंसानी व्यवहार और विचार में चाहे-अनचाहे स्क्रीन पर दिखी तस्वीरों, सूचनाओं और उपलब्धियों का ही लेखा-जोखा रहने लगता है। ऐसे में हम उस सुख को भी भूल जाते हैं, जो हमारी झोली में मौजूद होते हैं। इसकी वजह यह भी है कि वास्तविक दुनिया में तुलना करने के दायरे में बहुत कम लोग शामिल होते हैं। सोशल मीडिया का डिजिटल यूनिवर्स, दूसरों के साथ तुलना करने की स्थितियों को कई गुना बढ़ा देता है। समझना जरूरी है कि दूसरों की जिंदगी के वर्चुअल अपडेट्स में दिखने और होने के फर्क को समझते हुए अपने जीवन की सहजता को बनाए रखिए। अपनी खुशियों को जीने से दूरी मत बनाइए। *

सही नहीं सबका पीछा करना

दूसरों के मीडिया अपडेट्स के चलते मन में आ रही खिन्नता लोगों को उनका फॉलोअर बना देती है। हम हरदम यह जानने की कोशिश में लगे रहते हैं कि उनके ताजा अपडेट्स क्या हैं? आज उनकी क्या गतिविधियां हैं? अन्य लोग उनकी कैसे और कितनी सराहना कर रहे हैं? दूर बैठे लोगों की जिंदगी का पीछा करने की सोच से ऐसी बातों के चलते खुद आपके जज्बात बदलने लगते हैं। मन-जीवन में असंतोष भरी स्याह उदासी जगह बना लेती है। यहां तक कि ईर्ष्या का भाव भी पनपने लगता है। सोचने वाली बात यह है कि यह सब होने की कोई वास्तविक वजह ही नहीं होती है। सोच-समझकर दी गई जानकारियां और बना-संवारकर साझा की गई तस्वीरें लोगों को हैरान-परेशान करती हैं, जबकि खुद उनके ही द्वारा साझा की जा रही सामग्री के इतर उनके जीवन की असलियत का दूसरों को कोई अंदाजा ही नहीं। ऐसे में यह आदत बेवजह आपकी ऊर्जा और समय खपाने लगती है। सोशल मीडिया का उपयोग यूजर्स जिस इरादे से करते हैं, उनके मन-मस्तिष्क पर वैसा ही असर पड़ता है। बिना सोचे-समझे दूसरों के अपडेट्स के इंतजार में स्क्रीन स्क्रॉल करने से अवसाद और घबराहट पैदा होती है। जिन लोगों के अपडेट्स मन में भटकाव या नकारात्मक भाव लाते हैं, उन्हें अनफॉलो कीजिए। चिंतित और उदास महसूस करवाने वाले कंटेंट से दूरी बनाएं। वर्चुअल दुनिया हो या असल संसार औरों से ज्यादा अपनी जिंदगी में रुचि रखिए।

भारत के सरकारी स्पेस इंस्टीट्यूट इसरो की उपलब्धियां तो जगजाहिर हैं ही, अब इसी के नक्शेकदम पर चलते हुए कई स्पेसटेक निजी कंपनियां भी देश-दुनिया में अपनी धाक जमा रही हैं। स्पेसटेक के क्षेत्र में नित नई ऊंचाई हासिल कर रही देश की प्राइवेट स्पेसटेक कंपनियों की अचीवमेंट पर एक नजर।

अंतरिक्ष में नई ऊंचाइयां छू रहीं देश की निजी स्पेसटेक कंपनियां

अचीवमेंट
संजय श्रीवास्तव

हाल में 'गैलेक्सआई' द्वारा मिशन दृष्टि नामक दुनिया का पहला ऑप्टोसार उपग्रह सफलतापूर्वक लॉन्च करने के बाद दुनिया भर की मीडिया में भारत की निजी स्पेस कंपनियों की कम लागत के साथ तकनीकी दक्षता तथा इस आधार पर वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में उनकी तीव्र बढ़त की चर्चा हो रही है।

गैलेक्सआई ने रचा इतिहास: जब भारत ने 'मिशन दृष्टि' के तहत 190 किलो वजनी दुनिया का पहला ऑप्टोसार उपग्रह अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित वैंडेनबर्ग स्पेस फोर्स बेस से स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट के जरिए प्रक्षेपित किया, तब बहुतों ने गैलेक्सआई का नाम पहली बार सुना। देश ने स्पेस तकनीकी क्षमता का लोहा वैश्विक स्तर पर मनवाया हो और खबरों में इसरो की जगह देश के सबसे बड़ा पृथ्वी अवलोकन उपग्रह बनाने वाली किसी ऐसी निजी कंपनी का नाम सुर्खियों में शामिल हो, जिसके अस्तित्व में आए महज पांच साल हुए हैं, ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। इतने कम समय में यह अनूठी सफलता हासिल कर इसने बता दिया है कि भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र की प्रगति कितनी तेज गति से हो रही है।

बहुपयोगी है इसकी तकनीक: गैलेक्सआई द्वारा लांच मिशन दृष्टि की ऑप्टोसार तकनीक में इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल यानी ईओ और सिंथेटिक, पर्चर रडार या एसएआर सेंसर को एक ही प्लेटफॉर्म पर जोड़ा गया है। इस संयोजन के कारण यह उपग्रह हर मौसम और दिन-रात में डेटा संग्रह करने में सक्षम है। यह क्षमता अब तक सीमित देशों या अलग-अलग प्रणालियों में बंटी हुई थी, जबकि भारत ने इसे एकीकृत रूप में प्रस्तुत किया है। वैश्विक संदर्भ में देखें तो अमेरिका, चीन और कुछ यूरोपीय देश पृथ्वी अवलोकन में अग्रणी रहे हैं, लेकिन रणनीतिक दृष्टि से 'गेम चेंजर' ऑप्टोसार तकनीक जैसी एकीकृत प्रणाली भारत को तकनीकी बढ़त देती है। यह उपग्रह सेना को डेढ़ मीटर के दायरे में सीमा पार की सटीक जानकारी देगा। कृषि मॉनिटरिंग, आपदा प्रबंधन, तटीय सुरक्षा और शहरी नियोजन जैसे क्षेत्रों में इसकी उपयोगिता व्यापक है। बाढ़ या चक्रवात के समय यह त्वरित और सटीक डेटा निर्णय लेने की क्षमता को कई गुना बढ़ा सकता है। इस प्रकार 'मिशन दृष्टि' ड्यूल-यूज टेक्नोलॉजी का उत्कृष्ट उदाहरण है, जिससे नागरिक और सैन्य दोनों लाभ एक साथ प्राप्त होंगे।

कई और कंपनियां भी हैं एक्टिव: गैलेक्सआई तो महज एक उदाहरण है, देश में इसरो के साथ मिलकर काम करने वाली कॉमर्शियल स्पेस इंडस्ट्री स्टैब्लिश हो चुकी है। अनुमान है कि फिलवक्त निजी क्षेत्र में 400 स्पेसटेक स्टार्टअप काम कर रहे हैं। 150 से ज्यादा कंपनियां छोटे उपग्रह, लॉन्च व्हीकल्स, अर्थ ऑब्जर्वर और एआई एनालिटिक्स आदि पर शानदार काम कर रही हैं। स्काईरूट एयरोस्पेस, जिसने निजी क्षेत्र का पहला सफल रॉकेट विक्रम एस. बनाया और हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजिंग में वैश्विक पहचान बनाने वाली पिक्सेल कंपनी से सभी परिचित हैं। अग्निकुल कॉस्मॉस, जो थ्री-डी प्रिंटेड इंजन अग्निलेट का निर्माण कर सुर्खियों में आई थी, अब उपग्रहों के लिए स्पेसएक्स की स्पेस बस की अवधारणा से उलट एक स्पेस 'टैक्सी' बनाना चाहती है। थ्री-डी प्रिंटरों का उपयोग करके, यह फॉलकन 9 से छोटे और दोबारा इस्तेमाल होने वाले रॉकेट बनाने की सोच रहा है, जिन्हें ग्राहक की इच्छानुसार कहीं से भी लॉन्च किया जा सकता है और उनके उपग्रह को ठीक उसी कक्षा में सटीकता से स्थापित किया जा सकता है, जिसकी उसे जरूरत है। मुमकिन है कि इस साल के अंत तक वह लक्ष्य पा लें। दिगांत्रा कंपनी एक कक्षीय हवाई-यातायात नियंत्रक के रूप में काम कर रही है, जो विभिन्न कंपनियों के उपग्रहों के अंतरिक्ष मलबे से टकराने के जोखिम की निगरानी में मदद करती है।

हो रहा वैश्विक प्रसार: देश की ये स्पेसटेक कंपनियां देश से बाहर भी अपनी धाक जमा रही हैं। आज पिक्सेल नासा के साथ डेटा साझेदारी कर रही है, तो स्काईरूट अंतरराष्ट्रीय ग्राहक लॉन्च सेवाएं दे रही है और ध्रुव स्पेस ग्लोबल सैटेलाइट सेवाओं में आगे है। इसी तरह तमाम निजी स्पेस कंपनियां विभिन्न परियोजनाओं पर काम कर रही हैं यानी शोधरत हैं। भारतीय प्राइवेट स्पेस कंपनियों की बढ़ती प्रसिद्धि के पीछे कारण यह है कि भारतीय स्पेसटेक कंपनियों का मॉडल 'कम लागत पर उच्च-दक्षता नवाचार' पर आधारित है। स्पेस टेक की दिशा में भारत अब 'सेवा प्रदाता' से 'तकनीक प्रदाता' बन रहा है। इसीलिए उम्मीद की जा रही है कि भारतीय स्पेसटेक व्यापार 2030 तक 40 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। *

गजल
डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

भूल गए हैं लोग सलीका

भूल गए हैं लोग सलीका आमंत्रण का,
भाव नहीं दिखता आंखों में अपनेपन का।
भरमाने वाले पेड़ों की भीड़ लगी है,
मोल नहीं होता कानन में अब चंदन का।
याद किसी की आने पर सर दीवारों से
टकराए तो दोष नहीं होता दरपन का।
इकदिन उम्र ढला करती है सबकी जग में,
धीरे-धीरे रंग उतरता है आनन का।
साथ न हो गर मन का मीत सफर में 'नवरंग'
लगने लगता है हर मौसम फिर बेमन का।

व्यंग्य / सूर्यदीप कुशवाहा

मेहमान इन पकवानों पर ऐसे टूट पड़ते हैं, जैसे इसके बाद कभी उन्हें खाना मिलेगा ही नहीं। एक तरफ मेहमान पकवान उड़ाते हैं, उधर लड़की के बाप का बीपी बढ़ता जाता है।

शादी का झमेला

आजकल समाज में शादी-ब्याह केवल दो आत्माओं का मिलन नहीं, बल्कि दो परिवारों के बैंक बैलेंस, प्रतिष्ठा और धैर्य की परीक्षा का महायज्ञ बन गया है। यह वह अवसर होता है, जब एक अदना-सा इंसान अचानक शादी समारोह प्रबंधक बन जाता है और अपनी सारी जमापूंजी, साख और यहां तक कि भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए रखी गई पूंजी भी एक रात के दिखावे में झोंक देता है।

समारोह में दुल्हन को इतना पेंट किया जाता है कि पेंट किया हुआ घर भी फीका दिखने लगता है। चेहरे पर पुताई की इतनी परतें होती हैं कि अगर दुल्हन को छींक आ जाए, तो आस-पास के लोग उस गुबार से लाल हो जाएं। इसे ब्राइडल ग्लो कहा जाता है, जो सुबह होते ही वॉटरप्रूफ न होने की स्थिति में बह जाता है। आम धारणा है कि दुल्हन का लहंगा भी उतना ही भारी होना चाहिए, जितना दुल्हन के पिता का सिर कर्ज के बोझ से भारी हो जाता है।

शादी समारोह अब रिश्तों का उत्सव कम और कॉम्पिटिशन ज्यादा बन गया है। पड़ोसी की बेटी की शादी में पचास पकवान थे, तो हमें शुभ इक्यावन करने ही होंगे। चाहे इसके लिए पिता को क्यों न बैंक से लोन लेना पड़े। लगन के इस मौसम में सबसे ज्यादा प्रभाव उस मध्यमवर्गीय पिता पर होता है, जो तीन घंटे के दिखावे के लिए तीस साल की कमाई स्वाहा कर देता है। मेहमानों को खिलाने के लिए मेनू में तरह-तरह के व्यंजन होते हैं, जिसमें से अधिकतर मेहमान केवल वही स्पेशल डिश खाते हैं, जो उनके घर में नहीं बनते हैं। मेहमान इन पकवानों पर ऐसे टूट पड़ते हैं, जैसे इसके बाद कभी उन्हें खाना मिलेगा ही नहीं। एक तरफ मेहमान पकवान उड़ाते हैं, उधर लड़की के बाप का बीपी बढ़ता जाता है। यह ऐसा मेला है, जहां रिश्तेदार यह देखने आते हैं कि हलवाई ने पनीर की सब्जी में पनीर डाला था या सिर्फ ग्रेवी? वास्तव में शादी में आए मेहमानों का मुख्य उद्देश्य दूल्हा-दुल्हन को आशीर्वाद देना नहीं, बल्कि समारोह में कमियां उघाड़ना होता है। बिना बात नाराज होने वाले दूल्हे के फूफाजी अगर पनीर के चार टुकड़े खा लें तो यह उनकी दयालुता मानी जाती है। ये वही लोग होते हैं, जो अपनी बेटी की शादी में सबसे कंजूसी करते हैं, लेकिन दूसरे की शादी में फाइव स्टार होटल जैसी सुविधा चाहते हैं। इनके लिए शादी एक फ्री फूड फेस्टिवल होता है, जहां वे वीआईपी बन अपनी पसंद का खाना न मिलने पर दुल्हन के पिता को कोस और लताड़ सकते हैं। लेकिन समारोह का असली मजा या सजा सड़क पर बारात के रूप में मिलता है। डीजे वाले बाबू चाहे कैसा भी गाना बजाएं, बारातियों को तो बस वही एक स्टेप आता है-नागिन डांस। ऐसा लगता है जैसे सांपों ने पूरी बारात को डस लिया हो। दूल्हा घोड़ी पर बैठा ऐसे मुस्कुराता है, जैसे उसने देश के लिए स्वर्ण पदक जीता हो, जबकि सच्चाई यह है कि वह कुछ ही देर में स्वतंत्रता से परतंत्रता की ओर कदम बढ़ाने वाला होता है।

हर कोई चाहता है कि उसकी शादी यादगार हो। शायद इसीलिए आज के दौर में शादी समारोह समाज के सामने अपनी औकात बताने का एक जरिया बन गया है। शादी के बाद दूल्हा-दुल्हन शान से नई कार में घूमते हैं और पीछे दुल्हन के पिता उस कार की ईएमआई भरते हैं। इसे ही लड़की का बाप कहते हैं। *

पुस्तक चर्चा / मेनका त्रिपाठी

संवेदना-संघर्ष का कथालोक

हाल में प्रकाशित हुआ विक्रम सिंह का कहानी-संग्रह 'आवारा अदाकार' समकालीन जीवन की जटिलताओं, विडंबनाओं और मानवीय संघर्षों के दस्तावेज की तरह है। उनकी कहानियों में एक ओर यथार्थ की खुरदुरी जमीन दिखाई देती है, तो दूसरी ओर कल्पना की ऐसी ऊंचाई भी, जो साधारण जीवन को अर्थपूर्ण बना देती है। यही कारण है कि उनकी कहानियां केवल घटनाओं का विवरण नहीं लगतीं, बल्कि पाठक के भीतर संवेदना और विचार दोनों को जगाती हैं।

लेखक ने खाड़ी देशों में संघर्षरत मजदूरों की पीड़ा, कोरोना काल की त्रासदी, बेरोजगार युवाओं की बेचैनी, इंटरनेट ठगी और आभासी रिश्तों के खोखलेपन जैसे समकालीन विषयों को अत्यंत संवेदनशीलता से उठाया है। वे केवल दुख की दास्तां नहीं सुनाते, बल्कि जीवन की कठोर परिस्थितियों के बीच मनुष्य की जिजीविषा और छोटे-छोटे सुखों की तलाश को भी रेखांकित करते हैं। उनकी भाषा सहज, प्रवाहपूर्ण और आज के जीवन के जीवंत मुहावरों से भरपूर है। संवादों में स्वाभाविकता है, जिससे पात्र पाठक के बेहद करीब आ जाते हैं। हालांकि, विविध विषयों के कारण कहीं-कहीं कथ्य का हल्का बिखराव दिखाई देता है, फिर भी उनकी रचनात्मक ईमानदारी और मानवीय दृष्टि इस कमी को ढंक लेती है। *

पुस्तक: आवारा अदाकार (कहानी संग्रह), **लेखक:** विक्रम सिंह,
मूल्य: 250 रुपए, **प्रकाशक:** लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज

कमल हासन ने बताया अंडरवर्ल्ड और काले धन का कड़वा सच...

मुंबई। फिल्म निर्माता कमल हासन ने साल 2017 में एक इवेंट में बताया था कि उन्होंने बॉलीवुड से दूरी क्यों बनाई। उस इवेंट में उन्होंने कहा था कि फिल्म इंडस्ट्री के अंडरवर्ल्ड से रिश्ते और काले धन का खेल उन्हें बहुत असहज करता था। उन्होंने अपने शब्दों में कहा था, 'मैं वहां नहीं रुकना चाहता था, या तो उससे लड़ूं या फिर डर के आगे झुक जाऊं।' कमल ने बताया कि काले धन से दूर रहने का यह फैसला उन्होंने बहुत पहले अपने भाई के साथ मिलकर लिया था। उन्हें यह प्रेरणा सिनेमैटोग्राफर विंसेंट से मिली थी। 1980 के दशक में 'एक दूजे के लिए' और 'सागर' जैसी हिट फिल्में देने के बाद भी, इसी फैसले की वजह से उन्होंने बॉलीवुड के बजाय ज्यादातर तमिल सिनेमा में अपना करियर बनाया।

लाइफ Style

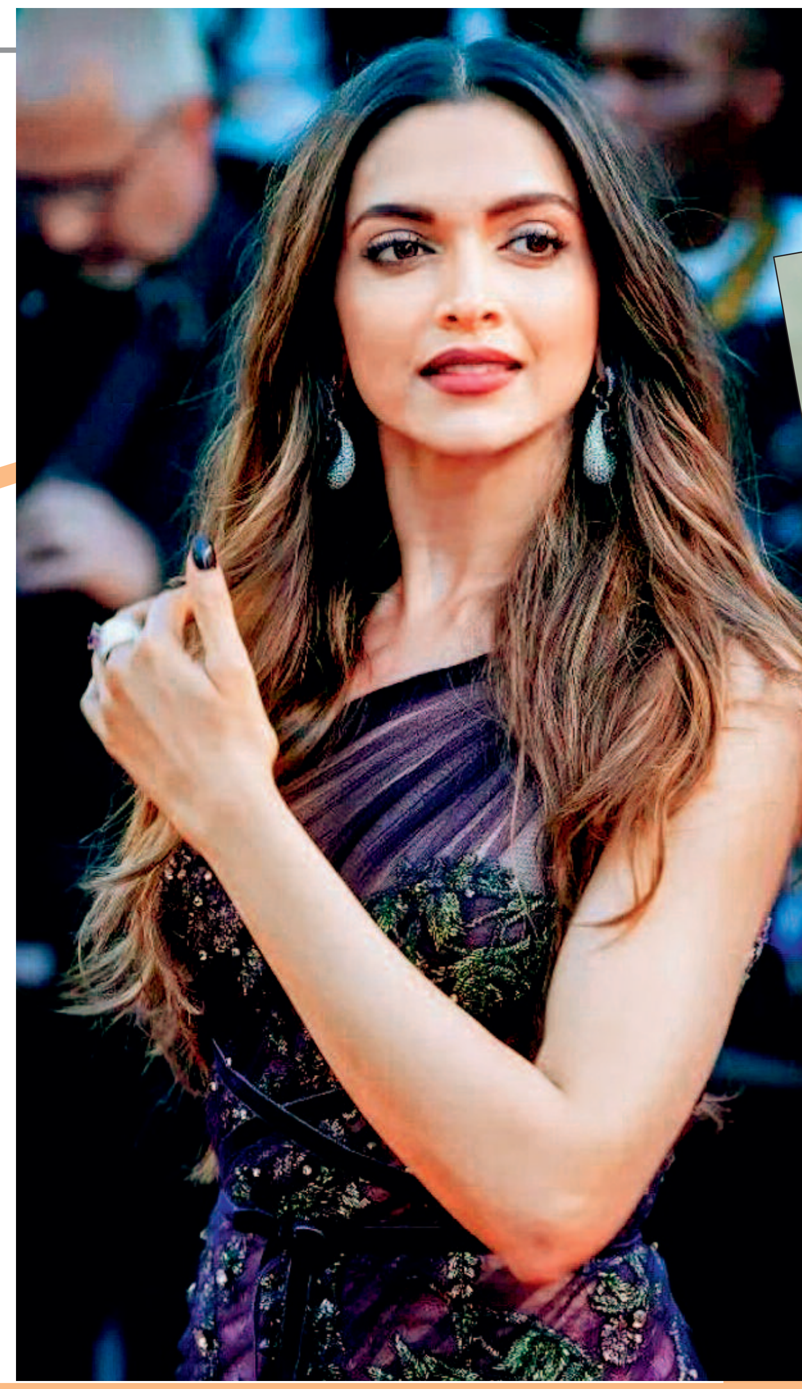

दीपिका
पहले फराह की सलाह ने बदली राह

एजेंसी ▶▶ मुंबई

बॉलीवुड की टॉप अभिनेत्रियों में शुमार दीपिका पादुकोण ने साल 2007 में सुपरस्टार शाहरुख खान के साथ फिल्म 'ओम शांति ओम' से हिंदी सिनेमा में एक धमाकेदार शुरुआत की थी। फराह खान के निर्देशन में बनी इस ब्लॉकबस्टर फिल्म में शाहरुख और दीपिका दोनों ही दोहरे किरदारों (डबल रोल) में नजर आए थे।

हाल ही में रिलीज हुए अपने एक नए कुकिंग व्लॉग में फराह खान ने बताया कि उन्होंने अपनी खोज यानी दीपिका पादुकोण को उनकी पहली फिल्म 'ओम शांति ओम' के सेट पर उतारने से पहले कितनी कड़ी तैयारी करवाई थी। फराह खान ने बताया कि उन्होंने दीपिका को सीधे कैमरे के सामने खड़ा नहीं किया था। फराह ने कहा, मैंने दीपिका को लॉन्च करने से पहले उसका बहुत ख्याल रखा। फिल्म की शूटिंग शुरू होने से पहले मैंने उसे करीब 3-4 महीनों के लिए अनुपम खेर की एक्टिंग क्लास में भेजा, ताकि वह अभिनय की बारीकियां सीख सके। इसके बाद उसकी बॉडी लैंग्वेज को बेहतर करने के लिए मैंने उसे कथक डांस की क्लास जॉइन करवाई। हमने फिल्म के किरदारों के लिए उसके कई अलग-अलग लुक टेस्ट भी किए थे। फराह ने आगे एक बेहद दिलचस्प किस्सा साझा करते हुए बताया, "जब फिल्म की मुख्य शूटिंग शुरू हुई, तो मैंने पहले 10 दिनों तक दीपिका का कोई भी सीन शूट नहीं किया। मैंने उससे साफ कह दिया था कि तुम पहले 10 दिन बस सेट पर आओगी और वहां चुपचाप बैठकर देखोगी कि शाहरुख खान कैसे काम करते हैं और श्रेयस तलपड़े किस तरह दृश्यों को जीवंत बनाते हैं।

हॉलीवुड मसाला

हाउस ऑफ द ड्रैगन का जलवा बरकरार

लॉस एंजिल्स। 'हाउस ऑफ द ड्रैगन' के तीसरे सीजन की शुरुआत धमाकेदार रही है। इसे पहले 3 दिनों में 2.15 करोड़ लोगों ने देखा है। यह संख्या पिछले सीजन के शुरुआती एपिसोड के 2.34 करोड़ व्यूअर्स से थोड़ी कम जरूर है। इसके बावजूद, शो की पकड़ दर्शकों पर बनी हुई है और अब निर्माताओं के चौथे और आखिरी सीजन की तैयारी कर रहे हैं। 'हाउस ऑफ द ड्रैगन' सीजन 1 बना हुआ है सबसे बड़ा एचबीओ लॉन्च- शो का सीजन 1 आज भी सबसे बड़ा एचबीओ लॉन्च माना जाता है। इसने 'गेम ऑफ थ्रोन्स' के खत्म होने के बाद एचबीओ के लिए कई नए रिकॉर्ड बनाए थे।

फिल्म 'डोंकी' की रिलीज तारीख का ऐलान...

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड निर्देशक चार्ली बीन की एनिमेटेड फिल्म 'डोंकी' से जुड़ा सबसे बड़ा अपडेट आ गया है। एनिमेशन फिल्में बनाने वाले ड्रीमवर्क्स एनिमेशन ने यूनिवर्सल पिक्चर्स के साथ मिलकर फिल्म की रिलीज तारीख का आधिकारिक ऐलान कर दिया। यह चर्चित एनिमेटेड फिल्म 'श्रेक' (2001) फ्रैंचाइजी की एक स्पिन-ऑफ होगी, जो श्रेक के मजेदार और बड़बोले दोस्त डोंकी की शुरुआती कहानी को दिखाएगी। मशहूर अभिनेता एडी मर्फी एक बार फिर 'डोंकी' के किरदार को अपनी जादुई आवाज देंगे। यूनिवर्सल पिक्चर्स ने कुछ दिन पहले 'श्रेक 5' का टीजर जारी करते हुए बताया था कि फिल्म 2027 की गर्मियों में रिलीज किए जाने की योजना है। अब निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर 'डोंकी' की रिलीज तारीख का ऐलान भी कर दिया है। 'श्रेक 5' की रिलीज के एक साल बाद, यानी 30 जून, 2028 को यह स्पिन-ऑफ सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी।

हॉलीवुड में मेरा बेस्ट काम अभी बाकी

मुंबई। वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना चुकीं अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा उन गिने-चुने भारतीय कलाकारों में शुमार हैं, जिन्होंने बॉलीवुड के साथ-साथ हॉलीवुड में भी अपनी सफलता के झंडे गाड़े हैं। प्रतिष्ठित 'कान लायंस' सम्मेलन में अपने हॉलीवुड सफर पर चर्चा करते हुए प्रियंका ने वैश्विक मंच पर और अधिक विविध काम करने की इच्छा जताई। 'बेवॉच', 'द मैट्रिक्स रेजरेक्शन्स' और हालिया एडवेंचर फिल्म 'द ब्लफ' जैसी हॉलीवुड फिल्मों में अभिनय करने के बाद भी उनका कहना है कि पश्चिमी सिनेमा में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन आना अभी बाकी है। उन्होंने साझा किया कि भारत में उन्होंने बेहतरीन निर्देशकों के साथ हर तरह के जॉनर और किरदारों को जिया है, लेकिन अमेरिका में अंग्रेजी भाषा के काम में वे अभी तक वैसी विविधता नहीं ला पाई हैं।

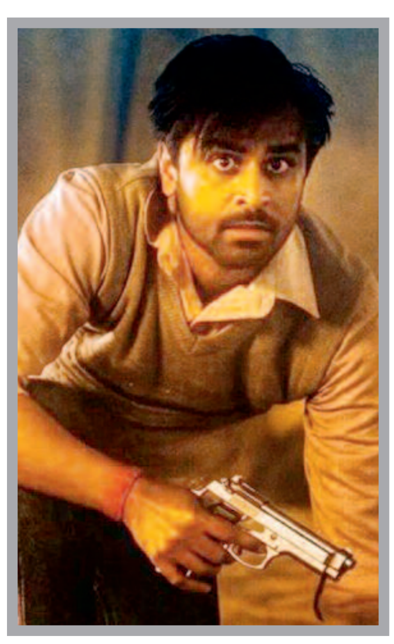

मिर्जा: द मूवी में दिखेंगे खूंखार अवतार

मुंबई। 'मिर्जापुरः द मूवी' के नए कैरेक्टर पोस्टर सामने आ गए हैं। इन पोस्टरों में फैंस को जितेंद्र कुमार, अभिषेक बनर्जी और रवि किशन के किरदारों की पहली झलक देखने को मिली है। इससे पहले एक टीजर भी आया था, जिसमें कालीन भैया, गुड्डू पंडित और मुन्ना भैया जैसे आइकॉनिक किरदार दोबारा दिखाए गए थे। ऐसे में फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह बढ़ गया है। जितेंद्र बबलू पंडित के किरदार में हैं और वे हथियार पकड़े दिखाई दे रहे हैं। अभिषेक बनर्जी एक बार फिर इंटेंस कंपाउंडर के रूप में लौट रहे हैं, वहीं रवि किशन बबन बबुआ बनकर एक दमदार अवतार में दिखेंगे। इस फिल्म में पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु भी अहम किरदारों में हैं। फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है और इसे पुनीत कृष्णा ने लिखा है।

टीवी मसाला

'बिग बॉस 20': चारू ने क्यों ठुकराया सलमान का शो? कारण छू लेगा दिल

मुंबई। सलमान खान के शो 'बिग बॉस सीजन 20' को लेकर सोशल मीडिया पर हलचल शुरू हो चुकी है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें, तो इस साल शो सितंबर के आखिर तक टीवी पर वापसी कर सकता है। निर्माताओं ने जानी-मानी हस्तियों को शो में शामिल करने के लिए उनसे संपर्क करना भी शुरू कर दिया है। अभिनेत्री चारू असोपा को भी प्रस्ताव दिया गया था, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकारने की बजाए ठुकरा दिया। उन्होंने इसका कारण भी खुद बताया है। चारू ने अपने व्लॉग में लिखा, '2 दिन पहले मुझे 'बिग बॉस' से कॉल आया था, लेकिन मैंने अपनी जिंदगी में जो भी बदलाव किए हैं, वे सब जियाना के लिए हैं। मैं उससे दूर नहीं रहना चाहती। मेरा मकसद ऐसा काम करना है जिससे मैं उसके साथ समय बिता सकूं और एक मां के तौर पर अपनी जिम्मेदारियां निभा सकूं।' उन्होंने बताया कि वह ऐसी भूमिकाएं नहीं निभाना चाहेंगी, जिनके लिए उन्हें अपनी बेटी से दूर रहना पड़े।

बेटी के पास रहते हुए काम करना चाहती हैं अभिनेत्री : चारू ने आगे बताया कि अगर उन्हें काम के चलते अपनी बेटी से दूर रहने में दिक्कत नहीं होती, तो वह मुंबई नहीं छोड़तीं। उनकी जिंदगी जियाना के इर्द-गिर्द घूमती है। उन्होंने कहा कि वह अपनी बेटी की सभी आकांक्षाओं को पूरा करना चाहती हैं। बता दें, चारू की शादी सुष्मिता सेन के भाई राजीव सेन से हुई थी। हालांकि जून, 2023 में दोनों का तलाक हो गया था। अभिनेत्री अपनी बेटी की परवरिश अकेली मां बनकर कर रही हैं।

रियलिटी शो 'अलायंस' में सोहेल होंगे शामिल

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सोहेल खान प्राइम वीडियो के रियलिटी शो 'अलायंस' में वाइल्डकार्ड एंट्री लेने जा रहे हैं। वे इस शो के पहले

वाइल्डकार्ड प्रतियोगी के रूप में शामिल हुए हैं। कुणाल इस शो को होस्ट कर रहे हैं, जिसमें 16 सेलिब्रिटीज को जोड़ियों में बांटा जाता है। इन जोड़ियों को कई चीजों से होकर गुजरना पड़ता है। हालांकि, सोहेल पहले भी कई शोज को जज कर चुके हैं, लेकिन रियलिटी टीवी पर बतौर प्रतियोगी यह उनकी पहली एंट्री होगी। सोहेल की एंट्री अगले हफ्ते टेलीकास्ट होगी। इससे डैजी शाह-जैद दरबार और कुशाल टंडन-अर्स्लान गोनी जैसी पहले से मौजूद जोड़ियों के बीच एक नया ट्विस्ट आएगा। खास बात यह है कि सोहेल की पूर्व पत्नी सीमा सजदेह के भी शो में शामिल होने की अफवाहें हैं। ऐसे में लगातार फिल्माए जा रहे 'सेफ रूम' के उन लम्हों में क्या नया ड्रामा होगा, इसे देखने के लिए दर्शक बेहद उत्सुक हैं। बनजय एशिया द्वारा निर्मित यह शो 'अलायंस' अपनी शुरुआत से ही दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है।

'वेलकम 4' में फिर जमेगी नाना पाटेकर और अनिल कपूर की जोड़ी

मुंबई। 'वेलकम टू द जंगल' में नाना पाटेकर और अनिल कपूर नजर नहीं आए, जिससे फैंस को उनकी कमी खली, लेकिन अक्षय कुमार ने एक उम्मीद भरी बात कही है। उन्होंने इशारा दिया है कि अगर कभी 'वेलकम 4' बनी, तो आप उन सबको साथ देख पाएंगे। ये दोनों कलाकार पुरानी 'वेलकम' फिल्मों के चहेते रहे हैं, इसलिए उनके दोबारा एक साथ आने की खबर ने सबको उत्साहित कर दिया है। *निर्देशक अहमद ने कही ये बात :* निर्देशक अहमद खान ने बताया कि फिल्म की शूटिंग के दौरान वे नाना और अनिल दोनों के संपर्क में थे।

HMS घमंडी - दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
गैस आउट सिरप
गैस, अरुचि, कब्ज़, अफरा, अपचन में तुरंत असरकारक नैचुरल आयुर्वेदिक है
सुगर के मरीज भी ले सकते हैं...
HMS देखकर खरीदें
एक बार उपयोग कर देखें
94060-21769

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
सुविधाएं स्पेशलिस्ट : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड़, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

AB आई हॉस्पिटल
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
पता : - 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्पलेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टेली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221, 9301744425

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क इलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330 मो. 0771-4347172

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

तरकश

संजय के. दीक्षित

निलंबन और पनिशमेंट का महीना!

विधानसभा के मानसून सत्र और मंत्रिमंडल की सर्जरी की दृष्टि से जुलाई महीना छत्तीसगढ़ के लिए खासा महत्वपूर्ण रहेगा, तो कर्मचारियों, अधिकारियों के लिए काफी संवेदनशील भी। संवेदनशील मतलब खतरा भरा। दरअसल, जुलाई में सीएम हेल्पलाइन का रिव्यू किया जाना है। हेल्पलाइन का अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। लोग लगातार अपनी बातें फोन कॉल के जरिये रख रहे हैं। शिकायतों के संबंध में आवेदकों को प्रॉपर रिप्लाई कर उनसे पेपर भी मंगाए जा रहे हैं। थाने कंप्लेन को सिर्फ दर्ज कर छोड़ नहीं दिया जा रहा, बल्कि संपर्क कर साक्ष्य जुटाए जा रहे। सीएम सचिवालय खुद इसकी मॉनिटरिंग कर रहा। यह एक्सरसाइज इसलिए किया जा रहा कि सीएम हेल्पलाइन की वाजिब शिकायतों पर सरकार ने बड़ी कार्रवाई करने की मनःस्थिति बना ली है। खासकर, करप्शन और लापरवाही के मामलों में। जाहिर है, जुलाई महीना कर्मचारियों, अधिकारियों के लिए निलंबन और पनिशमेंट वाला रहेगा। सरकार चाहती है कि लोगों में सीएम हेल्पलाइन का भय हो। सही भी है...एमपी, बिहार, यूपी, राजस्थान और गुजरात जैसे राज्यों ने काफी पहले हेल्पलाइन बना लिया था और उन्हें इसका फायदा मिला।

मंत्रियों का दिल्ली प्रवास

विधानसभा के मानसून सत्र से पहले मंत्रिमंडल का फेरबदल मुमकिन प्रतीत नहीं हो रहा। वैसे भी पहले मोदी कैबिनेट में बदलाव होना है। उसके बाद ही राज्यों का नंबर आएगा। हालांकि, सर्जरी के लिए एक्सरसाइज प्रारंभ हो चुका है। मंत्री, विधायकों का दिल्ली जाना जारी है। डिप्टी सीएम विजय शर्मा और हेल्थ मिनिस्टर श्यामबिहारी जायसवाल इस हफ्ते दिल्ली गए तो उसके अगले दिन पूर्व मंत्री लता उसेंडी दिल्ली में थी। 29 जून को स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव दिल्ली जा रहे हैं। बताते हैं, संघ कार्यालय से उन्हें बुलावा है। जाहिर है, लता उसेंडी का नाम मंत्री बनने वालों की चर्चाओं में सबसे उपर है, तो यूपी चुनाव को देखते गजेंद्र यादव का भी कद बढ़ाया जा सकता है। गजेंद्र को एकाध और विभाग मिल सकता है। वैसे इसमें भी कोई आश्चर्य नहीं कि किसी डिप्टी सीएम का विकेट अगर गिरा तो फिर गजेंद्र का प्रमोशन भी हो जाए...आखिर राजनीति मुकद्दर का खेल तो है।

माननीयों के स्टाफ और नया ठीहा

वैसे विष्णुदेव कैबिनेट में पांच मंत्रियों के बदले जाने की चर्चाएं चल रही हैं। मगर बीजेपी का कोई भरोसा नहीं, संख्या इससे उपर भी जा सकती है। बहरहाल, जिन पांच मंत्रियों की विदाई की अटकलें तेज हैं, उनके घरों और आसपास के लोगों में माहौल भारी हो गया है। असल में, पांच मंत्रियों के खिलाफ परसेप्शन इतना गहरा है कि सोशल मीडिया में लोग खुलेआम ऐलान कर रहे हैं, फलां-फलां मंत्री...। और लोग उस पर ऐतबार भी कर ले रहे, क्योंकि रिपोर्ट कार्ड ही उनका ऐसा है...ढाई साल उन्होंने सिर्फ अपने लिए काम किया। खैर, इन मंत्रियों के पीए, स्टॉफ, कारोबारी और समर्थक अपने अगले ठीहे की संभावनाएं तलाशने में लग गए हैं।

जुगाड़ का डिप्टी कमिश्नर

जुगाड़ की माया देखिए...कुछ बरस पहले छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड में राजस्थान का एक व्यक्ति पर्यटन अधिकारी बना। इसमें अधिकारी जरूर जुड़ा है, मगर वास्तव में यह क्लास थ्री का पद होता है। खैर, कुछ दिनों बाद उन्होंने जोर-जुगाड़ लगाकर रायपुर से दिल्ली के सूचना केंद्र में पोस्टिंग करा ली। और, उसके बाद अब प्रतिनियुक्ति पर रेजिडेंट कमिश्नर ऑफिस में डिप्टी कमिश्नर बन बैठे। दरअसल, रेजिडेंट कमिश्नर श्रुति सिंह ने इस बात को आधार बनाकर नोटशीट भेजा कि फलां पर्यटन अधिकारी का वेतन डिप्टी कमिश्नर के समतुल्य हो गया है और जीएडी से उस पर मुहर लग गई। जबकि, रायपुर में उनके सारे बैचमेट 18 साल बाद भी पर्यटन अधिकारी से उपर नहीं पाए हैं। जाहिर है, बाबू के सीनियर हो जाने पर उसकी भी तनख्वाह असिस्टेंट कलेक्टर के बराबर हो जाती है तो क्या उसे असिस्टेंट कलेक्टर बना दिया जाएगा। बहरहाल, इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि दिल्ली का रेजिडेंट कमिश्नर ऑफिस बाकी राज्यों की तरह स्ट्रांग होना चाहिए, न कि बाबू कैडर के लोगों को वहां बिठा दिया जाए।

कमरा नंबर 109 का रहस्य

2016 में दिल्ली में जब छत्तीसगढ़ सदन बना, तब नियम बना था कि उसमें मुख्यमंत्री और मंत्रियों के अलावा और किसी को कमरा नहीं मिलेगा। विधायकों, सांसदों को भी नहीं। मगर छत्तीसगढ़ के एक मंत्री के कथित पीए ने करीब साल भर से सदन में कमरा नंबर 109 हथिया रखे हैं। अब आप पूछेंगे, कथित पीए क्यों? कथित इसलिए कि किसी मंत्री को दिल्ली में काम करने के लिए पीए नहीं मिलता। वास्तव में पीए होते तो वे मंत्री के साथ छत्तीसगढ़ में रहते। किसी और मंत्री का पीए तो दिल्ली में नहीं रहता। यहां तक कि किसी मुख्यमंत्री के पीए की भी पोस्टिंग दिल्ली में नहीं होती। फिर कमरा नंबर 109 का रहस्य क्या है? स्टेट के इंटेलिजेंस डिपार्टमेंट को इसे नोटिस में लेना चाहिए...पता यह भी लगाना चाहिए कि रेजिडेंट कमिश्नर ऑफिस के किस मुलाजिम का मोदी विरोधी नेता से सीधा कनेक्शन हैं।

पोस्टिंग के लिए 10 पेटी

राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के तबादले में चल रही तीन-पांच की चर्चाओं को देखते सरकार ने ट्रांसफर लिस्ट रोक दी थी। मगर इसके भीतर की जो बातें निकल कर कर आ रहीं, वो हैरान करने वाली हैं। किसी ने बताया कि एक राप्रसे अधिकारी ने सिर्फ जिले में जाने के लिए एक बड़े बिचौलिये को 10 पेटी दे डाला। हालांकि, इस पर सहसा यकीं नहीं होगा...आखिर वो 10 पेटी निकालेगा कैसे? जवाब मिला, वो डेढ़-दो महीने में निकाल लेगा। वो वैसा ही करेगा, जैसा आजकल जिलों में हो रहा। बहरहाल, कई लोगों का पैसा डूबता लग रहा है। जिन बिचौलियों ने पैसा लिया है, वे पिछले तीन महीने से दिलासा दे रहे हैं, बस लिस्ट निकलने ही वाली है। मगर सरकार टस-से-मस नहीं हो रही।

पोस्टिंग और किस्मत

बस्तर आईजी के लिए 2004 बैच के दो आईपीएस अफसरों के नामों की बड़ी चर्चा थी। मगर आखिरकार पोस्टिंग मिल बद्री नारायण मीणा को। बद्री वैसे शुरू से पोस्टिंग को लेकर काफी किस्मती रहे हैं। छत्तीसगढ़ में सबसे अधिक नौ जिलों के पुलिस अधीक्षक रहने का रिकार्ड उन्हीं के नाम है, तो एक साथ दो पुलिस रेंज के आईजी रहने वाले वे सूबे के पहले आईपीएस अधिकारी हैं। बद्री छत्तीसगढ़ के चुनिंदा आईएएस, आईपीएस अधिकारियों में शामिल हैं, जिन्हें सरकार बदलने पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। रमन सरकार में वे सात जिलों के एसपी रहे तो भूपेश सरकार में दो जिलों के एसपी और तीन रेंज के आईजी बनने का उन्हें मौका मिला। वे दुर्ग में एसपी रहे और वहीं प्रमोट होकर आईजी बन गए। फिर बिलासपुर के आईजी बने और वहां से फिर दुर्ग आए और दुर्ग के साथ-साथ रायपुर के भी आईजी। ऐसा पोर्टफोलियो पूर्व डीजीपी अशोक जुनेजा का भी नहीं रहा। जुनेजा पुलिस महकमे के सबसे किस्मती पुलिस अधिकारी माने जाते थे। सरकार किसी की भी रही, वे कभी लूप लाईन की पोस्टिंग नहीं की। रमन सरकार के दौरान इंटेलिजेंस चीफ होने के बाद भी वे भूपेश बघेल सरकार में डीजीपी बने और विष्णुदेव साय सरकार में तमाम विरोधों के बाद भी न केवल उन्होंने कंटिन्यू किया, बल्कि छह महीने का एक्सटेंशन भी मिल गया।

आईएफएस की छुट्टी

आईएएस ऋचा शर्मा के एसीएस फॉरेस्ट रहने के दौरान वन मंत्री केदार कश्यप ने आईएफएस अधिकारियों की छुट्टी समेत कुछ फाइलें अपने अधिकार में ले लिए थे। दरअसल, ऋचा के फॉरेस्ट में रहने के समय आईएफएस अधिकारियों को छुट्टी लेना आसान नहीं था। सख्त आईएएस अफसर माने जाने वाली ऋचा शर्मा काफी किंतु-परंतु, क्वेरी के बाद अवकाश स्वीकृत करती थी। लिहाजा, वन मंत्री ने अफसरों की छुट्टी का अधिकार अपने पास रख लिया था। अब ऋचा शर्मा फॉरेस्ट से हट गई हैं तो वन मंत्री ने नए एसीएस फॉरेस्ट मनोज पिंगुआ को आईएफएस अधिकारियों के छुट्टियों के अधिकार दे दिए हैं।

सीएस की SOM मीटिंग

विकास शील के चीफ सिकरेट्री बनने के बाद दो-से-तीन हफ्ते के बीच एक सीनियर ऑफिसर्स मीटिंग (**SOM**) होती है, जिसे अफसरों के बीच **SOM** मीटिंग कहा जाता है। इसमें सभी विभागों के सिकेट्री शामिल होते हैं। इस मीटिंग को लेकर सचिवों में काफी तनाव रहता है...सीएस न जाने क्या पूछ दें, कब टोक दें। छत्तीसगढ़ बनने के बाद इस तरह की मीटिंग पहली बार हो रही। इसमें लोक सेवा गारंटी से लेकर ई-ऑफिस जैसे तमाम प्वाइंट होते हैं, सीएस जिसका फॉलोअप लेते हैं। एक तरह से कहा जाए तो ये जस्ट रिमाइंडर जैसी बैठक होती है, जिसमें सीएस जो टास्क दिए रहते हैं, उसका रिव्यू करते हैं। सोम मीटिंग के फेर में सिकेट्री लोगों को थोड़ा अलर्ट रहना पड़ता। इससे मंत्रालय की वर्किंग स्मूथ हुई है। फिर चीफ सिकेट्री का भय तो है ही, वे बोलने और टोकने में गुरेज नहीं करते।

चतुर मंत्री और आईडिया

सुनिल कुमार जब चीफ सिकरेट्री थे, तब समन्वय से ट्रांसफर या अफसरों का डेपुटेशन कराना काफी कठिन था। मुख्यमंत्री डॉ0 रमन सिंह या उनके सचिवालय से कोई मैसेज आ जाए तो बात अलग है वरना, वे नोटशीट पर इतना तगड़ा नोट लिख देते थे कि फिर फाइल को डंप करने के अलावा कोई चारा नहीं बचता था। उस समय होशियार मंत्री या अफसर कई बार सीधे मुख्यमंत्री से नोटशीट पर लिखवा लेते थे। अब मुख्यमंत्री ने अगर ओके कर दिया तो फिर चीफ सिकेट्री को उसे अनुमोदन देना ही पड़ेगा। फिर सुनिल कुमार भी कुछ नहीं कर पाते थे। वर्तमान चीफ सिकेट्री विकास शील के दौर में भी अब चीजें उतनी आसान नहीं। विभिन्न विभागों से आए उंच-नीच वाले प्रस्तावों पर वे ब्रेक लगाने का प्रयास करते हैं। बताते हैं, स्कूल शिक्षा विभाग के जंबो ट्रांसफर के प्रपोजल पर भी उन्होंने ब्रेक लगाया।

मंत्री का अधिकार सर्वोच्च

वन मंत्री केदार कश्यप ने आईएफएस अधिकारियों के अवकाश का अधिकार अपने पास रख लिया था, इस प्रसंग से सवाल उठता है, क्या कोई मंत्री ऐसा कर सकता है। बता दें, संविधान में मुख्यमंत्री को सरकार माना गया है...मंत्रियों के सारे अधिकार मुख्यमंत्री में निहित होते हैं। मुख्यमंत्री सरकार के कामकाज में सुविधा के लिए मंत्री बनाते हैं मगर वे चाहे तो किसी भी मंत्री के आदेश को पलट सकते हैं। उसी तरह सचिवों के सारे अधिकार मंत्री में समाहित होते हैं। मंत्री चाहे तो कोई भी फाइल मंगा सकता है, सचिव के नोट को बदल सकता है। ये अलग बात है कि यदि कोई गलत चीज होगी तो उसके लिए मंत्री ही जिम्मेदार होंगे। मगर सत्ता मंत्रियों की ही सर्वोच्च होती है। अब वो अलग बात है कि कई बार घुड़सवार कमजोर होता है, तो घोड़ा लगता है नचाने, वही स्थिति मंत्री और अफसर की होती है।

कलेक्टर, एसपी पर कसावट?

मुख्य सचिव विकास शील ने मंत्रालय और डायरेक्ट्रेट के अफसरों को काफी कस दिया है। मंत्रालय में 90 परसेंट अफसर अब 10 बजे पहुंच जाते हैं, तो मीटिंग, रिव्यू से सिस्टम टाईट हुआ है। मगर जिलों का हाल अभी भी डिरेल्ड है। न कलेक्टर टाईम को फॉलो कर रहे और न एसपी। अधिकांश जिलों में अराजकता जैसी स्थिति है। खासकर, उन जिलों की स्थिति काफी खराब है, जहां नए प्रमोटी कलेक्टर गए हैं। इनमें से कई ने तो जाते ही गर्दा उड़ा दिया है। दरअसल, नए प्रमोटी कलेक्टरों को कहीं से भनक मिल गई कि उन्हें खानापूर्ति के लिए कलेक्टर बनाया गया है, इसके बाद कभी भी उन्हें विदा कर दिया जाएगा। इसके बाद कामधाम छोड़ वे रोज सुबह कैलकुलेटर लेकर बैठ जा रहे। खैर, कलेक्टर, एसपी अगर टाईट होते तो कोरिया में ट्रिपल मर्डर थोड़े हो जाता। सोनहत का जघन्य हत्याकांड पुलिस और प्रशासन की घोर लापरवाही का नमूना है। रेत जैसी चीजों के लिए अगर तीन-तीन हत्याएं हो जाए तो सबसे पहले कलेक्टर, एसपी को लटकाना चाहिए। मुख्य सचिव को भी जिलों की अराजकता को लेकर स्ट्रांग होना पड़ेगा। जो अफसर इधर-उधर कर रहा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की वे सिफारिश तो कर ही सकते हैं।

विधायकों की मजबूरी-1

छत्तीसगढ़ में रुलिंग पार्टी के विधायक हो या फिर आपोजिशन के, सभी एक सूत्रीय अभियान में जुटे हुए हैं, तो उनकी भी अपनी मजबूरी है। दरअसल, चुनाव इतने कॉस्टली होते जा रहे कि ग्रामीण सीटों पर भी अब 10 से 15 खोखा निकल जा रहा। शहरों तो 25 से उपर मानिये। ऐसे में, वो सब होंगे, जो कभी कल्पना से बाहर थे। जाहिर है, अब रेत और मुरूम ठेके तक पर एकाधिकार की कोशिशें हो रही। जांजगीर जिले की एक महिला विधायक का रेत माफिया से अपना हिस्सा मांगते वीडियो वायरल हुआ ही था तो कोरिया में दो बीजेपी विधायकों के रेत पर वर्चस्व में कितना बड़ा कांड हो गया, इसे सबने देखा। जघन्य वारदात हो गई। और जब विधायकजी लोग ही रेत से तेल निकालने लगेंगे तो सिस्टम क्या कर लेगा। कलेक्टर लोग कुर्सी बचाने मौन रहना ही श्रेष्ठ समझ रहे। क्योंकि, एक तो वो दमदार वाले कलेक्टर अब बचे नहीं, दूसरा जरा सा भी टोक दिए तो फिर अगले दिन से कलेक्टर की शिकायतें शुरू। यही वो वजह है कि अच्छे खासे मार्जिन से जीतकर आए विधायकों के खिलाफ एंटी इंकाम्बेंसी तेज होता जा रहा।

विधायकों की मजबूरी-2

विधायकजी लोग मजबूरी में दोनों हाथ से किस तरह काम कर रहे, इसका नमूना है जिला शिक्षा अधिकारियों की पोस्टिंग। सरकार ने 16 जिलों के डीईओ बदले, उनमें से छह जिलों का मामला हाई कोर्ट पहुंच गया है। कोर्ट ने इस पर नाराजगी भी व्यक्त किया है। दरअसल, छहों विधायकों ने जिद करके अपने जिले में नियम विरुद्ध व्याख्याताओं को डीईओ बनवा लिया। हालांकि, गजेंद्र यादव मजबूत बैकग्राउंड के हैं, इसलिए उन्हें नहीं झुकना था मगर मंत्रिमंडल में सर्जरी और प्रमोशन का समय है, वे भी विधायकों के प्रेशर में आ गए। बीजेपी संगठन को इसे देखना चाहिए। क्योंकि, इससे सरकार की छबि प्रभावित हो रही।

अध्यक्ष पर मंथन

इस समय सत्ताधारी पार्टी और मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस दोनों के प्रदेश अध्यक्ष बस्तर से हैं। और यह कड़वी सच्चाई यह है कि दोनों की प्रदेश में वैसी पकड़ नहीं बन पाई है, जैसी कि पार्टी के मुखिया की होनी चाहिए। बीजेपी अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने तो अध्यक्ष की जगह मंत्री बनने की इच्छा जताई थी, हालांकि पार्टी ने उन्हें अध्यक्ष पद पर कंटिन्यू कर दिया। उधर, पीसीसी चीफ दीपक बैज भी ढाई साल में अपनी कोई पहचान नहीं छोड़ पाए हैं। वास्तविकता यह है कि आज भी पूर्व सीएम भूपेश बघेल ही पूरे प्रदेश में एकतरफा माहौल बनाए हुए हैं। हफ्ते भर के भीतर वे दो बार सरगुजा पहुंच गए। उनके बाद विधायक देवेंद्र यादव की सक्रियता है। बहरहाल, बीजेपी और कांग्रेस के सियान नेताओं को इस पर मंथन करना चाहिए बस्तर से जुड़े पार्टी नेताओं की पूरे प्रदेश में स्वीकार्यता क्यों नहीं बन पाती? और क्या अध्यक्ष रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग जैसे प्रदेश के बीच के हिस्से से बनाना चाहिए?

एसपी की लिस्ट

मुख्यमंत्री के व्यस्त होने की वजह से एसपी की लिस्ट नहीं निकल पाई। मगर अब आजकल में कभी भी आदेश जारी हो सकता है। इसमें करीब 10-12 जिलों के एसपी बदले जाएंगे तो रायपुर पुलिस कमिश्नरेट के चारों चारों डीसीपी एसपी बनकर जिलों में जा सकते हैं। दरअसल, चारों 2020 बैच के आईपीएस हैं। इस बैच के एक आईपीएस नारायणपुर में काफी पहले एसपी बन चुका है। सो, इन चारों में इस बात को लेकर क्षोभ रहता है। खैर, इन चारों का नंबर इस बार लग सकता है। एसपी की लिस्ट को लेकर खुफिया चीफ अमित कुमार और सिकेट्री टू सीएम राहुल भगत की प्रिंसिपल सिकेट्री टू सीएम सुबोध सिंह के साथ मंत्रणा हो चुकी है। इसलिए, लगता है अब ज्यादा वक्त नहीं लगेगा। एसपी के साथ डीएसपी की लिस्ट भी निकलने वाली है।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. किस मंत्री ने सूटकेस की शक्ति के जरिये मान लिया था कि उसका कोई विकल्प नहीं है मगर अब कुर्सी डगमगा रही है?
2. सरकार को सिस्टम में शुचिता लाने मंत्रियों के साथ विधायकों के उपर भी अंकुश लगाने की जरूरत नहीं है?

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

शिक्षक

आवश्यकता है- महारानी लक्ष्मीबाई विद्यापीठ उच्चत्तर. माध्यमिक विद्यालय, तीन दर्शन मंदिर, केम्प-1 भिलाई को एकाउन्ट एवं प्रायमरी शिक्षक की आवश्यकता है। **विद्यालय में सम्पर्क करें।** (आरो न -303)

आवश्यकता है- नया सबेरा विद्यालय गोकुल नगर/राम नगर में कामर्स, बायो समूह एक 6 से 10 वीं तक सभी विषयों पढ़ाने हेतु शिक्षक/शिक्षिकाए की आवश्यकता है। **संपर्क करें:- 9993453324.** (RO-870)

आवश्यकता

आवश्यकता है- रायपुर में सड्डू बंजरपारा में स्थित दाल मिल में कार्य हेतु 2 कर्मचारी अनाजलाईन दाल मिल अनुभवी प्राथमिकता वेतन 15000/- से आरंभ, एक दालमिल मिस्त्री जिसको सारटेक्स/कम्प्रेशर मशीन चलाने का अनुभवी वेतन योग्यतानुसार, 1 मिल इंचार्ज जो Account/ मिल का भी काम कर सके वेतन 18000से 20000 **संपर्क 9826141178.** (RO-872)

हाउसकीपिंग/सुपरवाइजर

आवश्यकता है- हाउसकीपिंग- पुरुष उम्मीदवार (इन-हाउस रहने के लिए), ड्राइवर- केवल रायपुर लोकल के लिए, ऑफिस बॉय- केवल रायपुर लोकल के लिए, हाउस सुपरवाइजर, **संपर्क करे- 6232022676.** (आरो-460)

पैकिंग/लोडिंग कार्य

आवश्यकता है- चायपत्ती में पैकिंग कार्य के लिए लेडिस व लोडिंग अनलोडिंग के लिए पुरुष की आवश्यकता है **संपर्क जैन ट्रेडर्स नियर SBI ATM आकृति विहार अमलीडीह रायपुर मोबाइल :- 74699-80000, 0771-4075490.** (RO-873)

पंप कर्मी

आवश्यकता है- पेट्रोल पंप में कार्य करने हेतु युवक/युवतियों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। इच्छुक व्यक्ति बायोडाटा सहित सम्पर्क करे, **डागा पेट्रोल पंप, फाफाडीह चौक, स्टेशन रोड, रायपुर, 8109135400, 9179380728.** (RO-756)

इलेक्ट्रीशिशन/वेल्डर

आवश्यकता है- स्पंज आयरन प्लांटों को हीटिंग साईकल हेतु छत्तीसगढ़ लेवल पर सर्विसेज देने हेतु *Jainaveer limited* को 5+ साल अनुभवी फिटर, इलेक्ट्रिशियन, वेल्डर, डिग्रीधारी आदि की *आवश्यकता है* **सम्पर्क 9090207009, 7828827710.** (RO-A)

शोरूम कार्य

आवश्यकता है- टाइल्स एवं सेनेटरी के शोरूम में कार्य करने हेतु युवकों की आवश्यकता है **संपर्क -मनन इंटरप्राइजेज, विधानसभा रोड, मोवा, थाने के सामने, रायपुर। मोबाइल - 9827109679.** (RO-166)

मशीन ऑपरेटर

आवश्यकता है- जे.सी.बी. 3DX टायर मशीन चलाने हेतु 2 ऑपरेटर की आवश्यकता हैं वेतन - योग्यतानुसार लायसेंस हैवी बैच अनुभवी को प्राथमिकता (रहने+गैस की सुविधा उपलब्ध) **जय हनुमान ट्रेडर्स ऊपरवारा नया रायपुर मो. 9098515239, 9399440771.** (RO-A)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- बच्चा सँभालने हेतु एवं घर कार्य हेतु 24 घंटे की बाई (लड़की) चाहिये। रहना एवं ख़ाना दिया जाएगा। **स्थान तेलीबांधा, रायपुर संपर्क करें मोबाइल नंबर 9575042814.** (RO-40)

वर्क/फील्ड स्टाफ

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु स्टाफ की आवश्यकता है मैनुअल क्लेरिकल वर्क स्टॉफ (फीमेल), फील्ड स्टॉफ, आफिस बॉय (जिसके पास दो पहिया वाहन हो) अकाउंटेंट Tally ERP9 (मेल/फीमेल) **संपर्क- जय अम्बे एग्रो इंडस्ट्रीज, अवंति विहार, 400 मीटर आगे एटीएम चौक से एस्थेटिक इनस्टिट्यूट ऑफ़ डिज़ाइन कॉलेज के पास रायपुर। फोन- 86025 98092 , 93039 80093.** (RO-724)

घरेलु नौकर

आवश्यकता है- रायपुर (सिविल लाइन्स) स्थित एक प्रतिष्ठित परिवार के लिए 12 घंटे एवं 24 घंटे कार्य हेतु अनुभवी, ईमानदार और जिम्मेदार घरेलू नौकर की तत्काल आवश्यकता है। अनुभवः कम से कम 5 वर्ष शिक्षा न्यूनतम 10वीं पास वेतन 20,000- 25,000 प्रतिमाह (अनुभवनुसार) सुविधाएं रहने की व्यवस्था है **स्थानः सिविल लाइन्स, रायपुर संपर्क:- 9109972720, 9109125252.** (RO-038)

हेल्पर/वेल्डर/फिटर

आवश्यकता है- तुरंत सिलतरा रायपुर स्टील प्लांट परमानेंट हेल्पर 70, वेल्डर 10, फिटर 10, रिगर 10, ड्यूटी 8 घंटे, पी एफ, एसआईसी, बोनस, साप्ताहिक छुट्टी, वेतन -14000/-, ठेकेदार। **मो .- 7869284963, 9329280863, 07883556724.** (आरो न - 302)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- किराना दुकान में काम करने हेतु मेहनती लड़को की आवश्यकता हैं। पढ़ाई में बाधा नहीं। आकर्षक वेतन। **सम्पर्क करें- भगत किराना, गोल बाजार, रायपुर, मो. 7828644611.** (RO-094)

छोटा विज्ञापन

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- रायपुर स्थित प्रतिष्ठित कार्यालय के लिए 12 घंटे की ड्यूटी हेतु अनुभवी, अनुशासित एवं जिम्मेदार सिक्योरिटी गार्ड की आवश्यकता है। अनुभवः न्यूनतम 5 वर्ष शैक्षणिक योग्यता 10वीं, 12वीं पास वेतन योग्यता एवं अनुभवनुसार आकर्षक वेतन **कार्य स्थल सिविल लाइन्स, रायपुर संपर्क:- 9109972720, 9109125252.** (RO-037)

लॉन्ड्री कार्य

आवश्यकता है- लॉन्ड्री शॉप के लिए कपड़े लेने और पहुंचाने (पिक एण्ड ड्रॉप) के लिए लड़को की आवश्यकता है। समय सुबह 9:30 से रात 09 बजे तक **युक्लीन लॉन्ड्री पचपेड़ी नाका रायपुर संपर्क:- 7999519526.** (RO-871)

घरेलु महिला सहायक

आवश्यकता है- घरेलू महिला सहायक चाहिए (18–40 वर्ष)। 24 घंटे रहना होगा, रहना-खाना मुफ्त। खाना बनाना नहीं - घर के बाकी सभी काम। अनुभवी हों। महीने में 2 छुट्टी। **स्थानः न्यू चंगोराभाठा, रायपुर। संपर्क: 8305037010.** (RO-901)

अकाउन्टेंट/ऑपरेटर

आवश्यकता है- हार्डवेयर दुकान और गोदाम में काम के लिए लड़के चाहिए। अकाउंट, कंप्यूटर और सेल्स वाले भी संपर्क करें। सैलरी 14,000 से शुरू। **जगह - नहरपारा & बॉम्बे मार्केट, राज टॉकीज के सामने। कॉल करें - 9302702087.** (RO-4146)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

कुक/स्टाफ

आवश्यकता है- कुक/स्टाफ वीआईपी चौक, तेलीबांधा में, घर में शाकाहारी भोजन बनाने व साफ़-सफाई हेतु कुक/स्टाफ (महिला/पुरुष) की आवश्यकता है। बीड़ी-सिगरेट/शराब-गुटखा आदि निषेध। **संपर्क: 9300593000.** (RO-103)

टेक्नीशियन

आवश्यकता है- इंडस्ट्रीयल एवं कमर्शियल वाटर सॉफनर एवं RO PLANT की फिटिंग/इंस्टालेशन एवं मेंटेनेंस हेतु अनुभवी टेक्नेशियन एवं कार्य सिखने हेतु ट्रेनी युवकों की आवश्यकता है। **संपर्क करें:-बेलकेम इंडस्ट्रीज 16/5 दीक्षित कॉलोनी नेहरू नगर भिलाई - 94062-41383, 89658-39883.** (आरो न - 304)

ड्रायवर

आवश्यकता है- कार ड्राइवर जो रायपुर के आस-पास के निवासी हो जिसे ऑटोमेटिक/ मैनुअल चलाने आती हो तथा घरेलू कार्य एवं बाहर दौरा के लिए। **संपर्क खत्री जल विहार कॉलोनी होरिजन हॉस्पिटल चौक केनाल रोड रायपुर 9926133233.** (RO-270)

ऑफिस कार्य

शीघ्र आवश्यकता - जो बाहर रहकर कार्य कर सके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के चाहिए।. आयु 18से 30 बर्ष वेतन 12000+ कमीशन+ बोनस के साथ 20000 रहना फ्री+ गाड़ी किराया+ कोई शुल्क नहीं लगेगा **संपर्क करें-, 8085533493.** (Ro-367)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 10वी 12वीं पास छात्रों के लिए जो कानपुर में रह कर काम कर सके वेतन 12000 + कमीशन +बोनस +प्रमोशन + रेल ट्रेनिंग के बाद कमाए 15 से 20 हजार महीना **8770508791, 8982834337.** (RO-529)

अन्य

आवश्यकता है- जिलास्तरीय कंपनी में भर्ती परमानेंट बेसेस पर पद- फॉरिस्टगार्ड, क्लर्क, वनपाल, चपरासी , हेतु (10वी+12वी) पास लड़के लड़कियां, उम्र सीमा (18 से 42) सैलरी- 26500/- से 45500/- आवेदन हेतु - मार्कसीट, आधारकार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो , व्हाट्सएप / **कॉल करे - 8400406891.** (RO-102)

Services सर्विसेस

आवश्यकता है- मैनेजमेंट कार्य बिजनेस पार्टनर बने घर बैठे एवं जमीन खरीदी बिक्री हेतु कमाए लाखों में बेरोजगार भी हर रविवार मिले 11 से 5:00 बजे तक **स्टेशन रोड डेरहा विश्राम गृह 7447035991.** (RO-A)

हॉस्टल/भवन

हॉस्टल / भवन चाहिए - रूंगटा आर 1 इंजीनियरिंग कॉलेज कोहका भिलाई को बॉयज के लिए 30 सीटर हॉस्टल/भवन की आवश्यकता है। **संपर्क करें। 9229155526, 9229355523.** (आरो न - 306)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार)
17.09.82 / 5'-11"
एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्रायवेट क्लीनिक, मासिक आय 1.50 लाख हेतु हायर सेकेण्डरी ग्रेजुएट शिक्षित अविवाहित वधु चाहिए। सभी हिन्दु उच्च जाति मान्य। ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करें
9131453175

वधु चाहिए
59 वर्षीय अविवाहित ब्राह्मण पुरुष, बिलासपुर निवासी हेतु 50 से 62 वर्षीय कामकाजी या सेवानिवृत वधू चाहिए (जाति बंधन नहीं, बिना बच्चों वाली तलाकशुदा/ विधवा भी स्वीकार्य)
सम्पर्क करें
7898655147

वर चाहिए

वर चाहिए- 55 वर्ष/ 5'4" / ब्राह्मण डॉक्टर MBBS रिटायरमेंट इनकम 90.000/ तलाकशुदा, widow घरजमाई, मान्य है टाइम पास वाले कॉल न करे मो. 97523 61635. 9993872566 (41294)

Property प्रापर्टी

बेचना है - केंद्री रेल्वे स्टेशन के पास, 37x76 स्क्वेयर फीट का कमर्शियल प्लॉट बिक्री हेतु उपलब्ध। हॉस्पिटल, होटल या किसी भी कमर्शियल सेटअप के लिए परफेक्ट जगह। जल्दी करें– सीमित ऑफर! **संपर्क करें:- 9990440140, 9991118972.** (RO-039)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

CLASSIFIED RATE CARD हरिभूमि

HEALTH CARE			
Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500 /- 1 Sunday	800 /- 1 Sunday
900 /- 2 Sunday	1200 /- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवे व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

जैकेट के शेष

रूठे मेघ, सहमे ....

दुर्गः किसानों ने किया दलहन तिलहन फसल की ओर रुख -अलनीनो के संभावित खतरे को देखते हुए दुर्ग जिले के किसानों के लिए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय व दुर्ग जिला कृषि विभाग ने विशेष एडवाईजरी जारी की है। यहां के किसान धान खेती की निर्भरता के बजाय अरहर, मूंग एवं उड़द तथा तिलहनी फसल जैसे तिल और सोयाबीन फसलों की ओर रुख करने लगे हैं। दुर्ग जिले में 1.32 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल पर धान की फसल ली जाती है। 1 लाख 86 हजार किसान हैं। इनमें से 25 प्रतिशत किसान यानी 46 हजार किसान दलहनी व अन्य फसलों की बुवाई कर रहे हैं। इसके लिए जिला बीज भंडार से बीज की खरीदी कर चुके हैं। कृषि विशेषज्ञ के हिसाब से धान लगाने के बजाय कम पानी में होने वाली दलहनी फसल कम पानी में तैयार होता है। रोपा विधि के बदले सीधी बुवाई अपनाएं इससे 20 प्रतिशत पानी की बचत होगी एवं साथ ही लगभग 5000 रुपए प्रति एकड़ लागत में भी कमी आएगी। फसल 12 से 15 दिन पहले पकेगी।

सरगुजाःमानसून ने बढ़ाई किसानों की चिंता, सूख रहे बीजों के अंकुर : मानसून की बेरुखी ने किसानों को चिंता में डाल दिया है। प्री-मानसून की बारिश के बाद खरीफ फसलों के लिए किसानों ने अपने खेतों को तैयार कर लिया है लेकिन बारिश के अभाव में न तो बुनाई कर पा रहे हैं न ही अभी तक धान का बीड़ा ही लगा पाए हैं। अवर्षा की स्थिति को देखते हुए विकासखण्ड मैनपाट, सीतापुर, बतौली एवं लुण्ड्रा में बड़ी संख्या में किसानों ने बीड़ा तैयार न कर सीधे अपने खेतों में धान के बीजों की सूखी बुनाई कर दी है लेकिन चिलचिलाती धूप निकलने एवं खेतों की नमी सूख जाने के कारण धान के अंकुर झुलस जा रहे हैं। किसानों ने मक्का सहित अन्य फसलों की बुनाई कर दी है, कुछ ने धान का थरहा भी लगाया है लेकिन खेतों में दरार पड़ने के कारण फसल तेजी से झुलस रही है। मौसम विज्ञानी 2-3 दिन बाद अनुकूल परिस्थितियां निर्मित होने एवं मानसून के अग्रसर होने के साथ ही बारिश होने की संभावना जता रहे हैं।

दलहन-तिलहन की .....

25 प्रतिशत वृद्धि हुई है। हालांकि फिलहाल गन्ने की फसल को अधिक पानी की आवश्यकता नहीं है, लेकिन आगे भी वर्षा नहीं होने पर सिंचाई के लिए भूजल स्रोतों पर निर्भरता बढ़ेगी। बारिश में देरी के कारण मूंग, उड़द, मक्का और ज्वार जैसी खरीफ फसलों की बुवाई भी प्रभावित हो रही है। विशेषज्ञों के अनुसार उत्पादन में कमी आने की पूरी आशंका है। किसानों को रासायनिक उर्वरकों की बजाय अधिक से अधिक गोबर खाद के उपयोग की सलाह दी जा रही है, ताकि मिट्टी की नमी और उर्वरता बनी रहे।

दलहन-तिलहन की ओर बढ़ रहे किसान : धान की बोवनी में विलंब होने से कई किसान अब दलहन एवं तिलहन फसलों की ओर रुख कर रहे हैं। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार दलहन एवं तिलहन की बुवाई अगस्त तक तथा भारी भूमि में जुलाई के अंत तक की जा सकती है, जिससे नुकसान की कुछ हद तक भरपाई संभव है।

कांकेर : कम बारिश .....

कारण खेत अभी भी पानी का इंतजार कर रहे हैं। कृषि विभाग के अनुसार यदि जल्द अच्छी बारिश नहीं हुई तो बुआई और रोपाई दोनों प्रभावित होगा, जिसका सीधा असर इस वर्ष धान उत्पादन पर पड़ सकता है। बारिश की कमी और देरी को देखते हुए कृषि विभाग किसानों को कम अवधि वाली धान की किस्मों के साथ-साथ दलहन, तिलहन और मक्का जैसी वैकल्पिक फसलों की ओर रुख करने की सलाह दे रहा है। दावा है कि विभाग के पास पर्याप्त मात्रा में बीज उपलब्ध हैं। हालात को देखते हुए एमटीयू-1010, आईआर-64 और एमटीयू-1156 जैसी जल्दी पकने वाली किस्मों की मांग तेजी से बढ़ रही है। इन किस्मों से कम समय में फसल तैयार होने की संभावना रहती है, जिससे देर से होने वाली बारिश की स्थिति में भी किसानों को कुछ राहत मिल सकती है। किसानों का मानना है कि असिंचित क्षेत्रों में रोपा अथवा लेही (लाई) पद्धति की तुलना में सीधे बुआई अधिक उपयुक्त साबित हो रही है, वहीं ऊंची भूमि (अपलैंड) में किसानों को धान के स्थान पर दलहन, तिलहन, मक्का तथा लघु धान्य फसलें लेने की रणनीति पर किसान काम कर रहे हैं। ये फसलें अपेक्षाकृत कम समय में तैयार हो जाती हैं और कम पानी में भी बेहतर उत्पादन देती हैं।

कृषि विभाग कांकेर के सहायक संचालक जितेंद्र कोमरा के अनुसार यदि आगामी दिनों में अच्छी वर्षा नहीं हुई तो बुआई और रोपाई दोनों पर व्यापक असर पड़ेगा, जिससे जिले का कुल धान उत्पादन घट सकता है। हालांकि अभी उत्पादन में संभावित कमी का सटीक अनुमान लगाना जल्दबाजी होगी। विभाग लगातार मौसम की स्थिति पर नजर बनाए हुए है और किसानों को समय-समय पर आवश्यक तकनीकी सलाह उपलब्ध करा रहा है।

धमतरीः बोनी ....

समय 1 से 20 जून तक है। वे खेतों में धान की बोनी तो कर चुके हैं, लेकिन बारिश नहीं होने से बीज के खराब होने की आशंका बनी हुई है। जितनी बारिश हो रही है, उतने में बीज अंकुरित नहीं होंगे, बल्कि नमी से बीज की अंकुरण क्षमता प्रभावित होगी। बारिश में विलंब होने से फसल उत्पादन भी प्रभावित होगा।

नहीं पल रहा पानी : रबी सीजन में अधिकांश किसानों ने चने की खेती की थी। ऐसे में खेत एकदम सूख चुके हैं। बड़ी-बड़ी दरारें आ चुकी हैं। जो किसान रोपा पद्धति से बोनी की तैयारी में हैं, उन्होंने नर्सरी तैयार कर ली है। अब रोपाई के लिए खेत तैयार करने में जुट गए हैं। विडंबना यह है कि दिन रात मोटर पंप चलाने के बाद भी खेतों में पानी नहीं पल रहा है। किसान गिरधर साहू, बिसंभर साहू ने बताया कि जब तक बारिश नहीं होगी, खेतों में पानी ठहर पाना मुश्किल है।

किसानों को बारिश .....

पिछले वर्ष इसी समय तक जिले के अधिकांश किसान धान की बुआई का कार्य पूरा कर चुके थे या अंतिम चरण में थे, लेकिन इस बार बारिश नहीं होने से खेतों में बुआई शुरू ही नहीं हो सकी है। शुरुआती हल्की बारिश के बाद किसानों ने खेतों की जुताई तो कर ली, लेकिन लगातार वर्षा नहीं होने से सारी तैयारियां अधूरी रह गई हैं। गांवों के किसानों का कहना है कि मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है।

जुलाई में बारिश नहीं हुई तो 25 फीसदी उत्पादन कम : कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि यदि जुलाई के पहले पखवाड़े तक पर्याप्त वर्षा नहीं हुई तो धान के उत्पादन में 10 से 25 प्रतिशत तक कमी आ सकती है। हालांकि समय पर अच्छी बारिश होने पर नुकसान की आशंका कम हो सकती है। बारिश में देरी को देखते हुए किसान अब कम अवधि में पकने वाली धान की किस्मों के बीज खरीदने लगे हैं। कृषि विभाग भी किसानों को 90 से 110 दिन में तैयार होने वाली किस्मों के चयन की सलाह दे रहा है, ताकि देर से बुआई होने पर भी फसल समय पर तैयार हो सके। साथ ही किसानों को मौसम के अनुसार चरणबद्ध बुआई, खेतों में नमी संरक्षण और वैकल्पिक फसलों को अपनाने की सलाह भी दी गई है। किसानों का कहना है कि बीज, खाद और खेत तैयार करने पर खर्च हो चुका है, लेकिन बारिश नहीं होने से खेती आगे नहीं बढ़ पा रही है। खेतों में नमी नहीं होने के कारण बुआई करना जोखिम भरा है। यदि आने वाले दिनों में अच्छी बारिश नहीं हुई तो खरीफ सीजन पर बड़ा असर पड़ सकता है। किसानों की उम्मीद अब जुलाई की अच्छी बारिश पर टिकी हुई है।

राजनांदगांवः जिले में 10% भी ....

भाग के समुद्री जल का तापमान सामान्य से अधिक हो जाता है। इसके प्रभाव से भारत में मानसून कमजोर पड़ सकता है और सूखे जैसी परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। ऐसे हालात में वैज्ञानिक किसानों का विशेष कृषि परामर्श दे रहे हैं, जिसमें कम एवं मध्यम अवधि में पकने वाली फसलों एवं किस्मों का चयन करने सलाह दी जा रही है। वहीं धान की रोपा पद्धति के स्थान पर सीधी बुवाई को प्राथमिकता देने कहा जा रहा है।

अब तक केवल ....

बोनी हो जाती है। कृषि विभाग का कहना है कि मानसून की सुस्ती के कारण खेती का काम प्रभावित हुआ है।

ट्यूबवेल वाले तैयार कर रहे नर्सरी : कृषि उप संचालक पीडी हथेश्वर के अनुसार जिनके पास ट्यूबवेल की सुविधा है, वे नर्सरी तैयार कर चुके हैं, लेकिन ज्यादातर किसान बारिश का इंतजार कर रहे हैं। श्री हथेश्वर के अनुसार अभी देर नहीं हुई है, लेकिन हालत ऐसे ही रहने पर किसानों को धान के अलावा अन्य फसलों की ओर जाना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि बारिश के देर के आने से फसल की अवधि पिछड़ सकती है, ऐसे में अर्ली वैरायटी का धान लगाना उचित होगा।

कोरबा :मानसून की बेरुखी,जिले में 22 सौ हेक्टेयर घटा बोनी का रकबा : मानसून की बेरुखी का असर अब खेती में दिखने लगा है। जून का महीना बीतने को है, बारिश न होने की स्थिति को देखते हुए आंशिक सूखे की संभावना जताई जा रही है। विभाग ने बीते वर्ष की तुलना में इस वर्ष बोनी का रकबा 22 सौ हेक्टेयर कम कर दिया है। इससे फसल की पैदावार भी कम होगी। आने वाले दिनों में भी अगर अच्छी बारिश नहीं हुई तो बोनी रकबा और भी कम हो सकता है। अल्प वर्षा को देखते हुए कृषि विभाग द्वारा किसानों को धान की जगह अन्य फसल लेने की सलाह दी जा रही है। विभाग को मैदानी अमले से मिल रही रिपोर्ट के अनुसार कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां अभी भी बोनी की शुरुआत नहीं हुई है। हाल ही के दिनों में कुछ स्थानों में हल्की बारिश होने के कारण बोनी की गई है किन्तु वह भी खेती की स्थिति के लायक नहीं है।विभागीय अधिकारियों ने मैदानी क्षेत्र के निरीक्षण के दौरान यह पाया है कि अगर आने वाले दिनों में भी यही स्थिति रही तो धान की फसल का उत्पादन कम बीते वर्ष की तुलना में कम हुई बोनी अल्प वर्षा के कारण आंशिक सूखे की स्थिति निर्मित होने लगी है। किसानों को धान की जगह अन्य फसल लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। जून महीने तक बीते वर्ष बोनी रकबा 10 हजार हेक्टेयर पहुंच चुका था। इस वर्ष बोनी रकबा 7 हजार 200 के लगभग हुआ है। यही स्थिति रही तो धान का उत्पादन प्रभावित होगा। -डीपीएस कंवर, उप संचालक कृषि

जांजगीर : मानसून की राह तक रहे किसान: जून का महीना समाप्ति की ओर है, लेकिन अब तक जिले में मानसून की जोरदार बारिश नहीं होने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। खेतों की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है, पर धान की बुआई शुरू करने के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिल पाया है। ऐसे में किसान आसमान की ओर टकटकी लगाए मानसून की पहली अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार 5 जुलाई से नहर की धार छूटेगी, इसके बाद कृषि कार्यों में तेजी आएगी। इधर, हल्की-फुल्की बारिश के बीच किसान किसी तरह अकरस जुताई का काम पूरा कर रहे हैं, ताकि बारिश होते ही बुआई शुरू की जा सके। किसानों का कहना है कि यदि अगले कुछ दिनों में अच्छी बारिश नहीं हुई तो 5 जुलाई से हसदेव बांगो नहर से पानी छोड़े जाने के बाद सिंचाई के सहारे धान की बुआई का काम शुरू किया जाएगा।ग्रामीण क्षेत्रों में खेतों में ट्रैक्टर और कृषि यंत्र तो नजर आ रहे हैं, लेकिन पानी की कमी के कारण अधिकांश खेत अभी भी बुआई और रोपाई का इंतजार कर रहे हैं। कृषि कार्य पूरी तरह मौसम पर निर्भर होने से किसानों की निगाहें हर दिन आसमान पर टिकी हुई हैं। किसानों का कहना है कि समय पर मानसूनी बारिश होने से धान की फसल बेहतर होती है और सिंचाई पर अतिरिक्त खर्च भी नहीं आता। यदि बारिश में और देरी हुई तो खेती की लागत बढ़ने के साथ-साथ उत्पादन प्रभावित होने की आशंका भी बनी रहेगी।

क्या करें...

कृषि वैज्ञानिकों की सलाह कम अवधि वाली धान किस्में अपनाएं रोपा की जगह सीधी बुआई करें दलहन, तिलहन और मक्का जैसी वैकल्पिक फसलें लें नमी संरक्षण पर ध्यान दें फसल बीमा का लाभ उठाएं

बोनी के बाद सूख गए ....

लगाने से किसान डर रहे हैं। कम अवधि की बीज ही लगा रहे हैं। इससे भारी नुकसान से बच सकते हैं। धनागर के किसान बेदराम साव ने बताया कि गांव में बीते सालों में करीब 100 एकड़ में रोपा लगाते थे, लेकिन इस साल बारिश नहीं होने की वजह से 10 एकड़ के आसपास खेतों में ही रोपा लगेगा। जो किसान रोपा के लिए नर्सरी लगाए हैं उनके पास सिंचाई की सुविधा है। दूसरी ओर मानसून की आस में 10-15 जून को खेतों में बुआई कर दिए थे, लेकिन बारिश नहीं होने और तेज धूप होने की वजह से भभक में धान का जो अंकुरण आया था उसमें करीब 30-40 प्रतिशत सूख चुका है। अब उसे उखाड़ कर दोबारा बीज लगाना पड़ेगा। इससे खेती की लागत बढ़ जाएगी और इसका असर किसानों के आमदनी पर पड़ेगा। दूसरी ओर जिन किसानों ने 15-20 जून के बीच बुआई की है उनके खेतों में आए अंकुरण भी सूखने के कगार पर हैं। ऐसे हालातों में किसानों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दो चार दिन बारिश नहीं हुई तो जो धान खेतों में बोई गई है वह पूरी तरह से सूख जाएगी। इससे किसानों को काफ नुकसान होगा।

31 मई से चल ....

14 जून को सिया गोयल ने कथित तौर पर केतन अग्रवाल को एक चट्टान से धक्का देने की कोशिश की, लेकिन वह एक झाड़ी पकड़कर बच गया। पुलिस का दावा है कि उसने उसे यकीन दिलाया कि यह घटना गलती से हुई थी, उसका भरोसा फिर से जीता और चार दिन बाद उसके साथ किले में फिर से गई। 18 जून को सिया गोयल और चेतन चौधरी ने कथित तौर पर अपनी योजना को अंजाम दिया।

पेज एक के शेष

विधायकों के लिए उजड़ ...

पर लोगों ने कब्जा किया। उसे खाली कराने के लिए नोटिस जारी किया गया है। बीती रात इसे लेकर जमकर बवाल भी हुआ। टीम हरिभूमि जब नकटी गांव पहुंची तो चौपाल पर बैठे लोगों के बीच पहुंचते ही सबसे पहले कुछ बच्चियां कंचे और छोटे-छोटे खेलों में मग्न नजर आईं। उनके चेहरों पर वही सहज मुस्कान है, जो किसी भी गांव के बचपन की पहचान होती है। उन्हें शायद अभी यह एहसास नहीं कि जिन आंगनों में वे खेल रही हैं, उन्हीं घरों के सामने बेदखली का नोटिस चस्पा किया गया है।

ग्रामीण कहते हैं-पहले पुनर्वास पर विचार हो : प्रभावित परिवारों का सबसे बड़ा सवाल यही है। कई ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत मकान मिले, बिजली-पानी की सुविधाएं मिलीं और वर्षों तक किसी ने उनके निवास पर आपत्ति नहीं की। अब अचानक बेदखली की प्रक्रिया शुरू होने से वे खुद को असमंजस में महसूस कर रहे हैं। गांव के लोगों का कहना है कि प्रशासनिक कार्रवाई से पहले पुनर्वास, वैकल्पिक व्यवस्था और मानवीय पहलुओं पर भी विचार किया जाना चाहिए। **रात तक चस्पा होते रहे नोटिसः** ग्रामीणों के अनुसार शुक्रवार देर रात तक पुलिस सुरक्षा के बीच घर-घर नोटिस चस्पा किए गए। राजस्व विभाग का कहना है कि लगभग 40 एकड़ भूमि पर 77 परिवारों का कब्जा है और इसे खाली कराने की प्रक्रिया के तहत तीसरी बार नोटिस जारी किया गया है। इससे पहले भी कार्रवाई की कोशिश हुई थी, जिसके विरोध में ग्रामीणों ने लंबा धरना दिया था। रायपुर सांसद ब्रजमोहन अग्रवाल के हस्तक्षेप से कार्रवाई रुक गई थी। लेकिन इस बार उसी तेजी से शुरू हुई है। इस बार सांसद भी भी कह रहे हैं कि बीच का रास्ता निकालने का प्रयास करेंगे।

बृजमोहन बोले- बिना पुनर्वास...

की भी बेघर करना सरकार की प्राथमिकता नहीं है। मैंने पूर्व में भी इस संबंध में शासन को अपना पक्ष स्पष्ट किया है और अब भी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी से इस पर चर्चा कर उचित समाधान निकालने का प्रयास करूंगा। सांसद श्री अग्रवाल ने पीड़ित ग्रामीणों और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक ली, जिसमें प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि जब तक प्रभावित परिवारों के लिए उचित वैकल्पिक व्यवस्था या पुनर्वास योजना तैयार न हो जाए, तब तक किसी भी स्थिति में बेदखली की कार्रवाई न की जाए। श्री अग्रवाल का कहना है कि जिन परिवारों के पास कोई अन्य आवास नहीं है और जो पूर्णतः बेघर हो जाएंगे, उनकी समस्या का समाधान करना सरकार की जिम्मेदारी है। सरकार की योजनाओं का उद्देश्य जन-कल्याण है, न कि किसी को संकट में डालना।

चूल्हे नहीं जले, चौपाल ...

बड़ी संख्या में ग्रामीण सांसद बृजमोहन अग्रवाल से मिलने पहुंचे और अपनी बात रखी। ग्रामीणों के अनुसार सांसद ने राजस्व अधिकारियों से पूरे मामले की जानकारी ली और दोनों पक्षों के हितों को ध्यान में रखते हुए समाधान निकालने का आश्वासन दिया। फिलहाल गांव की निगाहें प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के अगले कदम पर टिकी हैं।

चंपत राय की जगह...

करेगा। ट्रस्ट के दो वरिष्ठ पदाधिकारियों के इस्तीफे के बारे में बंसल ने फोन पर बताया, हां, इसकी पुष्टि हो गई है। प्रेस नोट में गोविंद देव गिरि ने कहा, श्री राम मंदिर (अयोध्या) में पिछले कुछ दिनों में हमने जो घटनाएं सुनी हैं, उससे हम स्तब्ध, आहत और बहुत दुखी हैं। यहां सभी राम भक्तों और राम सेवकों के प्रतिनिधियों के रूप में सेवा करते हुए, हम भगवान राम के भक्तों को आश्वस्त करना चाहते हैं कि हम निष्पक्ष जांच के लिए प्रतिबद्ध हैं।

दुनिया के सबसे बुजुर्ग ...

बोटैनिकल गार्डेन में रहता है। उन्होंने राष्ट्रपति हर्मिनी के साथ पौधरोपण समारोह में भी हिस्सा लिया जो जैव-विविधता संरक्षण तथा पर्यावरण सुरक्षा के प्रति दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। शनिवार को तीन दिन की आधिकारिक यात्रा पर यहां पहुंचे मोदी ने कहा कि सेशेल्स में पाया जाने वाला 'अल्डाब्रा जाइंट कछुआ' धरती पर सबसे बड़ी और सबसे ज़्यादा समय तक जीवित रहने वाली प्रजातियों में से एक है, कुछ कछुए तो दो सदियों से भी ज़्यादा का इतिहास देखते हैं।

हीरा खनन की तैयारी ...

डायमीटर ड्रिलिंग शुरू करने का निर्णय लिया गया। यह कदम इस क्षेत्र में हीरे के वास्तविक भंडार का वैज्ञानिक आकलन करने और भविष्य में व्यावसायिक हीरा खनन का मार्ग प्रशस्त करने की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण चरण माना जा रहा है। बैठक में निदेशक मंडल ने परियोजना की अब तक की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की तथा निर्देश दिए कि प्रॉस्पेक्टिंग लाइसेंस की अवधि के भीतर सभी तकनीकी कार्य समयबद्ध ढंग से पूरे किए जाएं। बड़े व्यास की ड्रिलिंग से किम्बरलाइट पाइप में मौजूद हीरा भंडार का सटीक आकलन किया जाएगा। इसके बाद विस्तृत व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार होगी, जिसके आधार पर व्यावसायिक हीरा खदान विकसित करने का अंतिम निर्णय लिया जाएगा। एनसीएल के निदेशक मंडल की बैठक में अमिताभ मुखर्जी, आशीष चटर्जी, छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष सौरभ सिंह, खनिज विभाग के सचिव पी. दयानंद, छत्तीसगढ़ मिनरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के प्रबंध संचालक रजत बंसल, उपेंद्र कुमार तथा विनय कुमार उपस्थित रहे। **भविष्य में बड़े व्यावसायिक भंडार की संभावना** : बोत्सवाना, दक्षिण अफ्रीका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे प्रमुख हीरा उत्पादक देशों के अनुभव बताते हैं कि प्रारंभिक चरण में इस प्रकार की सफलता भविष्य में बड़े व्यावसायिक भंडार मिलने का संकेत हो सकती है। इसलिए बलौदा-बेलमुंडी परियोजना को छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि देश के लिए भी एक महत्वपूर्ण खनिज परियोजना माना जा रहा है।**बैलाडिला डिपॉजिट की क्षमता बढ़ाने पर जोर** : बैठक में राज्य की अन्य प्रमुख लौह अयस्क परियोजनाओं की भी समीक्षा की गई। बैलाडीला डिपॉजिट-4 में चालू वित्तीय वर्ष के दौरान 10 लाख टन उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है, जिसे चरणबद्ध रूप से बढ़ाकर 70 लाख टन प्रतिवर्ष किया जाएगा। वहीं बैलाडीला डिपॉजिट-13 को एक करोड़ टन वार्षिक क्षमता के साथ विकसित करने की दिशा में भी कार्य जारी है।

बहु-खनिज विकास ...

बाद लगभग 200 टन बल्क सैंपल का परीक्षण एनएमडीसी के पन्ना डायमंड प्रोसेसिंग प्लांट में किया गया, जहां 1.22 कैरेट वजन के पांच प्राकृतिक हीरे प्राप्त हुए। इससे इस क्षेत्र में हीरा युक्त भू-संरचना की वैज्ञानिक पुष्टि हो चुकी है।

मुहर्रम जुलूस में 14,900 जहरीले कैप्सूल बांटने पहुंचा, गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶| मुंबई

मुंबई ने एक शख्स को चूहे मारने वाले जहर से भरे 14,900 कैप्सूल के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि यह व्यक्ति बायकुला के मुहर्रम जुलूस में कैप्सूल बांटने के लिए घूम रहा था। वह लोगों को बता रहा था कि यह हर प्रकार के दर्द को जड़ से खत्म करने की दवा है। इसी जुलूस में एक शख्स का पेट दर्द और उल्टी होने लगी। पूछताछ में शख्स ने बताया कि उसने एक व्यक्ति से कैप्सूल लेकर खाया था। इसके बाद पुलिस ने उस संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपी की पहचान फैयाज प्रेमजी के रूप में हुई है, जो पुणे का रहने वाला है और पेंट का कारोबार करता है।

हर कैप्सूल में 1-1 ग्राम चूहे मारने वाला जहर था

धमाकों और गोलीबारी से दहला कराची!

कराची। पाकिस्तान के कराची में आत्मघाती हमले की खबर सामने आई है। जानकारी के मुताबिक गुलिस्तान-ए-जौहर इलाके के ब्लॉक-6 स्थित रेंजर्स हेडक्वार्टर (पाकिस्तान रेंजर्स का मुख्यालय) के पास जोरदार धमाकों के बाद काफी देर तक गोलीबारी हुई। इस हमले में 4 लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हैं। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि जान गंवाने वाले आम नागरिक हैं या पाकिस्तान सिंध रेंजर्स के जवान। पाकिस्तानी मीडिया ने 5 आतंकियों के भी मारे जाने की बात कही है। इनमें से तीन की मौत सुरक्षा बलों की जवाबी गोलीबारी में हुई, जबकि दो आत्मघाती विस्फोट में मारे गए। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कराची हमले की जिम्मेदारी जमात-उल-अहरार ने ली है। आतंकी संगठन ने दावा किया है कि इस हमले को अंजाम देने में उसके नौ लड़ाके शामिल थे।

प्रो. क्र.-415/2026, पेशी दिनांक - 7/8/26

मुकदमें के फैसले के बारे में समन्स

(सिविल प्रोसीजर कोड, आर्डर 5 रूल्स 1 और 5)

दीवानी मुकदमा नं. CSA 142/2019

अदालत श्रीमती श्यामवती मराबी, षष्टम जिला न्यायाधीश, दुर्ग (छ.ग.), आवेदक श्रीमती कचरी बाई वगै. अनावेदक श्रीमती जानकी बाई वगै. बनाम (1) सरोजनी बाई पिता स्व. दीनदयाल तिवारी 50 वर्ष, ग्राम मुरकी तह. बेमेतरा, जिला-दुर्ग वर्तमान जिला बेमेतरा (छ.ग.) (2) अन्नपूर्णा पिता स्व. दीनदयाल तिवारी 75 वर्ष ग्राम महासमुंद तह. व जिला महासमुन्द (छ.ग.) (3) जयराम आ. रामसजीवन (मृत) (अ) रामअवतार पिता स्व. जयराम शर्मा 44 वर्ष (ब) नाथूराम पिता स्व. जयराम शर्मा 48 वर्ष (स) श्रीमती फेकन बाई पिता स्व. जयराम शर्मा 35 वर्ष (द) श्रीमती त्रिवेणी पिता स्व. जयराम शर्मा पति गजानंद पाण्डेय 54 वर्ष। वर्तमान निवासी- पुराना रोजगार दफ्तर कार्यालय बंधवापारा बैरंग बाजार रायपुर तह. व जिला रायपुर (छ.ग.), क्योंकि मुद्दई मजकूर ने आपके खिलाफ प्र0क्र0 CSA 142/2019 उपस्थिति सूचनार्थ का मुकदमा दायर किया है, आपको इस समंस के जरिये हुक्म होता है कि आप इस अदालत में तारीख 07/08/2026 को दिन के 11 बजे खुद या ऐसे वकील के मार्फत जिसे कि मुकदमें की बातें ठीक-ठाक तौर से समझा दी हो और जो कि मुकदमें के बारे में कुल जरूरी सवालात का जवाब दे सके (या) जिसके साथ कोई ऐसा आदमी मौजूद हो जो कि ऐसे सवालात का जवाब दे सके) मुकदमें का जवाब देने के लिये हाजिर हो जावो और आपकी हाजरी के लिये मुकर्रर किया हुआ दिन मुकदमें के आखिरी फैसले के वास्ते रखा जाने की वजह से आपको उस तारीख को ऐसे सभी गवाहों और दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रखना होगा कि जिन पर आप अपने बचाव की पुष्टि के लिये भरोसा रखना चाहते हो। आपको ताकीद की जाती है कि यदि आप तारीख मजकूर पर हाजिर न होवोगे तो आपके गैर हाजिरी में मुकदमें की सुनवाई होकर उसका फैसला किया जावेगा। आज तारीख 24 माह 06 सन् 2026 को अदालत की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

श्रीमती श्यामवती मराबी,
षष्टम जिला न्यायाधीश, दुर्ग (छ.ग.)
जज

जाहिर सूचना

दि पंचमहाल जिला सहकारी दूध उत्पादक संघ लि. गोधरा द्वारा छतीसगढ राज्य के इंडस्ट्रियल एरिया, सरोरा, रायपुर में नवीन डेयरी प्लांट स्थापित किए जाने के उद्देश्य से मुख्य सड़क के आसपास लगभग 2.50 से 3.0 एकड़ भूमि क्रय की जानी है। अतः इच्छुक भूमि स्वामी अपनी भूमि से संबंधित बी-1, खसरा, नक्शा, ऋण पुस्तिका/स्वामित्व संबंधित दस्तावेज तथा अन्य आवश्यक अभिलेखों की प्रतियों सहित अपना आवेदन इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 दिन के भीतर नीचे दिए गए पते पर भेजे।

ता. 28/06/2026
गोधरा (गुजरात)

प्रबंध निर्देशक
दि पंचमहाल जिला
सहकारी दूध उत्पादक संघ लि.,
लुणावाडा रोड, पो.बो.नं. 37,
गोधरा (गुजरात)-389001, जिः पंचमहाल

भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण
Regulatory Authority of India (AERA)
भारत सरकार/Government of India
तीसरी मंज़िल, उड़ान भवन, सफदरजंग एयरपोर्ट,
नई दिल्ली - 110003, फ़ोन: 011-24695044

सार्वजनिक सूचना

केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, बेंगलुरु (BLR) के लिए चौथे कंट्रोल पीरियड (01.04.2026-31.03.2031) के दौरान वैमानिक सेवाओं के लिए टैरिफ तय करने पर स्टेकहोल्डर्स के साथ परामर्श बैठक

एयरपोर्ट्स इकोनॉमिक रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया (एईआरए) ने 12.06.2026 को परामर्श पत्र (Consultation Paper) नंबर 01/2026-27 जारी किया है (जो एईआरए की वेबसाइट www.aera.gov.in पर उपलब्ध है)। यह पत्र केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, बेंगलुरु (बीएलआर) के लिए चौथे कंट्रोल पीरियड (01.04.2026-31.03.2031) में वैमानिक सेवाओं के टैरिफ तय करने के संबंध में है।

एईआरए एक्ट, 2008 की धारा 13(4) के प्रावधानों के अनुसार, परामर्श पत्र में शामिल अथॉरिटी के विभिन्न टैरिफ प्रस्तावों को स्टेकहोल्डर्स के परामर्श के लिए रखा गया है। इस संबंध में हाइब्रिड मोड (फिजिकल/ऑनलाइन) में स्टेकहोल्डर्स की परामर्श बैठक **29 जून, 2026 (सोमवार) को दोपहर 3:30 बजे** निम्नलिखित पते पर आयोजित की जाएगी:

स्टेकहोल्डर्स रूम, तीसरी मंज़िल, उड़ान भवन,
सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली - 110003

सभी स्टेकहोल्डर्स जैसे यात्री/यात्री संघ, आम जनता, एयरपोर्ट ऑपरेटर, एयरलाइंस, इंडस्ट्री एसोसिएशन/संस्थाएं, कार्गो, ग्राउंड हैंडलिंग, फ्यूल फ़ार्म आदि के लिए स्वतंत्र सेवा प्रदाताओं से अनुरोध है कि वे उक्त बैठक में शामिल हों और केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, बेंगलुरु (बीएलआर) के टैरिफ प्रस्ताव पर उक्त परामर्श पत्र के बारे में अपने बहुमूल्य सुझाव/टिप्पणियां/विचार दें। जो लोग व्यक्तिगत रूप से शामिल हो रहे हैं, वे अपना कन्फर्मेशन (नाम, ईमेल पता, मोबाइल नंबर और गाड़ी का नंबर) ईमेल के ज़रिए एईआरए को (director-ps@aera.gov.in और rajan.guptal@aera.gov.in पर) भेज सकते हैं। स्टेकहोल्डर्स की मीटिंग से पहले, AERA की वेबसाइट (https://aera.gov.in) पर ''News and Announcements'' टैब के तहत ऑनलाइन लिंक शेयर किया जाएगा।

cbc 03112/12/0007/2627

सही/-
सेक्रेटरी, एईआरए

रोलेक्स घड़ी, चांदी के खंजर, 300 तोहफे होंगे नीलाम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय ने तोशाखाना में सुरक्षित विदेशी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा भारत सरकार के अधिकारियों और प्रतिनिधियों को भेंट किए गए करीब 300 उपहारों की ई-नीलामी जारी की है। बता दें कि इस नीलामी में लग्जरी घड़ियों, आभूषणों, स्मृति चिन्हों, सजावटी वस्तुओं और अन्य दुर्लभ उपहारों को शामिल किया गया है। ई-नीलामी आठ जून से शुरू हुई थी और 30 जून तक चलेगी। तोशाखाना वह आधिकारिक भंडार है, जहां विदेश यात्राओं या भारत में विदेशी प्रतिनिधियों से सरकारी अधिकारियों को प्राप्त उपहार सुरक्षित रखे जाते हैं। संशोधित तोशाखाना नियम, 2024 के तहत पहली बार इन उपहारों की सार्वजनिक ई-नीलामी आयोजित की जा रही है। इसमें केवल भारत के निवासी नागरिक पंजीकरण कर बोली लगा सकते हैं और खरीदी गई वस्तुओं की डिलीवरी भी देश के भीतर ही की जाएगी।

तोशाखाना में विदेशी मेहमानों से मिले हैं करीब 300 से ज्यादा उपहार

नीलामी में रोलैक्स की यॉट मास्टर-2 घड़ी
नीलामी में सबसे आकर्षक वस्तुओं में लग्जरी ब्रांड रोलैक्स की यॉट मास्टर-2 घड़ी शामिल है, जिसकी शुरुआती बोली 16.52 लाख रुपये रखी गई है। इसके अलावा कार्टियर की प्रतिष्ठित सैंटोस ड्यूमोंट श्रृंखला की घड़ी भी नीलामी का हिस्सा है, जिसकी आधार कीमत 5.02 लाख रुपये निर्धारित की गई है। पोर्टल पर इस घड़ी को आधुनिक तकनीक और कालातीत डिजाइन का उत्कृष्ट उदाहरण बताया गया है।

अल अरबाश ब्रांड का एक शानदार आभूषण सेट : नीलामी में कुवैत के प्रसिद्ध अल अरबाश ब्रांड का एक शानदार आभूषण सेट भी शामिल है। करीब 9.52 लाख रुपये की आधार कीमत वाले इस सेट में नेकलेस, ब्रेसलेट और ईयररिंग्स शामिल हैं। यह ब्रांड पारंपरिक शिल्पकला और पारिवारिक विरासत के लिए जाना जाता है।

प्राचीन चांदी के सिगरेट बॉक्स की कीमत 12,030 रुपए

इसके अलावा प्राचीन चांदी का सिगरेट बॉक्स भी बोली के लिए उपलब्ध है, जिसकी शुरुआती कीमत 12,030 रुपये रखी गई है। इस दुर्लभ वस्तु के ढक्कन पर हाथ से उकेरी गई कलात्मक आकृतियां हैं, जबकि इसका भीतरी हिस्सा अब भी चमकदार चांदी की गुणवत्ता को दर्शाता है। इसे उत्कृष्ट धातु शिल्पकला का नमूना बताया गया है। ई-नीलामी पोर्टल पर प्रत्येक वस्तु के साथ उसका संक्षिप्त विवरण और पृष्ठभूमि भी उपलब्ध कराई गई है, ताकि जो भी इसे खरीदना चाहता है वो उसकी विशेषताओं और महत्व को समझ सकें।

राशिफल

मेष – धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाइयों का साथ मिलेगा।

वृष – वाणी में मधुरता तो रहेगी, परन्तु मन परेशान रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

मिथुन – शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, परन्तु लाभ में कुछ कमी आ सकती है। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कर्क – आत्मविश्वास में कमी आएगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कुटुम्ब के बुजुर्ग के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

सिंह – सम्पत्ति में वृद्धि के योग बन रहे हैं। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कन्या – किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। संबंधों में निकटता आएगी।

तुला – मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक – शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

धनु – आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मकर – व्यर्थ के क्रोध से बचें। लाभ में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। सुखद समाचार मिलेगा।

कुंभ – मन अशान्त हो सकता है। संयत रहें। आलस्य भी बढ़ सकता है। सन्तान सुख में वृद्धि होगी। कारोबार में कुछ सुधार होगा।

मीन – परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। नौकरी में कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

शब्द पहेली - 6270

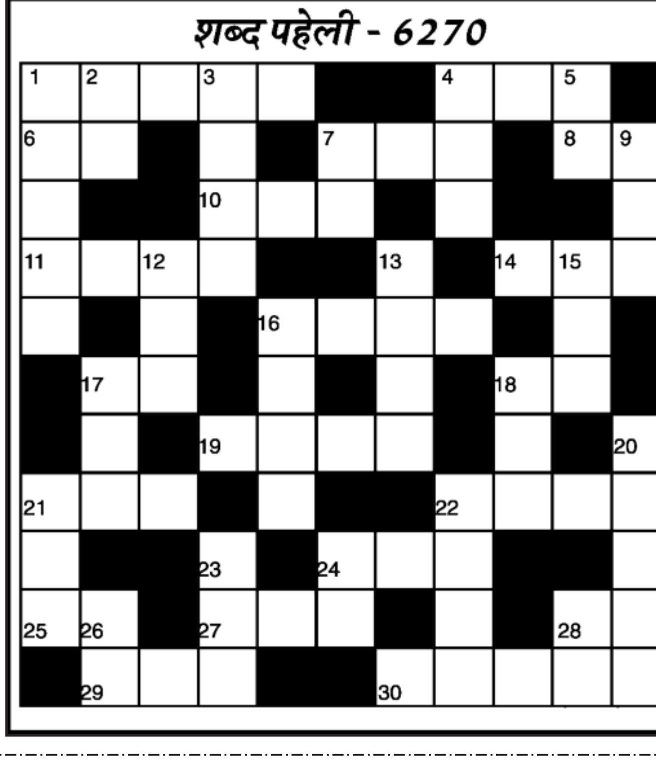

बाएँ से दाए-
1. पद्माकर, कमल सरोवर-5
4. इस्लामी धर्म ग्रंथ-3
6. देवस्थान, मंदिर-2
7. शिव आवास-3
8. उत्तम, सज्जन-2
10. पति, शोहर-3
11. दमकना-4
14. टीस, पीड़ा-3
16. झरने की आवाज-4
17. आशा, इच्छा-2
18. संध्या, शाम-2
19. निराकार, भगवान-4
21. बुझाना, शांति-3
22. अभिप्राय-4
24. आंचल-3
25. घोड़ागाड़ी-2
27. उष्ण-3
28. पिता के पिता-2
29. पंक्ति-3
30. तहजीबदार-5

ऊपर से नीचे
1. कथा कहने वाला-5
2. चित, जी-2
3. कार्यशाला, यंत्रालय-4
4. माहिर, दक्ष-3
5. आकाश, गगन-2
7. कारावास-2
9. योग्य-3
12. अनुमान, अंदाज-3
13. झगड़ा, कहासुनी-4
15. मुगल सम्राट जहांगीर का एक नाम-3
16. पक्षियों का शोर-4
17. राहत, विश्राम -3
18. मुसीबत, आफत -3
20. होशियार, चेतावनी-5
21. नगर-3
22. संजीव कुमार व लीना चंदावरकर अभिनीत फिल्म
23. मगरमच्छ-3
24. दर, मूल्य-2
26. भूमि, धरती-2
28. पिता के पिता-2

शब्द पहेली -6269 का हल

सूडोकु नवताल- 6280

★★★★☆ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6279 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

मुंबई-दिल्ली नहीं, बल्कि छोटे शहर भी बन रहे हैं निवेश के हब

40% से अधिक नए एसआईपी टियर-2, 3 और 4 शहरों से, पीडब्ल्यूसी की रिपोर्ट में दावा : हर महीने 3 अरब डॉलर का निवेश

अगले दशक में 1.5 ट्रिलियन डॉलर की संपत्ति का हस्तांतरण, भारतीय बाजारों को मिलेगा बड़ा फायदा, निवेशक भी होंगे मालामाल

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

भारत में निवेश का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। अब केवल महानगर ही नहीं, बल्कि टियर-2, टियर-3 और टियर-4 शहर भी निवेश वृद्धि के प्रमुख केंद्र बन रहे हैं। प्राइसवाटरहाउसकूपर्स (पीडब्ल्यूसी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार देश में शुरू होने वाले 40 फीसदी से अधिक नए सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) छोटे शहरों से आ रहे हैं। मासिक एसआईपी निवेश 3 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है, जो भारतीय शेयर बाजार को स्थिर और दीर्घकालिक पूंजी उपलब्ध करा रहा है। भारतीय निवेश बाजार में छोटे शहरों की भूमिका लगातार मजबूत होती जा रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय बाजारों को खुदरा निवेशकों और हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल (एचएनआई) दोनों वर्गों की बढ़ती भागीदारी का लाभ मिलेगा। भारत में वर्तमान में हर महीने करीब 3 अरब डॉलर का एसआईपी निवेश आ रहा है। पीडब्ल्यूसी ने इसे प्राइस इंसेंसिटिव इक्विटी फ्लो बताया है, क्योंकि बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद निवेशक नियमित निवेश जारी रखे हुए हैं। इससे शेयर बाजार को स्थिर और दीर्घकालिक पूंजी मिल रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि घरेलू निवेशकों की बढ़ती ताकत भारतीय बाजार को वैश्विक अनिश्चितताओं से बचाने में भी मदद कर रही है। देश में डिजिटल क्रांति ने निवेश के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। पहले जहां निवेश की सुविधा मुख्य रूप से बड़े शहरों तक सीमित थी, वहीं अब मोबाइल ऐप, ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म और डिजिटल केवाईसी जैसी सुविधाओं ने छोटे शहरों के लोगों को भी बाजार से जोड़ दिया है। यही वजह है कि अब निवेश का नया केंद्र छोटे शहर और कस्बे बनते जा रहे हैं।

क्या कहता है अनुमान

रिपोर्ट के अनुसार अगले 10 वर्षों में भारत में 1.5 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की संपत्ति एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को हस्तांतरित होगी। इस वेल्थ ट्रांसफर का बड़ा हिस्सा वित्तीय उत्पादों, म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार और वेल्थ मैनेजमेंट सेवाओं की ओर जा सकता है। पीडब्ल्यूसी का अनुमान है कि वर्ष 2030 तक भारत में एचएनआई आबादी एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे तेज गति से बढ़ेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह संपत्ति हस्तांतरण भारतीय वित्तीय क्षेत्र के लिए एक बड़ा अवसर साबित होगा। नई पीढ़ी पारंपरिक निवेश साधनों की तुलना में शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड और अन्य आधुनिक वित्तीय उत्पादों में अधिक रुचि

दिखा रही है। इससे निवेश उद्योग को नई गति मिलने की संभावना है। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को भी रिपोर्ट में निवेश वृद्धि का प्रमुख आधार बताया गया है। डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म, मोबाइल-फर्स्ट निवेशक वर्ग और एआई आधारित वित्तीय सेवाओं ने निवेश को आसान और सुलभ बनाया है। यही कारण है कि छोटे शहरों से निवेशकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

रिपोर्ट की प्रमुख बातें

- 40% से अधिक नए एसआईपी टियर-2, 3 और 4 शहरों से।
- हर महीने करीब 3 अरब डॉलर का एसआईपी निवेश।
- अगले 10 वर्षों में 1.5 ट्रिलियन डॉलर की पीढ़ीगत संपत्ति हस्तांतरण की संभावना।
- 2030 तक भारत में हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल आबादी एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे तेज गति से बढ़ने का अनुमान।
- भारत वैश्विक निवेशकों और भारतीय पूंजी के लिए दोतरफा निवेश गलियारा बन रहा है।

छोटे शहरों से क्यों बढ़ रहा निवेश

- इंटरनेट और स्मार्टफोन की पहुंच में तेजी
- डिजिटल भुगतान प्रणाली का विस्तार
- म्यूचुअल फंड कंपनियों की बढ़ती पहुंच
- युवाओं में निवेश के प्रति जागरूकता
- वित्तीय शिक्षा और निवेश अभियानों का असर
- डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर बना ताकत

क्या कहती है रिपोर्ट

रिपोर्ट के अनुसार भारत का मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, बड़ी एआई इंजीनियरिंग प्रतिभा, मोबाइल-फर्स्ट निवेशक वर्ग और नवाचार आधारित वित्तीय प्रणाली उसे एशिया-प्रशांत क्षेत्र के अन्य देशों से आगे खड़ा करती है। देश में मौजूद विशाल डिजिटल नेटवर्क निवेशकों को कम लागत और कम समय में वित्तीय सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। जीआईएफटी सिटी के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय निवेश अवसरों को भी महत्वपूर्ण बताया गया है। रिपोर्ट के अनुसार यह भारत के लिए एक समयबद्ध अवसर है, जो देश को वैश्विक वित्तीय सेवाओं के केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद कर सकता है।

एशिया-प्रशांत में भारत की बढ़त

पीडब्ल्यूसी का अनुमान है कि 2026 से 2030 के बीच एशिया-प्रशांत क्षेत्र का एसेट और वेल्थ मैनेजमेंट बाजार 6.8 फीसदी की वार्षिक दर से बढ़ेगा। यह उत्तर अमेरिका के 6.2 फीसदी और यूरोप के 5.6 फीसदी की तुलना में अधिक है। भारत इस वृद्धि का प्रमुख लाभार्थी बन सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मजबूत आर्थिक विकास, युवा आबादी और बढ़ती आय भारत को निवेश के लिए सबसे आकर्षक बाजारों में शामिल कर रही है।

निवेश के उभरते अवसर

म्यूचुअल फंड, पैसिव फंड, शेयर बाजार, वैकल्पिक निवेश, प्राइवेट क्रेडिट, वेल्थ मैनेजमेंट सेवाएं, वैकल्पिक निवेश में बड़ा अवसर

निवेशकों के लिए संकेत

विशेषज्ञों का मानना है कि छोटे शहरों से बढ़ती निवेश भागीदारी बाजारों को अधिक गहराई और स्थिरता प्रदान करेगी। बढ़ती वित्तीय जागरूकता, डिजिटल पहुंच और लंबी अवधि की निवेश संस्कृति आने वाले वर्षों में भारतीय पूंजी बाजारों की सबसे बड़ी ताकत बन सकती है। यदि मौजूदा रुझान जारी रहता है तो भारत वैश्विक निवेश मानचित्र पर और अधिक मजबूत स्थिति में दिखाई देगा और घरेलू निवेशक इसकी सबसे बड़ी शक्ति बनकर उभरेंगे।

निवेश विशेषज्ञ अब दे रहे सोने से दूर रहने की सलाह

सुझाव

बिजनेस डेस्क

पिछले कुछ वर्षों में सोने ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, केंद्रीय बैंकों की खरीदारी और डॉलर पर घटते भरोसे जैसे कारणों से सोने की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। लेकिन अब एक ऐसे निवेश विशेषज्ञ, जिनकी पिछली कई भविष्यवाणियां सही साबित हुई हैं, निवेशकों को सोने से दूरी बनाने की सलाह दे रहे हैं। मौजूदा स्तर पर सोना आकर्षक निवेश नहीं रह गया है। उनके अनुसार इक्विटी और डेट मार्केट फिलहाल निवेशकों के लिए बेहतर अवसर प्रदान कर रहे हैं। नवंबर 2023 में जब निवेशकों का भरोसा सोने पर कमजोर था और बाजार में नकारात्मक माहौल था, तब बुलियन में निवेश की जोरदार पैरवी की थी। बाद में चांदी की कीमतों को लेकर भी उनकी चेतावनी काफी हद तक सही साबित हुई। अब उनका कहना है कि जो परिस्थितियां पहले सोने के पक्ष में थीं, वे काफी हद तक बदल चुकी हैं। इसलिए नए निवेश के लिए सोना उनकी प्राथमिकता नहीं है।

ईटीएफ निवेश ने बढ़ाई कीमतें

हाल की तेजी में केवल केंद्रीय बैंकों की खरीदारी ही नहीं, बल्कि गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ में आए बड़े निवेश का भी योगदान रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि जब किसी एसेट में अत्यधिक उत्साह पैदा हो जाता है, तो उसके रिटर्न की संभावनाएं धीरे-धीरे कम होने लगती हैं।

इक्विटी में दिख रहा बेहतर मूल्यांकन

भारतीय शेयर बाजार में 2024 के दौरान वैल्यूएशन काफी महंगे हो गए थे। लेकिन बाद की गिरावट और करेक्शन के बाद अब कई सेक्टर और कंपनियां अधिक उचित मूल्य पर उपलब्ध हैं। उनके अनुसार अगले 3 से 5 वर्षों में इक्विटी बाजार सोने की तुलना में बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखता है। खासकर लंबी अवधि के निवेशकों के लिए यह अवसर महत्वपूर्ण हो सकता है। भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत विकास दर, बढ़ता घरेलू निवेश और कॉरपोरेट आय में सुधार की संभावनाएं इक्विटी बाजार के पक्ष में नजर आती हैं। यही वजह है कि कई फंड मैनेजर अब सोने की बजाय शेयर बाजार को प्राथमिकता दे रहे हैं।

बेहतर यील्ड का फायदा

विशेषज्ञों का मानना है कि वर्तमान समय में डेट मार्केट भी निवेशकों को आकर्षक अवसर प्रदान कर रहा है। ब्याज दरों और बॉन्ड यील्ड के मौजूदा स्तर कई निवेशकों के लिए अच्छा जोखिम-रिटर्न संतुलन पेश कर रहे हैं। डेट निवेश उन लोगों के लिए उपयोगी हो सकता है जो नियमित आय, अपेक्षाकृत कम जोखिम और पोर्टफोलियो में स्थिरता चाहते हैं।

10 लाख हों तो क्या करें?

यदि किसी निवेशक के पास 10 लाख रुपये निवेश के लिए उपलब्ध हैं, तो फिलहाल सोने में अतिरिक्त निवेश से बचना बेहतर हो सकता है। इसके बजाय राशि को इक्विटी और डेट निवेश के बीच संतुलित रूप से बांटना अधिक उपयुक्त रणनीति हो सकती है। हालांकि निवेश का अनुपात प्रत्येक व्यक्ति की उम्र, जोखिम क्षमता, वित्तीय लक्ष्य और निवेश अवधि के अनुसार अलग-अलग हो सकता है।

क्या सोने को पूरी तरह छोड़ देना चाहिए?

यह समझना जरूरी है कि किसी विशेषज्ञ द्वारा सोने को कम आकर्षक बताने का अर्थ यह नहीं है कि निवेशक अपने पोर्टफोलियो से सोना पूरी तरह हटा दें। वित्तीय योजनाकार आमतौर पर कुल पोर्टफोलियो का 5% से 10% हिस्सा सोने में रखने की सलाह देते हैं ताकि विविधीकरण बना रहे। सोना अब भी भू-राजनीतिक संकट, मुद्रास्फीति और बाजार की अनिश्चितता के समय सुरक्षा कवच का काम कर सकता है। लेकिन वर्तमान मूल्य स्तरों पर असाधारण रिटर्न की उम्मीद करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

क्यों बदल गया सोने का निवेश समीकरण?

पहले वैल्यूएशन आकर्षक था : विशेषज्ञों के अनुसार कुछ साल पहले सोना अपेक्षाकृत कम कीमतों पर उपलब्ध था। उस समय डी-डॉलराइजेशन, केंद्रीय बैंकों की खरीदारी और वैश्विक आर्थिक चिंताओं जैसे कारक सोने के लिए मजबूत आधार तैयार कर रहे थे। हालांकि आज स्थिति अलग है। पिछले वर्षों की तेज बढ़त के बाद सोने की कीमतों में काफी वृद्धि हो चुकी है और निवेशकों का उत्साह भी चरम पर पहुंच गया है। ऐसे माहौल में आगे की तेजी की संभावना सीमित हो सकती है।

नॉर्मल, फिक्स्ड टॉप-अप और वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी

- छोटी बढ़ोतरी से करोड़ों का बन सकता है अतिरिक्त फंड
- 25 साल में रिटर्न का बड़ा अंतर, आय बढ़ने के साथ एसआईपी बढ़ाना जरूरी
- 10 हजार रुपये की मासिक एसआईपी पर वैरिएबल टॉप-अप से बन सकता है 4.46 करोड़ तक का फंड

म्यूचुअल फंड में निवेश का सबसे लोकप्रिय और आसान तरीका सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) माना जाता है। छोटी-छोटी रकम को नियमित रूप से निवेश कर लंबे समय में बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है। यही कारण है कि बीते कुछ वर्षों में एसआईपीनि वेशकों की संख्या तेजी से बढ़ी है। हालांकि वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि केवल एसआईपी शुरू करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि समय के साथ निवेश राशि को बढ़ाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। बढ़ती आय के साथ यदि एसआईपी राशि भी बढ़ाई जाए तो लंबी अवधि में रिटर्न कई गुना बढ़ सकता है। निवेशकों के लिए सामान्य तौर पर तीन प्रकार की एसआईपी रणनीतियां उपलब्ध हैं। इनमें नॉर्मल एसआईपी , फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी और वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी शामिल हैं। तीनों का उद्देश्य नियमित निवेश करना है, लेकिन निवेश राशि बढ़ाने के तरीके और अंतिम फंड में काफी अंतर देखने को मिलता है।

क्या है नॉर्मल एसआईपी

नॉर्मल एसआईपी सबसे सामान्य और पारंपरिक निवेश विकल्प है। इसमें निवेशक हर महीने एक तय राशि म्यूचुअल फंड में निवेश करता है और पूरी अवधि के दौरान यह राशि समान रहती है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी व्यक्ति ने 10,000 रुपये मासिक एसआईपी शुरू की है तो अगले वर्ष और उसके बाद भी वह हर महीने 10,000 रुपये ही निवेश करेगा। नॉर्मल एसआईपी उन लोगों के लिए उपयुक्त मानी जाती है जो निवेश में सरलता चाहते हैं और अपनी मासिक बचत को एक निश्चित सीमा में रखना पसंद करते हैं। हालांकि इसमें एक कमी यह है कि आय बढ़ने के बावजूद निवेश राशि नहीं बढ़ती, जिससे लंबी अवधि में संभावित फंड का आकार सीमित रह सकता है।

जानकारी

बिजनेस डेस्क

नॉर्मल एसआईपी की विशेषताएं

■ हर महीने एक निश्चित राशि का निवेश ■ निवेश प्रक्रिया सरल और आसान ■ बजट प्रबंधन में सुविधा ■ नए निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प ■ आय बढ़ने का पूरा लाभ निवेश में नहीं जुड़ता

क्या है फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी

फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी उन निवेशकों के लिए बनाई गई है जो अपनी एसआईपी राशि को समय-समय पर बढ़ाना चाहते हैं। इसमें निवेशक हर वर्ष अपनी मासिक एसआईपी में एक निश्चित रकम जोड़ता है। यह बढ़ोतरी पहले से तय होती है और हर साल समान रहती है। उदाहरण के तौर पर यदि कोई निवेशक 10,000 रुपये की एसआईपी शुरू करता है और हर साल 1,000 रुपये का टॉप-अप चुनता है, तो अगले साल उसकी एसआईपी 11,000 रुपये, फिर 12,000 रुपये और उसके बाद 13,000 रुपये हो जाएगी। विशेषज्ञों के अनुसार यह विकल्प उन वेतनभोगी लोगों के लिए अच्छा है जिन्हें हर साल नियमित वेतन वृद्धि मिलती है। इससे आय बढ़ने के साथ निवेश भी बढ़ता रहता है और लंबी अवधि में बड़ा फंड तैयार करने में मदद मिलती है।

फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी के फायदे

■ हर साल निवेश राशि में बढ़ोतरी ■ वेतन वृद्धि का लाभ निवेश में शामिल ■ लंबी अवधि में अधिक संपत्ति निर्माण ■ निवेश योजना पहले से तय रहती है ■ वित्तीय लक्ष्यों को तेजी से हासिल करने में मदद

क्या है वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी

वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी सबसे उन्नत और आक्रामक एसआईपी रणनीति मानी जाती है। इसमें निवेशक हर साल अपनी एसआईपी राशि को एक निश्चित प्रतिशत के आधार पर बढ़ाता है। यह प्रतिशत 5, 10 या 15 फीसदी हो सकता है। मान लीजिए किसी निवेशक ने 10,000 रुपये की मासिक एसआईपी शुरू की और 10 फीसदी वार्षिक टॉप-अप चुना। ऐसे में अगले साल उसकी एसआईपी 11,000 रुपये होगी। दूसरे साल यह 12,100 रुपये और तीसरे साल 13,310 रुपये तक पहुंच जाएगी। यानी हर साल बढ़ी हुई राशि पर भी वृद्धि का लाभ मिलता है।

वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी बेहतर क्यों

■ प्रतिशत आधारित वृद्धि ■ बढ़ी हुई राशि पर भी कंपाउंडिंग का लाभ ■ लंबी अवधि में सबसे अधिक फंड बनने की संभावना ■ बढ़ती आय वाले युवाओं के लिए उपयुक्त ■ महंगाई के प्रभाव को संतुलित करने में मदद

25 साल में कितना बन सकता है फंड

यदि कोई निवेशक 25 वर्षों तक हर महीने 10,000 रुपये से निवेश शुरू करता है तो तीनों एसआईपी विकल्पों में अंतिम फंड का आकार काफी अलग हो सकता है।

एसआईपी	कुल निवेश	
नॉर्मल	30 लाख रु.	2.27 करोड़ रु.
फिक्स्ड टॉप-अप	66 लाख रु.	3.44 करोड़ रु.
वैरिएबल	1.18 करोड़ रु	4.46 करोड़ रु

निवेशकों के लिए सही विकल्प क्या

सही एसआईपी रणनीति का चुनाव निवेशक की आय, वित्तीय लक्ष्यों और जोखिम लेने की क्षमता पर निर्भर करता है। यदि किसी व्यक्ति की आय सीमित है और वह निवेश को सरल रखना चाहता है तो नॉर्मल एसआईपी बेहतर विकल्प हो सकती है। वहीं जिन लोगों की आय हर साल बढ़ती है, उनके लिए फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी अधिक फायदेमंद साबित हो सकती है। दूसरी ओर युवा निवेशक, पेशेवर और तेजी से बढ़ती आय वाले लोग वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी के जरिए लंबी अवधि में बड़ा कोष तैयार कर सकते हैं।

अलर्ट — सही अवधि का चुनाव बढ़ा सकता है रिटर्न, सुरक्षित होगा भविष्य

1, 3 या 5 साल... किस फिक्स्ड डिपॉजिट में मिलेगा ज्यादा मुनाफा? ब्याज दर, टैक्स और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रख करें निवेश

समझदारी

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार की उठापटक के बीच यदि कोई निवेश विकल्प आज भी सबसे भरोसेमंद माना जाता है तो वह है फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी)। पूंजी की सुरक्षा और पहले से तय रिटर्न के कारण एफडी आज भी लाखों निवेशकों की पहली पसंद बनी हुई है।

खासकर नौकरीपेशा, वरिष्ठ नागरिक और जोखिम से बचने वाले निवेशक एफडी को सुरक्षित निवेश मानते हैं। हालांकि एफडी में निवेश करते समय सबसे बड़ा सवाल यह होता है कि 1 साल, 3 साल या 5 साल में से किस अवधि की एफडी सबसे अधिक लाभ देगी। इसका जवाब केवल ब्याज दरों में नहीं छिपा है। सही एफडी का चुनाव आपकी वित्तीय जरूरत, निवेश की अवधि, ब्याज दरों के रुझान और टैक्स प्लानिंग पर निर्भर करता है। वर्तमान में विभिन्न सरकारी, निजी और स्मॉल फाइनेंस बैंक अलग-अलग अवधि पर अलग ब्याज दरें दे रहे हैं। ऐसे में निवेश करने से पहले इनकी तुलना करना जरूरी हो जाता है।

सीनियर सिटीजन को अतिरिक्त फायदा

लगभग सभी बैंक वरिष्ठ नागरिकों को सामान्य ग्राहकों की तुलना में 0.25 से 0.75 प्रतिशत तक अतिरिक्त ब्याज देते हैं। कई बैंक सुपर सीनियर सिटीजन के लिए भी विशेष ब्याज दरें लागू करते हैं। इसलिए वरिष्ठ नागरिकों को निवेश से पहले बैंक की विशेष एफडी योजनाओं की जानकारी अवश्य लेनी चाहिए।

सिर्फ ब्याज दर देखकर फैसला न करें

निवेश विशेषज्ञों का मानना है कि एफडी चुनते समय केवल सबसे अधिक ब्याज दर पर ध्यान देना सही रणनीति नहीं है। बैंक की विश्वसनीयता, जमा राशि की सुरक्षा, समय से पहले निकासी के नियम, ब्याज भुगतान का विकल्प और आपकी वित्तीय जरूरत भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं।

किसके लिए कौन-सी एफडी?

1 साल की एफडी

- कम अवधि का निवेश
- पैसों की जल्द जरूरत होने की संभावना
- ब्याज दर बढ़ने पर दोबारा निवेश का अवसर

3 साल की एफडी

- बेहतर रिटर्न और संतुलित अवधि
- मध्यम अवधि के वित्तीय लक्ष्य
- जोखिम कम, रिटर्न अपेक्षाकृत बेहतर

5 साल की एफडी

- लंबी अवधि का सुरक्षित निवेश
- धारा 80सी के तहत टैक्स बचत
- भविष्य के बड़े वित्तीय लक्ष्यों के लिए उपयुक्त

निवेश टिप्स

- निवेश का उद्देश्य और अवधि पहले तय करें।
- विभिन्न बैंकों की ब्याज दरों की तुलना करें।
- केवल अधिक ब्याज के बजाय बैंक की विश्वसनीयता भी देखें।
- टैक्स बचत चाहिए तो 5 साल की टैक्स-सेवर एफडी चुनें।
- वरिष्ठ नागरिक अतिरिक्त ब्याज दर का लाभ अवश्य लें।

बिजनेस साइट

अनोपचंद तिलोकचंद ज्वेलर्स में 9 से 16 जुलाई तक होगा 'जोहार जगन्नाथ 2026'

महाप्रसाद वितरण और रील प्रतियोगिता आकर्षण का केंद्र

रायपुर। मध्य भारत के प्रतिष्ठित ज्वेलरी ब्रांड अनोपचंद तिलोकचंद ज्वेलर्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से 9 से 16 जुलाई तक एटी पैलेस, कोतवाली चौक में 'जोहार जगन्नाथ 2026' धार्मिक महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। आठ दिवसीय इस आयोजन में भगवान श्रीजगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा की भव्य स्थापना की जाएगी। श्रद्धालुओं के लिए पुरी से भगवान जगन्नाथ का पावन महाप्रसाद मंगवाया जाएगा, जिसका वितरण स्थापना दिवस से रथयात्रा तक प्रतिदिन किया जाएगा।

मनोकामना पेटी के माध्यम से पुरी भेजी जाएंगी श्रद्धालुओं की प्रार्थनाएं

संस्था के चेयरमैन तिलोकचंद बरड़िया ने श्रद्धालुओं से आयोजन स्थल पर स्थापित 'मनोकामना पेटी' में अपनी इच्छाएं, प्रार्थनाएं और संकल्प लिखकर समर्पित करने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के समापन के बाद सभी मनोकामनाओं को पुरी स्थित श्रीजगन्नाथ मंदिर में भगवान के श्रीचरणों में अर्पित किया जाएगा।

70वें स्थापना वर्ष पर रील प्रतियोगिता विजेताओं को मिलेंगे आकर्षक नकद पुरस्कार

संस्था के डायरेक्टर नितिन बरड़िया ने बताया कि संस्था के 70वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में विशेष रील प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। इसमें 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के प्रतिभागी भगवान श्रीजगन्नाथ से जुड़े प्रेरक प्रसंग अथवा संस्था से जुड़े अपने अनुभवों पर रील बनाकर भाग ले सकेंगे। प्रतिभागियों को संस्था के आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज को फॉलो कर रील को कोलैबोरेट और साझा करना होगा। सर्वाधिक लाइक और शेयर प्राप्त करने वाली रीलों को प्रथम पुरस्कार 15 हजार, द्वितीय 11 हजार तथा तृतीय 5,100 रुपए की नकद राशि प्रदान की जाएगी।

श्रद्धा, संस्कृति और सामाजिक सहभागिता का बनेगा भव्य संगम

डायरेक्टर निकेश बरड़िया ने कहा कि 'जोहार जगन्नाथ 2026' श्रद्धा, संस्कृति, सेवा और सामाजिक सहभागिता का अनूठा संगम होगा, जो समाज को भगवान जगन्नाथ की भक्ति से जोड़ने के साथ एकता का संदेश भी देगा। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं, परिवारों और युवाओं से इस धार्मिक महोत्सव में शामिल होकर भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।

उरुग्वे टूर्नामेंट से बाहर, नॉकआउट में स्पेन

स्पेन ने 1-0 से हराया

गुआडालाजारा। स्पेन ने गोलकीपर फर्नांडो मुसलेरा की एक और गलती का फायदा उठाते हुए उरुग्वे को 1-0 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट चरण में प्रवेश किया और दक्षिण अमेरिका की दिग्गज टीम को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। दो बार की चैंपियन उरुग्वे की टीम ग्रुप एच में एक भी मैच नहीं जीत सकी। यूरोपीय चैंपियन स्पेन ने सात अंकों के साथ ग्रुप में पहला स्थान हासिल किया और अगले दौर में उसका सामना गुरुवार को कैलिफोर्निया के इंगलवुड में ग्रुप जे से दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम (ऑस्ट्रिया या अल्जीरिया) से होगा। स्पेन के लिए एलेक्स बाएना ने 42वें मिनट में गोल दागा, जब मुसलेरा पेनल्टी एरिया के अंदर से लगाए गए उनके शॉट को रोकने में नाकाम रहे जबकि यह मुश्किल नहीं लग रहा था। 40 वर्षीय मुसलेरा की यह टूर्नामेंट में तीसरी गलती थी, जिसके बाद कोच मार्सेलो बिएल्सा ने उन्हें हाफ टाइम में ही बाहर कर दिया।

सेनेगल ने की इराकी टीम पर गोलों की बारिश

5-0 से दर्ज की जीत

टोरंटो। स्थानापन्न खिलाड़ी पेप गुये के दो गोल की मदद से सेनेगल ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे इराक पर 5-0 की शानदार जीत हासिल करके विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। इराक के रेबिन सलाका को 13वें मिनट में ही लाल कार्ड दिखाकर बाहर भेज दिया था और इसके बाद उसे 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा, जिसका सेनेगल ने पूरा फायदा उठाया। सेनेगल की तरफ से हबीब दियारा ने चौथे मिनट में ही गोल कर दिया था। इससे वह मध्यांतर तक 1-0 से आगे था। उसने दूसरे हाफ में गोल की झड़ी लगा दी। इस्माइल सर्र ने 56वें मिनट में गोल करके स्कोर 2-0 कर दिया। इसके बाद पेप गुये ने 59वें और 71वें मिनट में गोल किए। उसकी तरफ से आखरी गोल 82वें मिनट में इलिमन नदिये ने किया। सेनेगल ग्रुप आई में फ्रांस और नॉर्वे से हार गया था लेकिन इराक पर जीत से उसने तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल किए।

केप वर्दे नॉकआउट में पहुंचने वाला सबसे छोटा देश

सऊदी अरब से खेला ड्रॉ

ह्यूस्टन। केप वर्दे ने अपना स्वप्निल अभियान जारी रखते हुए सऊदी अरब के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ खेला और इस तरह से विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट राउंड में पहुंचने वाला सबसे छोटा देश बन गया। उसकी यह उपलब्धि 40 वर्षीय गोलकीपर वोजिन्हा के शानदार खेल के दम पर संभव हुई है, जिन्होंने अपने देश की दृढ़ता का प्रतीक बनकर सबको प्रभावित किया है। वोजिन्हा ने कहा, हम भले ही (क्षेत्रफल में) छोटे हैं, लेकिन हमारे दिल बहुत बड़े हैं। हम हार नहीं मानते। हम जुझारू हैं।' केप वर्दे ने ग्रुप एच में अपने तीनों मैच ड्रॉ कराए, जिससे वह स्पेन के बाद दूसरे स्थान पर रहकर आगे बढ़ने में सफल रहा। इस ग्रुप में उरुग्वे और सऊदी अरब दो-दो अंक ही हासिल कर पाए और वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए। अफ्रीका के पश्चिमी तट पर स्थित छोटा द्वीपीय राष्ट्र केप वर्दे फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर पहली बार खेल रहा है।

मिस्र ने पहली बार बनाई राउंड ऑफ 32 में जगह

सिएटल। मिस्र ने महमूद साबेर के शुरू में किए गए गोल के बावजूद कुछ विषम पलों से गुजरते हुए ईरान के खिलाफ बेहद महत्वपूर्ण मैच को 1-1 से ड्रॉ खेला और पहली बार विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट चरण में जगह बनाई। ईरान ने गोल करने के अधिक मौके बनाए। इनमें संभावित विजयी गोल भी शामिल था, जिसे ऑफसाइड के कारण रद्द कर दिया गया। उसे अब अपने भाग्य का पता लगाने के लिए एक दिन इंतजार करना होगा जब टूर्नामेंट में तीसरे स्थान पर रहने वाली सर्वश्रेष्ठ आठ टीम का निर्धारण होगा। मिस्र ने पांचवें मिनट में साबेर के गोल से शुरुआती बढ़त हासिल कर ली। मोहम्मद सालाह ने बॉक्स के अंदर शानदार खेल दिखाया, जिसके बाद साबेर ने ईरान के गोलकीपर अलीरेजा बेइरानवंद के पैरों के बीच से शॉट मारकर गोल कर दिया। ईरान ने नौ मिनट बाद रामिन रेज़ेयान के गोल से मैच को बराबरी पर ला दिया। उसने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के तीसरे मिनट में विजयी गोल कर दिया था जब शोजा खलीलज़ादेह ने गोल में शॉट लगाया, लेकिन वीडियो समीक्षा के बाद उसे ऑफसाइड करार दिया गया। अगर यह गोल मान्य होता तो ईरान नॉकआउट राउंड में अपनी जगह पक्की कर लेता।

डेम्बेले ने रचा इतिहास, फ्रांस की नार्वे पर 4-1 से धमाकेदार जीत

32 साल बाद पहले हाफ में हैट्रिक

एजेंसी ▶▶| फॉक्सबोरो

स्ट्राइकर उस्मान डेम्बेले ने पहले हाफ में ही हैट्रिक बनाई, जिससे फ्रांस ने विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप आई में नॉर्वे को 4-1 से हराकर अपना विजय अभियान जारी रखा। डेम्बेले ने सातवें, 20वें और 32वें मिनट में गोल किए। उनके एक गोल में काइलियन एमबाप्पे ने मदद की।

विश्व कप में पिछले 32 वर्षों में यह पहला अवसर था जबकि किसी खिलाड़ी ने पहले हाफ में ही हैट्रिक बनाई। इससे पहले 1994 में अमेरिका में खेले गए विश्व कप में रूस के फॉरवर्ड ओलेग सालेन्को ने कैमरून के खिलाफ अपने पांच में से तीन गोल शुरुआती 45 मिनट में किए थे। डेम्बेले इस तरह से लियोनेल मेस्सी और अपने साथी एमबाप्पे के साथ गोल्डन बूट की दौड़ में शामिल हो गए हैं।

फ्रांस की टीम ने बनाए रखा दबदबा

डेम्बेले ने कहा, 'यह एक अनूठा क्षण है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि हमने ग्रुप चरण में पहल स्थान पर रहकर अगले दौर में प्रवेश किया। अब हमारा ध्यान अगले मैच पर है, जो सबसे महत्वपूर्ण है।' फ्रांस और नॉर्वे पहले ही नॉकआउट चरण में जगह पक्की कर चुके थे और इस मैच से ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली टीम का फैसला होना था। फ्रांस की टीम ने दबदबा बनाए रखा। उसकी तरफ से चौथा गोल दूसरे हाफ के इंजुरी टाइम में डेसिरे डोउ ने किया। नॉर्वे के लिए एकमात्र गोल थैलो आसगार्ड ने 21वें मिनट में किया। फ्रांस ने तीन मैचों में 10 गोल किए हैं। डेम्बेले ने कहा, 'हम अपने सभी मैच जीतना चाहते हैं, लेकिन हम अपना ध्यान केंद्रित रखेंगे।'

बेल्जियम की न्यूजीलैंड पर बड़ी जीत, ग्रुप जी में शीर्ष पर

वैंकूवर। लिएंड्रो ट्रोसार्ड (28वें और 50वें मिनट) के दो गोल की बदौलत बेल्जियम ने विश्व कप फुटबॉल में धीमी शुरुआत के बावजूद न्यूजीलैंड पर 5-1 से जीत हासिल कर नॉकआउट दौर में प्रवेश किया। इस जीत से बेल्जियम ने पांच अंकों के साथ ग्रुप जी में शीर्ष स्थान हासिल किया और वह अगले दौर में बुधवार को सिएटल में तीसरे स्थान पर रहने वाली सर्वश्रेष्ठ आठ टीमों में से किसी एक टीम का सामना करेगा। ग्रुप जी में मिस्र ने भी पांच अंक हासिल किए लेकिन वह बेल्जियम से गोल अंतर में पीछे रहने के कारण दूसरे स्थान पर रहा। केविन डी ब्रुइन (66वें), रोमेलु लुकाकू (86वें) और एलेक्सिस सैलेमेकर्स (इंजरी टाइम के चौथे मिनट) ने भी बेल्जियम के लिए गोल किए। इससे उसने बड़ी जीत सुनिश्चित करके ग्रुप में पहला स्थान भी हासिल कर लिया। बेल्जियम चार साल पहले कतर में खेले गए विश्व कप में ग्रुप चरण से ही बाहर हो गए था, जबकि उसने रूस में विश्व कप 2018 में तीसरा स्थान हासिल किया था। न्यूजीलैंड के लिए एलिजा जस्ट ने 84वें मिनट में गोल किया। उसे नॉक आउट चरण में जगह बनाने के लिए इस मैच में जीत की दरकार थी लेकिन अब उसे वापस घर लौटना होगा।

खबर संक्षेप

ऑस्ट्रेलिया-भारत के बीच हाई-वोल्टेज मुकाबला आज

लंदन। महिला टी20 वर्ल्ड कप में भारतीय महिला क्रिकेट टीम 28 जून (रविवार) को शाम 7 बजे से लंदन के लॉर्ड्स मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना आखिरी लीग मैच खेलेगी। कप्तान हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में खेल रही भारतीय टीम को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए हर हाल में यह मैच जीतना होगा।

एंसी सोजन ने तोड़ा अंजू बॉबी जॉर्ज का रिकॉर्ड

भुवनेश्वर। केरल की लंबी कूद की खिलाड़ी एंसी सोजन ने राष्ट्रीय अंतर प्रांत चैंपियनशिप में लंबी कूद में अंजू बॉबी जॉर्ज का 22 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा जबकि ऊंची कूद में सर्वेश कुशारे ने भी नया रिकॉर्ड बनाया। 25 वर्ष की एंसी ने 6.88 मीटर की कूद लगाई। पूर्व विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता अंजू का रिकॉर्ड 6.83 मीटर का था, जो उन्होंने 2004 एथेंस ओलंपिक में बनाया था। एंसी ने भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के तय किए एशियाई खेलों के 6. 48 मीटर के क्वालीफाइंग आंकड़े को भी पीछे छोड़ा। वह इससे पहले इस सत्र में 6.75 मीटर की कूद लगाने वाली दूसरी एशियाई खिलाड़ी थी, जो उनका पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था।

963 दिन बाद वापसी फीकी, जीत के साथ दौरा खत्म करना चाहेंगे अय्यर

एजेंसी ▶▶| बेलफास्ट

आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला के शुरुआती मुकाबले में चौकाने वाली हार का सामना करने के बाद भारत की स्टार खिलाड़ियों से सजे शीर्ष बल्लेबाज़ी क्रम पर रविवार को होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव होगा। श्रेयस अय्यर की टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 963 दिनों बाद वापसी और राष्ट्रीय टीम की कप्तानी की शुरुआत उतनी अच्छी नहीं रही। वह बुधवार से चेस्टर-ले-स्ट्रीट में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला शुरू होने से पहले आयरलैंड दौरे का समापन जीत के साथ करना चाहेंगे।

आयरलैंड के खिलाफ मुकाबला आज शाम 6 बजे से

बिखरी टीम इंडिया की बल्लेबाजी

भारतीय टीम की सबसे बड़ी समस्या बल्लेबाजी का बिखर जाना रही। तीन महीने पहले विश्व कप में नायक रहे संजू सैमसन सिर्फ चार गेंद खेलकर आउट हो गए। ईशान किशन और अय्यर भी बल्ले से कोई खास योगदान नहीं दे सके। अभिषेक शर्मा ने आक्रामक खेल जारी रखा और अच्छी शुरुआत दी, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से सहयोग नहीं मिला। पावरप्ले के बाद उनका आउट होना भारत की पारी के लिए बड़ा झटका साबित हुआ।

राणा ने किया अच्छा प्रदर्शन

गेंदबाजी में कुछ सकारात्मक बातें भी रहीं। हर्षित राणा ने चोट से वापसी करते हुए 24 रन देकर 3 विकेट के साथ अच्छा प्रदर्शन किया। अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल ने भी अंतिम ओवरों में बेहतर गेंदबाजी की। टीम को सबसे अधिक नुकसान वॉशिंगटन सुंदर के एक ओवर में 19 रन और प्रसिद्ध कृष्णा के चार ओवरों में 57 रन लुटाने से हुआ। कृष्णा ने पारी के 17वें ओवर में 27 रन दिए।

आयरलैंड का मनोबल ऊंचा

आयरलैंड की ओर से कप्तान लोर्कान टकर ने 50 रन और गैरेथ डेलानी ने 49 रन की अहम पारियां खेलीं, जिससे टीम ने बड़ा स्कोर खड़ा किया। श्रृंखला के शुरुआती मैच में इतिहास रचने के बाद आयरलैंड का मनोबल ऊंचा है, जबकि भारतीय टीम श्रृंखला गंवाने की शर्मनाक स्थिति से बचने के साथ-साथ इंग्लैंड दौरे के लिए अपनी तैयारियों को मजबूत करना चाहेगी।

एफआईएच प्रो लीग : भारत ने की पाकिस्तान पर गोल की वर्षा

लंदन। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए एफआईएच प्रो लीग के लंदन चरण के दूसरे मैच में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 7-1 से करारी शिकस्त दी। भारत ने शुरू में गोल खाने के बाद शानदार वापसी की और इसके बाद गोल वर्षा कर दी। उसकी तरफ से सुखजीत सिंह (20वें), हरमनप्रीत सिंह (26वें), हार्दिक सिंह (34वें), जुगराज सिंह (35वें), अभिषेक (41वें), राज कुमार पाल (44वें) और दिलप्रीत सिंह (54वें) ने गोल किए। मिडफील्डर हार्दिक को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

HDFC BANK | HDFC Bank Ltd.

शाखा : अलास्का टॉवर, लोधीपारा रोड, शंकर नगर, रायपुर - 492001
Tel: 0771-4243149/149 CIN L65920MH1994PLC080618 Website: www.hdfcbank.com

ई-नीलामी विक्रय सूचना

नीलामी की तिथि एवं समय :- 05-अगस्त-2026, सुबह 10.30 बजे से सुबह 11.00 बजे
(बिक्री समाप्त होने तक 5 मिनट के असीमित विस्तार के साथ)

एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी (पूर्ववर्ती एचडीएफसी लिमिटेड का दिनांक 17 मार्च 2023 के आदेश के तहत् माननीय एनसीएलटी-मुंबई द्वारा अनुमोदित सम्मेलन योजना के आधार पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ विलय हो गया है) (एचडीएफसी) बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री नोटिस जारी करता है। वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और सुरक्षाहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत अचल संपत्तियों की संख्या, सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के प्रावधानों के साथ पठित।
एतद द्वारा सामान्य रूप से जनता को और विशेष रूप से उधारकर्ता (ओं) और गारंटीकर्ता (ओं) को कॉलम (ए) में इंगित किया गया है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति (बंध) कॉलम (सी) में वर्णित है जो सुरक्षित व्यक्ति को गिरवी रखी गई है। लेनदार, जिसका भौतिक कब्जा एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कॉलम (डी) में वर्णित सुरक्षित लेनदार द्वारा लिया गया है, 'जैसा है जहां है', 'जैसा है' पर बेचा जाएगा। क्या है', और 'जो कुछ भी है' नीचे दिए गए विवरण के अनुसार:
एतद्द्वारा, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के अंतर्गत कॉलम (ए) में दर्शाए गए संबंधित उधारकर्ता/बंधककर्ता(ओं)/कानूनी उत्तराधिकारियों, कानूनी प्रतिनिधियों (ज्ञात या अज्ञात), निष्पादक(ओं), प्रशासक(ओं), उत्तराधिकारी(ओं) और समनुदेशितियों को, जैसा भी मामला हो, सूचना दी जाती है।
बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया एचडीएफसी बैंक लिमिटेड सुरक्षित लेनदार की वेबसाइट यानी www.hdfcbank.com में दिए गए लिंक को देखें।

स. क्र.	(A) ऋणी(यों) का नाम	(B) वसूल की जाने वाली बकाया राशि (प्रतिभूत ऋण) (रु.)*	(C) अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति का विवरण (1 वर्गमीटर 10.76 वर्गफुट के बराबर है)	(D) कब्जे का प्रकार	(E) आरक्षित मूल्य (रु.)	(F) ब्याना जमा राशि (रु.)	(G) बोली वृद्धि राशि (रु.)
1.	**श्री कुमार कृष्णा,** मकान नं. एम.क्यू/30, शक्ति नगर, पोस्ट-गेवरा, कोरबा, छ.ग.-495454.	₹ 41,26,322/- 30 नवंबर 2021* की स्थिति में	फ्लैट-702, फ्लोर-7, आकृति हाइट्स, स.क्र., ख.नं. 2635/8, प.ह.नं. 14, ग्राम-कोहका, फरीद नगर, भिलाई; तहसील एवं जिला - दुर्ग, बिल्टअप एरिया-1820 वर्ग फीट, 161.14 वर्ग मीटर। **लेटिट्यूड-21.212759, लांगिट्यूड-81.339927.**	भौतिक	₹25,00,000/-	₹2,50,000/-	₹ 5,000/-
2.	**श्री मोहर्रिर प्रवीण** 1 7 2064 बैंक कॉलोनी, चा भाग देना बेकचे पथी, गीता नगर, शरद नगर, नांदेड़-वाघाला, 441221-महाराष्ट्र। **श्रीमती देशपांडे मोहिनी दत्तात्रेय** 1 7 2064 बैंक कॉलोनी, चा भाग देना बेकचे पथी, गीता नगर, शरद नगर, नांदेड़-वाघाला, 441221-महाराष्ट्र।	₹ 30,42,215/- 30 सितंबर 2022 की स्थिति में	फ्लैट-2-सी, दूसरी मंज़िल, अवनी एन्क्लेव, स.क्र., खसरा 88/1,2,4, 88/5(92), 93/24, 111, 112/3, 113/11, प.ह.नं.- 18/25, ग्राम-कसरीडीह, दुर्ग, फ्लैट का बिल्टअप एरिया- 71.21 वर्ग मीटर, **लेटिट्यूड-21.179287, लांगिट्यूड-81.273806.**	भौतिक	₹21,00,000/-	₹2,10,000/-	₹ 5,000/-
3.	**श्री निषाद विनोद कुमार** वार्ड क्रमांक 16, शांति नगर, भिलाई 3, दुर्ग-490024. **श्रीमती निशाद लीलेश्वरी** वार्ड क्रमांक 16, शांति नगर, भिलाई 3, दुर्ग- 490024.	₹ 16,98,406/- 31 अक्टूबर 23 की स्थिति में	यूनिट-58, 59, सर्वोदय ग्रीन्स, स.क्र., खसरा नं. 49, प.ह.नं. 46/49, ग्राम-चोरहा, दुर्ग छ.ग., प्लॉट एरिया 1200 वर्ग फीट। **लेटिट्यूड-21.252865, लांगिट्यूड-91.495391.**	भौतिक	₹6,00,000/-	₹60,000/-	₹ 5,000/-
4.	**श्री गुप्ता गोपाल** पुत्र घनश्याम गुप्ता, मकान नंबर 99, वार्ड नंबर 23, कुआ के पास, जूनी हटरी, राजनांदगांव, राजनांदगांव छ.ग. -491441. **श्रीमती गुप्ता रेणुका** मकान नंबर 99, वार्ड नंबर 23, कुआ के पास, जूनी हटरी, राजनांदगांव, राजनांदगांव छ.ग. -491441.	₹ 29,91,197/- 31 मई 2023 की स्थिति में	प्लॉट खसरा नं. 312/22, 313/11 मकान खसरा नं. 314/12, 315/20, खसरा 316/12, प.ह.नं. 28/46, मौजा मोतीपुर, तुलसीपुर वार्ड क्रमांक 16, बख्तावर चॉल, राजनांदगांव छ.ग., प्लॉट एरिया 3900 वर्ग फीट। बिल्टअप एरिया भूतल-1500 वर्ग फीट, **लेटिट्यूड-21.101325, लांगिट्यूड-81.020374.**	भौतिक	₹18,00,000/-	₹1,80,000/-	₹ 5,000/-
5.	**श्री देवांगन डोमन लाल** ब्लॉक नंबर- ए, महादेव घाट रोड, केआरसी टॉवर के पीछे, रायपुरा, ओम हॉस्पिटल के पास, रायपुर, छत्तीसगढ़, पिन - 492013. **श्री देवांगन डोमन लाल** मे. डी एस सर्विस, ब्लॉक नंबर- ए, महादेव घाट रोड, केआरसी टॉवर के पीछे, रायपुरा, ओम हॉस्पिटल के पास, रायपुर, छ.ग., पिन - 492013. **श्रीमती देवांगन अंजू** ब्लॉक नंबर- ए, महादेव घाट रोड, केआरसी टॉवर के पीछे, रायपुरा, ओम अस्पताल के पास, रायपुर, छत्तीसगढ़, पिन - 492013.	₹ 38,39,960/- 31 मार्च 2025 की स्थिति में	समस्त भाग एवं आंशिक भाग का मकान क्षेत्रफल 1000 वर्ग फुट (भूतल- 850 वर्ग फुट, प्रथम तल-1000 वर्ग फुट), खसरा नंबर नया 595/64, पुराना 595/6(भाग); घर प.ह. 57, मौज़ा रायपुर, कुम्हार पारा, माधवराव सप्रे वार्ड-69, गणेश नगर, दुर्गा मंदिर के पास, रायपुर (छत्तीसगढ़); कुल क्षेत्रफल-1000 वर्ग फुट (92.903 वर्ग मीटर); भूतल बिल्टअप एरिया 850 वर्ग फुट, प्रथम तल बिल्टअप एरिया-1000 वर्ग फुट; **लेटिट्यूड-21.221179, लांगिट्यूड-81.5955937.**	भौतिक	₹30,41,000/-	₹3,04,100/-	₹ 5,000/-
6.	**श्री प्रकाश अनोश,** प्रीति किराना स्टोर के पीछे, ग्रीन पार्क कॉलोनी, जरहाभाठा, बिलासपुर-छ.ग.-495001. **श्रीमती प्रकाश रशिम अनोश,** प्रीति किराना स्टोर के पीछे, ग्रीन पार्क कॉलोनी, जरहाभाठा, बिलासपुर-छ.ग.-495001. **श्रीमती प्रकाश आशा,** प्रीति किराना स्टोर के पीछे, ग्रीन पार्क कॉलोनी, जरहाभाटा, बिलासपुर-छ.ग.-495001. **श्री प्रकाश अनोश,** काली ढाबा के पीछे, हिर्री माइंस, छतौना, बिलासपुर-छ.ग.- 495224. **श्रीमती प्रकाश रशिम** अनोश काली ढाबा हिर्री माइंस के पीछे, छतौना, बिलासपुर-छ.ग.- 495224. **श्रीमती प्रकाश आशा** काली ढाबा हिर्री माइंस के पीछे, छतौना, बिलासपुर-छ.ग.- 495224. **श्री प्रकाश अनोश,** प्रकाश इंटरप्राइजेज, न्यू हाई कोर्ट के पास, काली ढाबा के पीछे, रायपुर रोड-बिलासपुर-छग- 495001.	₹ 3,15,03,835/- 31 अगस्त 2022* की स्थिति में	प्लॉट 101, मकान शीट संख्या 5/4, खसरा 118/1, प.ह.नं. 22, मौजा तालापारा कॉलोनी, ग्रीन पार्क, वार्ड नंबर 9, बिलासपुर, प्लॉट एरिया (बिक्री विलेख के अनुसार):- 11,725 वर्ग फुट (1089.68 वर्ग मीटर), बी-1 के अनुसार:- 9146 वर्ग फुट (850 वर्ग मीटर), निर्माण:- (निर्मित क्षेत्र) भूतल (पिछला भाग)- 1573 वर्ग फुट (146.59 वर्ग मीटर), प्रथम तल (पिछला भाग)- 1573 वर्ग फुट (146.59 वर्ग मीटर), वास्तविक प्लॉट एरिया (साइट के अनुसार)- 6572 वर्ग फुट, भूतल (व्यावसायिक भाग):- 1975 वर्ग फुट (183.55 वर्ग मीटर), **लेटिट्यूड-22.075289, लांगिट्यूड-82.139343.**	भौतिक	₹2,50,00,000/-	₹25,00,000/-	₹ 15,000/-

सुरक्षित संपत्ति के निरीक्षण की तिथि और समय :- 13-जुलाई-2026, सुबह 10.30 बजे से शाम 5.30 बजे
बोली की अंतिम तिथि :-03-अगस्त-2026, शाम 5.00 बजे के पहले

* साथ में अतिरिक्त ब्याज, जैसा लागू हो, भुगतान की तारीख और/या उसकी प्राप्ति तक किए गए आकस्मिक व्यय, लागत, प्रभार आदि।
(1) आइटम सीरियल नंबर 01 पर सोसाइटी का ₹ 7,50,000/- का बकाया चार्ज है (इसमें अतिरिक्त चार्ज आदि शामिल नहीं हैं जो लग चुके हैं या लग सकते हैं)। प्रॉपर्टी खरीदने वाले को यह बकाया रकम अनिवार्य रूप से चुकानी होगी। कृपया ध्यान दें कि यह रिज़र्व प्राइस के अलावा है। खरीदार को यह रकम सीधे सोसाइटी को चुकानी होगी। (2) HDFC के अधिकृत अधिकारी की जानकारी एवं ज्ञान के अनुसार, सीरियल नंबर 2-5 वाली अचल संपत्तियों/सुरक्षित संपत्तियों पर कोई बोझ (Encumbrance) नहीं है। (3) सीरियल नंबर 6 वाली प्रॉपर्टी के संबंध में यह बताया जाता है कि सिक्युरिटाइज़ेशन एप्लीकेशन (SA) SA/98/2023 अभी माननीय डेट रिकवरी ट्रिब्यूनल (DRT) जबलपुर के समक्ष विचाराधीन है, एवं उक्त प्रॉपर्टी की प्रस्तावित ई-नीलामी और बिक्री, माननीय DRT द्वारा उक्त कार्यवाही में पारित किए जाने वाले अंतिम आदेशों और निर्देशों के अधीन और उन पर निर्भर होगी।
संपत्ति के निरीक्षण से संबंधित किसी भी सहायता के लिए, या ई-नीलामी बोली दस्तावेज प्राप्त करने के लिए और किसी भी अन्य प्रश्न के लिए, कृपया एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के अधिकृत अधिकारी श्री लोकेश माहोरे से टेलीफोन नंबर 871800900 या श्री अंशुल अग्रवाल से टेलीफोन नंबर 9713436260 या मेसर्स वैल्यू ट्रस्ट कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड से संपर्क करें; ई-मेल: Auction.Manager@BidDeal.in ; संपर्क नंबर: +919266604643.
सावधानी नोट: बड़े पैमाने पर ई-बोलीदाताओं को सूचित किया जाता है कि एचडीएफसी बैंक लिमिटेड और उसके अधिकृत अधिकारी नीलामी बिक्री नोटिस में उल्लिखित अचल संपत्ति के संबंध में नकद लेनदेन नहीं करते हैं। नाम और अचल संपत्ति की बिक्री से निपटने के लिए एचडीएफसी बैंक लिमिटेड द्वारा अधिकृत एजेंसी/दलाल, यदि कोई हो, का संपर्क विवरण केवल ऊपर उल्लिखित पते पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

दिनांक: 28 जून, 2026
स्थान: रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, राजनांदगांव

रजिस्टर्ड पता-एच.डी.एफ.सी. बैंक हाऊस, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल (पश्चिम), मुम्बई-400013

एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड
प्राधिकृत अधिकारी

ASA

अमेरिकी ओपनः सेमीफाइनल में देविका, रौनक और श्रीकांत

देविका ने किया उलटफेर, तीसरी वरीयता प्राप्त गुंजी को हराया

एजेंसी ▶▶| फुलर्टन

देविका सिहाग ने जापान की तीसरी वरीयता प्राप्त रिको गुंजी को हराकर बड़ा उलटफेर करके अमेरिकी ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया जबकि रौनक चौहान ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अंतिम चार में जगह बनाई।

देविका ने महिला एकल क्वार्टरफाइनल में दोनों गेम के अंतिम क्षणों में संयम बनाए रखते हुए गुंजी को 22-20, 21-19 से हराया।

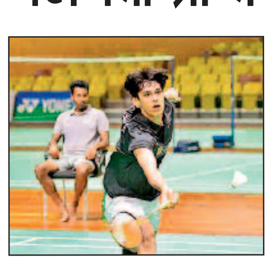

रौनक ने जिल्बरमैन को सिर्फ 38 मिनट में हराया

रौनक चौहान ने इजरायल के मिशा जिल्बरमैन को सिर्फ 38 मिनट में 23-21, 21-11 से पराजित किया। वह पहली बार किसी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 300 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। इसके बाद अनुभवी खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने एक अन्य क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के लियाओ झूओ-फू को 21-9, 12-21, 21-8 से हराकर रविवार को भारत के दो खिलाड़ियों के बीच फाइनल की उम्मीदें बढ़ा दीं।

अब देविका करेंगी क्रिस्टोफरसन का सामना

सेमीफाइनल में चौहान का सामना चीन के ताइपे के आठवीं वरीयता प्राप्त सु ली यांग से होगा, जबकि श्रीकांत जापान के चौथी वरीयता प्राप्त युदाई ओकिमोतो का सामना करेंगे। देविका सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त लाइन क्रिस्टोफरसन का सामना करेंगी। डेनमार्क की इस खिलाड़ी ने क्वार्टरफाइनल में भारत की तन्वी शर्मा को 21-16, 11-21, 21-11 से हराया। महिला एकल के एक अन्य क्वार्टरफाइनल में रक्षिता श्री कनाडा की राहेल चान से 15-21, 21-16, 21-12 से हार गईं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com